ಶುಭ್ ಲಾಭ್
शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

जीवन की हानि के मामलों में न्यूनतम 10 वर्ष और अधिकतम आजीवन @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शुक्रवार, 22 अगस्त, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-232

वोट-चोरी के आरोप के पीछे डीप-स्टेट और फॉरेन फंडिंग का खेल

राहुल गांधी ने सीएसडीएस से साठगांठ कर फैलाया झूठ

नई दिल्ली, 21 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ साठगांठ कर फर्जी चुनावी आंकड़ों का शिगूफा छोड़ने वाले सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ डेवलपिंग सोसाइटीज (सीएसडीएस) के संजय कुमार और कांग्रेस नेता राहुल गांधी समेत कई लोगों के खिलाफ दिल्ली में शिकायत की गई है। विदेशी फंडिंग के बूते फर्जी आंकड़ों का खेल शुरू करने वाले संजय कुमार अब कानून के सीधे निशाने पर हैं।

केंद्र सरकार की संस्था से भी फंडिंग लेता था सीएसडीएस, नोटिस जारी हुई

सीएसडीएस के संजय कुमार व कांग्रेस के राहुल गांधी पर एफआईआर दर्ज

फर्जीवाड़े के खिलाफ शुरू हुई कार्रवाई के बीच भारतीय सामाजिक विज्ञान परिषद (आईसीएसएसआर) ने सीएसडीएस पर सवाल उठाए हैं और शो कॉज नोटिस जारी किया है। आईसीएसएसआर ने सीएसडीएस पर फर्जी डेटा पेश करने और चुनाव आयोग की गरिमा को ठेस पहुंचाने का भी आरोप लगाया है। आईसीएसएसआर सीएसडीएस को फंड देता रहा है। सीएसडीएस की विदेशी फंडिंग खासकर जर्मनी की को-नराड एडेनॉयर फाउंडेशन से मिलने वाली करोड़ों रुपए की फंडिंग भी अब जांच के घेरे में हैं। यह विवाद 17 अगस्त 2025 को तब शुरू हुआ जब सीएसडीएस के संजय कुमार ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट डाली। उन्होंने दावा किया कि महाराष्ट्र के कुछ विधानसभा क्षेत्रों में वोटर लिस्ट में भारी गड़बड़ी हुई है। उदाहरण के लिए, उन्होंने कहा कि नासिक वेस्ट का वोटर संख्या लोकसभा चुनाव से विधानसभा चुनाव तक 47.38 प्रतिशत बढ़ गई, जबकि हिंगणा में 42.08 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। साथ ही, रामटेक और देवलाली में वोटर संख्या में 40 प्रतिशत की कमी आई। इन दावों को कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने भी बढ़ाया और चुनाव आयोग पर सवाल उठाए।

लेकिन 19 अगस्त को संजय कुमार को कथित तौर पर अपनी गलती का अहसास हुआ। उन्होंने अपने पोस्ट को डिलीट कर दिया और माफी मांगी। उनका कहना था कि उनकी टीम ने डेटा की ▶10 पर

मतिशून्य : मकान नंबर-0 का मतलब वोट चोरी नहीं होता

नई दिल्ली, 21 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी बालपन के साथ-साथ मतिशून्यता भी प्रदर्शित कर रहे हैं। राहुल गांधी ने मकान नंबर-0 का हवाला देते हुए चुनाव आयोग पर चुनाव चोरी का आरोप लगाया था। जबकि बुजुर्ग राजकुमार को अब तक नहीं पता था कि बेघर मतदाताओं के आवास नंबर के आगे शून्य लिखा होता है। रैन बसेरा, आश्रय स्थलों या आश्रमों में रहने वाले मतदाताओं के भी घर का नंबर शून्य ही लिखा होता है। इसके बावजूद चुनाव आयोग राहुल गांधी के विद्वत वक्तव्य सुनने के लिए प्रतीक्षा करता रहा, लेकिन वे चुनाव आयोग के समक्ष अवतरित नहीं हुए और न कोई औपचारिक शिकायत दर्ज कराई।

विदेश मंत्री जयशंकर ने बेनकाब किया डोनाल्ड ट्रंप का झूठ

भारत नहीं, चीन है रूस के तेल का सबसे बड़ा खरीदार

मॉस्को, 21 अगस्त (एजेंसियां)। रूस के साथ तेल व्यापार को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा फैलाए गए भ्रम को भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने बड़े ही तथ्यात्मक तरीके से पूरी दुनिया के सामने धो दिया। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा, हम रूसी तेल के सबसे बड़े खरीदार नहीं हैं। रूस से तेल का सबसे बड़ा खरीदार चीन है। एलएनजी का सबसे बड़ा खरीदार भी भारत नहीं है, बल्कि वह खुद यूरोपीय संघ है। 2022 के बाद रूस के साथ व्यापार में सबसे तेज बढ़त भी हमारे साथ नहीं हुई, बल्कि दक्षिण के कुछ अन्य देशों के साथ हुई है।

जयशंकर ने कहा, हम एक ऐसा देश हैं, जिसे अमेरिकी प्रशासन खुद कहता आया है कि हमें वैश्विक ऊर्जा बाजार को स्थिर करने के लिए हर जरूरी कदम उठाने चाहिए, जिसमें रूस से तेल खरीदना भी शामिल है। वैसे, हम अमेरिका से भी तेल खरीदते हैं और वह मात्रा बढ़ रही है। इसलिए, ईमानदारी से कहूं तो जो तर्क दिया गया है, वह हमें पूरी तरह से उलझाने वाला और अस्पष्ट लगता है। अमेरिका द्वारा 50 फीसदी टैरिफ लगाए जाने के बीच भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रूस के साथ व्यापार बढ़ाने पर जोर दिया। विदेश मंत्री ने रूसी कंपनियों से अपने भारतीय समकक्षों के साथ गहराई से जुड़ने की अपील की। विदेश मंत्री ने भारत सरकार की मेक इन इंडिया जैसी पहल और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था का हवाला देते हुए कहा कि भारत में विदेशी कंपनियों के लिए काफी संभावनाएं हैं।

भारत नहीं, यूरोपीय संघ है एलपीजी का बड़ा खरीदार

रूस के डिप्टी पीएम एवं विदेश मंत्री से मिले जयशंकर

एस जयशंकर इन दिनों रूस दौरे पर हैं, जहां उन्होंने रूसी विदेश मंत्री से मुलाकात की। एक कार्यक्रम में जयशंकर ने कहा कि भारत की जीडीपी 4 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से ज्यादा है और 7 प्रतिशत की दर से विकास करने वाले भारत को विश्वसनीय स्रोतों से बड़े संसाधनों की जरूरत है। जिनमें उर्वरक, रसायन और मशीनरी की आपूर्ति सुनिश्चित की जा सकती है। भारत में तेजी से बढ़ता बुनियादी ढांचा उद्यमों के लिए बेहतर व्यवसायिक अवसर प्रदान करता है। विदेश मंत्री ने कहा कि भारत और रूस के संबंध सबसे स्थिर रहे हैं, लेकिन दोनों देशों के बीच ▶10 पर

राष्ट्रपति-राज्यपाल को निर्देश देने के उतावलेपन पर बोले सीजेआई

न्यायिक सक्रियता न्यायिक आतंकवाद नहीं बननी चाहिए

नई दिल्ली, 21 अगस्त (एजेंसियां)। राष्ट्रपति और राज्यपालों के लिए विधेयक को मंजूरी देने की समय सीमा तय करने के मामले की सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि न्यायिक सक्रियता, न्यायिक आतंकवाद नहीं बननी चाहिए। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने सख्त शब्दों में कहा कि न्यायिक सक्रियता कभी भी न्यायिक आतंकवाद या न्यायिक दुस्साहसिकता में नहीं बदलनी चाहिए। गुरुवार को सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की तरफ से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि निर्वाचित लोगों को काफी अनुभव होता है और उसे कमतर नहीं आंका जाना चाहिए। इस पर मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) जस्टिस बीआर गवई ने कहा, हमने कभी भी निर्वाचित लोगों के बारे में कुछ नहीं कहा है। मैंने हमेशा कहा है कि न्यायिक सक्रियता, कभी भी न्यायिक आतंकवाद या न्यायिक रोमांच नहीं बनना चाहिए।

पीठ में सीजेआई जस्टिस गवई के अलावा जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस एएस चंदूरकर भी शामिल हैं। तुषार मेहता ने अपने सबमिशन में सुप्रीम कोर्ट के कई फैसलों का हवाला दिया, जिसमें राज्यपालों की शक्तियों पर बात की गई। इस मामले पर सुनवाई लगातार तीसरे दिन भी जारी रही। मेहता ने कहा कि निर्वाचित लोग सीधे तौर पर जनता का सामना करते हैं। अब लोग जनप्रतिनिधियों से सवाल करते हैं। 20-25 साल पहले हालात अलग थे। अब मतदाता जागरूक हैं और उन्हें हल्के में नहीं लिया जा सकता। सॉलिसिटर जनरल मेहता ने सुनवाई के दौरान कहा कि राज्यपाल द्वारा असेंट रोकना (विदहोल्डिंग असेंट) संविधान के अनुच्छेद 200 के तहत एक स्वतंत्र और पूर्ण अधिकार है। इसे सीमित करने या उस पर समय सीमा तय करने से संविधान का संतुलन बिगड़ जाएगा। मेहता ने कहा कि राज्यपाल के पास मंजूरी रोकने का पूरा अधिकार है, जो उन्हें संविधान के अनुच्छेद 200 से मिला हुआ है। बुधवार को सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने कहा कि अगर कोई विधेयक दूसरी बार राज्यपाल की मंजूरी के लिए उनके पास भेजा जाए तो राज्यपाल उसे राष्ट्रपति ▶10 पर

निर्वाचित लोकसेवकों को कम नहीं आंकना चाहिए: तुषार मेहता

एक देश, एक चुनाव प्रक्रिया संविधान सम्मत है: जस्टिस खन्ना

बांग्लादेश से सटे प. बंगाल के जिलों में 9 गुना बढ़ा वोटर रजिस्ट्रेशन

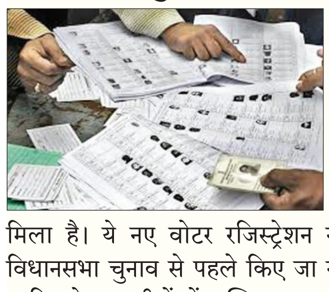

कोलकाता, 21 अगस्त (एजेंसियां)। घुसपैठ की समस्या से जूझ रहे पश्चिम बंगाल के सीमावर्ती जिलों में नए वोटर रजिस्ट्रेशन में तेजी से उछाल देखने को मिला है। ये नए वोटर रजिस्ट्रेशन राज्य में 2026 में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले किए जा रहे हैं।

पिछले 3 महीनों में मुस्लिम बहुल मालदा, मुर्शिदाबाद, नदिया, उत्तर दिनाजपुर, कूच बिहार, उत्तर 24 परगना और दक्षिण 24 परगना जिलों में फॉर्म-6 के जरिए नए वोटरों के रजिस्ट्रेशन 9 गुना तक बढ़ गए हैं। पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के दफ्तर ने भी इसकी पुष्टि की है। वोटर रजिस्ट्रेशन की संख्या इतना तेजी से बढ़ी है कि जहां पहले हर विधानसभा क्षेत्र में लगभग 100 रजिस्ट्रेशन होते थे, अब वह बढ़कर हर महीने करीब 900 तक पहुंच गए हैं। दिलचस्प बात यह है कि ये सभी जिले बांग्लादेश की सीमा से लगे हुए हैं। पश्चिम बंगाल में भाजपा लंबे समय से चेतावनी देती आई है कि सीमावर्ती जिलों में घुसपैठ और डेमोग्राफी में बदलाव बहुत बड़ी समस्या बनती जा रही है। ▶10 पर

आर्थिक एवं सामाजिक सुधारों पर विचार के लिए दो मंत्री-समूह गठित

शाह और सिंह की समितियां सुधार पर सुझाव देंगी

नई दिल्ली, 21 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश पर गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के नेतृत्व में क्रमशः आर्थिक और सामाजिक क्षेत्रों में जरूरी सुधारों को लेकर सुझाव देने के लिए दो नए अनौपचारिक मंत्री समूह का गठन किया गया है। शाह के पैनल में 13 सदस्य शामिल हैं, जिनमें वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल शामिल हैं। रेल, सूचना प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव इसके संयोजक होंगे। यह समूह वित्त, उद्योग, वाणिज्य अवसंरचना, लॉजिस्टिक्स, संसाधन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, तथा शासन सहित प्रौद्योगिकी एवं आर्थिक क्षेत्रों में विधायी एवं नीतिगत सुधार एजेंडा तैयार करने पर ध्यान केंद्रित करेगा। सामाजिक, कल्याण और सुरक्षा क्षेत्रों पर गठित दूसरे 18-सदस्यीय समूह का नेतृत्व रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह कर रहे हैं। यह समूह शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, रक्षा, कौशल विकास, सामाजिक कल्याण, आवास, श्रम, जन स्वास्थ्य आदि क्षेत्रों में सुधारों की संभावनाओं पर विचार करेगा। इस समूह में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान शामिल होंगे। श्रम एवं खेल मंत्री मनसुख मंडाविया को संयोजक नियुक्त किया गया है।

शाह के जिम्मे आर्थिक, सिंह के जिम्मे सामाजिक

इन समूहों का गठन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वतंत्रता दिवस के संबोधन के बाद किया गया है, जहां उन्होंने अगली पीढ़ी के सुधारों की आवश्यकता पर जोर दिया था और एक टास्क फोर्स के गठन की घोषणा की थी। मोदी ने अपने संबोधन में कहा था कि मौजूदा नियमों, कानूनों, नीतियों और प्रक्रियाओं को 21वीं सदी के अनुरूप, ▶10 पर

ऑनलाइन गेमिंग विनियमन विधेयक संसद के दोनों सदनों से मंजूर

नई दिल्ली, 21 अगस्त (एजेंसियां)। लोकसभा और राज्यसभा से पारित होने के बाद ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन एवं विनियमन विधेयक 2025 अब कानून बन गया। ऑनलाइन गेमिंग अब अपराध हो गया है। राज्यसभा ने आज बिना बहस के इसे मंजूरी दे दी। इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा प्रस्तुत इस विधेयक का उद्देश्य ई-स्पोर्ट्स और ऑनलाइन सोशल गेमिंग को छोड़कर सभी प्रकार के ऑनलाइन मनी गेम्स पर प्रतिबंध लगाना है।

यह विधेयक बुधवार को लोकसभा से और गुरुवार को राज्यसभा से पारित हो गया। इसमें ऑनलाइन मनी गेम्स से संबंधित विज्ञापनों पर भी रोक लगाने और बैंकों और वित्तीय संस्थाओं को ऐसे किसी भी गेम के लिए धन की सुविधा प्रदान करने या हस्तांतरण करने से रोकने का प्रावधान है। ऑनलाइन मनी गेम्स में पैसा जमा करके मौद्रिक और अन्य पुरस्कार जीतने की उम्मीद की जाती है। संसद से पास किए गए बिल में पैसे के इस्तेमाल से खेली जाने वाले ऑनलाइन गेम्स पर पूर्ण प्रतिबंध की बात कही गई है। इन गेम्स के कारण बच्चों और युवाओं को इसकी लत लग जाती है। ▶10 पर

भारत-चीन व्यापार शुरू होने से दोनों देशों को होगा लाभ

दोनों देश कमाएंगे 5-6 अरब डॉलर का मुनाफा

नई दिल्ली, 21 अगस्त (एजेंसियां)। भारत और चीन के बीच लंबे समय से ठप्प पड़ा सीमा व्यापार फिर शुरू होने जा रहा है। एडीबी और विश्व बैंक का अनुमान है कि इससे दोनों देशों को हर साल 5-6 अरब डॉलर का लाभ होगा। शिपकी ला, सनाथुला और बोमडिला दर्रों को खोला जाएगा। भारत चीन को उर्वरक देगा, जबकि चीन भारत को दुर्लभ धातुएं आपूर्ति करेगा। इससे भारत की विनिर्माण क्षमता को मजबूती मिलेगी।

भारत और चीन के बीच लंबे समय से ठप्प पड़ा सीमा व्यापार फिर शुरू होने जा रहा है। एशियन डेवलपमेंट बैंक (एडीबी) और विश्व बैंक का अनुमान है कि व्यापार

बहाली से शुरुआती चरण में दोनों देशों को हर साल 5-6 अरब डॉलर का लाभ होगा। नई सहमति के तहत न सिर्फ हिमालयी दर्रों से पारंपरिक व्यापार को गति दी जाएगी, बल्कि दुर्लभ खनिजों और उर्वरक आपूर्ति की आपसी जरूरतें भी पूरी की जाएंगी।विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम टैरिफ दबावों, विशेषकर अमेरिका की संरक्षणवादी नीतियों के बीच भारत को बड़ा राहत कवच देगा।

भारत-चीन सीमा व्यापार हजारों साल पुराना है, जो सिल्क रूट एवं हिमालयी दर्रों के जरिए सदियों तक चलता रहा। नाथू ला दर्रा (सिक्किम) 1962 के युद्ध के बाद बंद हो गया था, लेकिन 2006 में इसे फिर खोला गया। यहां से कपड़े, इलेक्ट्रॉनिक्स और उपभोक्ता वस्तुओं का व्यापार होता है। लिपुलेख दर्रा उत्तराखंड में है। भारत-चीन सीमा व्यापार में इसका भी योगदान रहा है। हिमाचल प्रदेश स्थित शिपकी ला दर्रा ऐतिहासिक रूप से ऊन, नमक, मसाले और स्थानीय उत्पादों के आदान प्रदान के लिए जाना जाता रहा है। ▶10 पर

तिब्बत में चीन के सैन्य विस्तार से पारिस्थितिकी को खतरा

दोनों देशों का होगा हिमालयी मुश्किलों में इजाफा

धर्मशाला, 21 अगस्त (एजेंसियां)। तिब्बत में चीन का सैन्य विस्तार नाजुक हिमालयी पर्यावरण को भारी नुकसान पहुंचा रहा है। इसके साथ ही क्षेत्रीय जलवायु और जल सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर रहा है। यह खुलासा स्टॉकहोम के इंस्टीट्यूट फॉर सिक्योरिटी एंड डेवलपमेंट पॉलिसी (आईएसडीपी) की सोमवार को जारी एक ताजा रिपोर्ट में हुआ है। तिब्बत और निर्वासित तिब्बत के बारे में खबरें प्रकाशित करने वाले अंग्रेजी भाषा के समाचार पोर्टल फायुल ने यह रिपोर्ट प्रकाशित की है।

तिब्बत में सैन्य विकास और पर्यावरण परिवर्तन शीर्षक वाली इस रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि तिब्बती पठार के तेजी से

सैन्यीकरण ने पर्यावरणीय परिवर्तनों को जन्म दिया है और इसका असर आसपास के क्षेत्र से भी आगे तक हो रहा है। दरअसल, तिब्बती पठार में एशिया के सबसे बड़े ग्लेशियर और पर्माफ्रॉस्ट (जमी हुई भूमि) भंडार हैं। आईएसडीपी ने चेताया है कि ये परिवर्तन दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया में रहने वाली आबादी के लिए जल सुरक्षा और स्थानीय जैव विविधता दोनों को खतरे में डालते हैं। संवाद

रिपोर्ट बताती है कि 1950 के दशक की शुरुआती तैनाती से चीन की सैन्य मौजूदगी अब एक विशाल नेटवर्क बन गई है और यह उसकी रक्षा और आर्थिक रणनीति से जुड़ी है। इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्ट्रैटेजिक स्टडीज के मुताबिक,पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) ने तिब्बत क्षेत्र में 70,000 से 1,20,000 सैनिक तैनात किए हैं। इनमें से लगभग 40,000 से 50,000 सैनिक अकेले तिब्बत में तैनात हैं। आईएसडीपी के मुताबिक, सैटेलाइट तस्वीरें और जमीनी अध्ययन दिखाते हैं कि पर्माफ्रॉस्ट क्षेत्रों में सड़कें, सुरंगें, हवाई पट्टियां ▶10 पर

जो धर्म की रक्षा करता है धर्म उसकी रक्षा करता है

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में चातुर्मास हेतु विराजित मुनिराज श्री मलयप्रभ सागर जी ने पर्यूषण पर्व के द्वितीय दिवस के अष्टान्हिका प्रवचन में कहा कि जो धर्म की रक्षा करता है धर्म भी हमेशा उसकी रक्षा करता है।

हमारे पुण्य का घड़ा कब खाली हो जाएगा पता नहीं चलेगा। हमें निरंतर अपने पुण्य में वृद्धि करनी है। परमात्मा खुद भी जिन होते हैं और दूसरों को भी जिन बनाते हैं। वह खुद भी इस संसार से तिरते हैं और दूसरों को भी तारते हैं एवं खुद भी सिद्ध, बुद्ध, मुक्त बनते हैं और दूसरों को भी सिद्ध, बुद्ध, मुक्त बनाते हैं। पर्यूषण के कर्तव्यों में तीसरा कर्तव्य साधर्मिक भक्ति है, जिनका धर्म एक समान हो वह सभी हमारे साधर्मिक कहलाते हैं। हमें उनकी बहुमान पूर्वक भक्ति करनी चाहिए और उनके सर्वांगीण विकास के लिए कार्य करना चाहिए। शत्रुंजय तीर्थ पर बनी सवा सोमा नी टुंक साधर्मिक भक्ति का अपूर्व उदाहरण है जिसमें संपूर्ण विश्व को साधर्मिक भक्ति का संदेश प्राप्त होता है। चतुर्थ कर्तव्य में मिच्छामि दुक्कडम आता है। मन वचन और काया की मृदुता से मर्यादा में रहकर सभी पापों से बचकर भूतकाल में जो भी पाप किए हैं, उनको स्वीकार करके उनकी निंदा करते हुए जहां से हम गिरे हैं वहां से पुनः रिश्तों की शुरुआत करनी है। इस प्रकार मिच्छामि दुक्कडम का अर्थ भद्रबाहु स्वामी ने आवश्यक नियुक्ति ग्रंथ में किया है। पर्यूषण के दिनों में हमें सभी से क्षमा मांग कर और क्षमा देकर मिच्छामी दुक्कडम करना है। श्रावक के पांचवें कर्तव्य के अंतर्गत अट्ठम तप है।

पर्यूषण के दिनों में हमें अट्ठम तफ करना है और अपने गाढ़ कर्मों को अपनी आत्मा से अलग करना है। इसके साथ हर श्रावक के ग्यारह वार्षिक कर्तव्य करने योग्य हैं।

प्रवचन के पश्चात चतुर्विध संघ के साथ कल्पसूत्र जी को वरघोड़े के रूप में उज्जवल कुमार हेमंत कुमार गोलेच्छा परिवार के निवास स्थान पर बाजते गाजते ले जाया गया, जहां रात्रि में श्री जिनदत्त कुशल सूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल एवं श्री जिन कुशल सूरी जैन महिला संगीत मंडल द्वारा परमात्मा भक्ति की गई। वरघोड़े में संगीत सेवा अखिल भारतीय खरतरगच्छ युवा परिषद् द्वारा प्रदान की गई।

पर्यूषण पर्व पर 'खाद्य संयम दिवस' का आयोजन

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो। जैन समाज तेरापंथ सभा में पर्यूषण पर्व के पावन अवसर पर जैन समाज द्वारा खाद्य संयम दिवस का आयोजन बड़े श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। इस अवसर पर समाज के प्रमुख उपासक सुमेर कोचर और अशोक बुरड़ ने उपस्थित श्रावक-श्राविकाओं को खाद्य संयम की महत्ता समझायी। उपासक सुमेर कोचर ने कहा कि हमारा भोजन हमारी आत्मा का प्रतिबिंब है। संयमित भोजन न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है, बल्कि आत्मा को भी शुद्ध करता है। प्याज, लहसुन, हरी सब्जियाँ, अंकुरित जीव आदि से बचकर सात्विक आहार अपनाना ही वास्तविक अहिंसा है। उन्होंने इस पर्व के माध्यम से अपने आहार में अहिंसा, सादगी और संतुलन लाने का आग्रह किया। वहीं अशोक बुरड़ ने व्यावहारिक

दृष्टिकोण से समझाते हुए कहा कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में संयमित आहार लेना कठिन लगता है, परंतु यदि हम धीरे-धीरे अपनी दिनचर्या में नियमों को अपनाएँ तो यह सहज हो जाता है। अनावश्यक अपव्यय से बचना, अन्न का सम्मान करना और समयानुसार सीमित आहार लेना जैन धर्म का मूल संदेश है। उन्होंने युवाओं को विशेष रूप से फास्ट-फूड और असंयमित खान-पान से दूर रहने की प्रेरणा दी। सामूहिक नवकार मंत्र से मंगलाचरण एवं संकल्प किया गया। खाद्य संयम के सूत्रों और आगम वचनों का पाठ किया गया। वक्ताओं ने एक दिन उपवास एक दिन एकासना, तथा भोजन में संयमित जैसे उपाय सुझाए। अंत में समाज बंधुओं ने संयमित जीवन-शैली अपनाने का संकल्प लिया और मंगल पाठ के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

आत्मशुद्धि का महान पर्व है पर्यूषण: साध्वी पुण्ययशा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। युग प्रधान आचार्य श्री महाश्रमणजी की सुशिष्या साध्वी श्री पुण्ययशा जी के सान्निध्य में पर्यूषण पर्व का दूसरा दिन स्वाध्याय दिवस के रूप में मनाया गया। साध्वी पुण्ययशा जी ने अपने मंगल उद्बोधन में भगवान महावीर की भव श्रृंखला में नयसार के भव पर प्रकाश डालते हुए बताया कि भगवान महावीर के जीव को इसी नयसार के भव में प्रथम बार सम्यक्त्व रत्न की प्राप्ति हुई जो इस बात की ओर संकेत है कि इस जीव ने मोक्ष पाने की योग्यता प्राप्त कर ली है। इसी कारण जैन दर्शन में सम्यक्त्व का इतना महत्व है। दिवस का विश्लेषण करते हुए कहा लौकिक विद्या पढ़ना अध्ययन एवं आध्यात्मिक विद्या पढना स्वाध्याय है। औरों को समझने के लिए पढ़ना अध्ययन एवं स्वयं को समझने के लिए पढ़ना स्वाध्याय

है। स्वाध्याय समुद्र में गोता लगाने वाला अमूल्य रत्न है। प्रतिदिन का स्वाध्याय नवोदित सूर्य की तरह नव ऊर्जा देता है। स्वाध्याय का जन्म अपनी पहचान से होता है। स्वाध्याय से लब्धियाँ, सिद्धियाँ एवं वचन की प्रामाणिकता आदि प्राप्ति किया जा सकता है। उपद्रव आदि भी दूर होते है। कार्यक्रम का मंगलाचरण प्रेक्षा संगीत सुधा के सदस्यों द्वारा हुआ। वर्धमानयशा जी ने स्वाध्याय पर भाव व्यक्त किये। साध्वी बोधिप्रभा जी ने स्वाध्याय के महत्व को उजागर करते हुए गीत को प्रस्तुत किया। आचार्य श्री तुलसी महाप्रज्ञ चेतना सेवा केंद्र परिसर में प्रस्तावित महाप्रज्ञ इंटरनेशनल स्कूल के ब्रोशर को चेतना केंद्र अध्यक्ष मदन बोराणा, मंत्री प्रेम चावत व समस्त पदाधिकारियों ने प्रस्तुत किया एवं साध्वी पुण्ययशा जी को निवेदन किया। सकल समाज से इस महनीय उपक्रम में हर तरह से सहयोग करने का निवेदन किया। संपूर्ण कार्यक्रम की जानकारी तेयुप अध्यक्ष विक्रम महेर ने दी। साध्वी जी के मंगलपाठ से कार्यक्रम संपन्न हुआ।

मोक्ष की अभिलाषा रखने वाला ही होता है मुमुक्षु: संतश्री ज्ञानमुनिजी

बंगलौर/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने फरमाया कि मंगल पर्व की आराधना चल रही है। इस पर्व पर सभी भगवन्तों की वाणी को सुन रहे हैं। संसार से कैसे मोक्ष मिले, दुख कैसे कटे उस पर मंथन चल रहा है। मंथन करने के लिए ही पर्यूषण का समय आया है। एक नक्षत्र से जन्म लेता है तो एक मां के पेट से जन्म लेता है फिर भी भाग्य में अंतर है। भाग्य के हिसाब से ही अच्छा बुरा होता है। विवेक भी अपना अपना होता है। रुचि भी अलग होती है। इस प्रकार सभी के विचार अलग होते हैं। संसार में एक जैसा कुछ नहीं मिलता है। कुछ न कुछ अपवाद होता है। वही अपवाद के बारे में आगम में बताया गया है। हर मां

अपने बच्चें के लिए सुख शांति चाहती है। कलयुग में भगवान के रूप में मां होती है। कितना भी दुख आए लेकिन मां अपने बच्चों को दुख से दूर ही रखती है। मां की ममता का कोई मोल नहीं है। मां अपने बच्चों के लिए बहुत सोचती है। बच्चों की सफलता पर खुश होती है। लेकिन यह विडंबना ही है कि जिस मां ने बेटों के लिए इतना किया आज वही बच्चे मां को बेघर कर देते हैं। कलयुग में ऐसा ही होता है। आज से पचास साल पहले ऐसा बिल्कुल नहीं था। पहले के समय में मां जो कह देती थी वह बच्चों के लिए लकीर होती थी। लेकिन अब लकीर तो दूर लोग मां को इज्जत भी नहीं देते है। पहले ऐसे श्रावक हुआ करते थे जो मां के भक्त होते थे। आज ऐसा बिल्कुल देखने को भी नहीं मिलता है। आज शादी होने के बाद बेटा तुरंत मां को दूर करने की कोशिश करने लगता है। शादी होते ही मां की ममता को भूल जाता है। लेकिन याद रहे मां की इज्जत करने वाले को हर जगह इज्जत मिलती है। यह हमारी संस्कृति और संस्कार की ही बात है। मोक्ष की अभिलाषा रखने वालों को ही मुमुक्षु कहते हैं। जब जग से मोह खत्म होता है और संयम आता है तब मनुष्य अपने आप मोह माया की अभिलाषा से दूर हो जाता है। स्वर्ग और सुख की चाह से भी दूर होकर गुरु चरणों में चला जाता है। जग है जीवन है तो परेशानी तो लगी ही रहेगी। लेकिन मुमुक्षु को किसी चीज की चाह नहीं होती है। संसार का सच्चा मुमुक्षु मोक्ष की अभिलाषा करता है। लेकिन मोक्ष मिलना इतना आसान नहीं होता है। उसके लिए मोक्ष मार्ग पर जाना पड़ेगा। सही मार्ग पर चलो और गुरु भगवन्तों की वाणी पर श्रद्धा रखो। देव, गुरु, धर्म, तत्व तीन ये महान मार्ग है। इनको पहचानने बला सच्चा बुद्धिमान होता है। भौतिकी सुखों को छोड़ कर आत्मा के कल्याण में लगो। हमारा देव कौन है, गुरु कौन है धर्म तत्व क्या है, यह जानने वाले का जीवन संयम में लग जाता है। गुरुदेव ने फरमाया कि एक बार संयम के पथ पर आगे बढ़ने वाला मनुष्य अपने कर्मों की निर्जरा कर लेता है। जब तक मनुष्य सम्यक्त्व, धर्म, संयम को नहीं समझेगा तब तक ऐसे ही भटकता रहेगा। यह पर्व मनुष्य को वही समझाने के लिए आता है। बुरे कर्मों को काट कर मोक्ष के मार्ग पर आगे बढ़ने का प्रयास करें, तभी कर्मों की निर्जरा हो सकेगी। सभी का स्वागत संयोजक नेमीचंद लुंकड़ ने किया। महामंत्री मनोहर लाल लुकड़ ने संचालन किया।

पर्यूषण पर्व पर आराधना का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ (कर्नाटक) बेंगलूरु के जैन स्वाध्याय भवन राजाजीनगर में गुरुवार को पर्यूषण पर्व पर आराधना का आयोजन किया गया। स्वागत अभिनंदन अध्यक्ष निर्मल बम्ब ने किया। उपाध्यक्ष सज्जन राज मेहता ने बताया कि श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ (कर्नाटक) बेंगलूरु श्री जैन रत्न श्राविका मंडल, श्री जैन रत्न युवक परिषद के सदस्यों के अलावा समस्त बेंगलूरु के क्षेत्रों से गरिमामय सादर उपस्थिति के साथ पर्व आराधना प्राकृत संस्कृत के विद्वान, जैन आगम ज्ञाता, राष्ट्र पंडित, संत सतियों को पढ़ाने वाले वरिष्ठतम स्वाध्यायी श्रावक रत्न प्रकाशचंद जैन (जलगांव-जयपुर) के पावन सानिध्य में कांता जैन, ज्योति जैन, मुमुक्षु प्रतिक्षा के संयोजन में गतिमान हैं। मुमुक्षु प्रतीक्षा ने आत्मा की सुरक्षा पर प्रेरक उद्बोधन में कहा कि जिस तरह शरीर की रक्षार्थ बीमा भरना पड़ता हैं, वैसे ही आत्मरक्षार्थ व्रत, सामायिक, पच्चक्खान, स्वाध्याय रूपी बीमा राशि भरनी होगी। प्रकाशचंद जैन ने सम्यक दर्शन विषय पर रोशनी डालते हुए कर्माधीन परिस्थितियों में मन स्थिति को बदलते हुए, दृष्टि, नजारे बदलने की प्रेरणा दी। ज्ञान अज्ञान का भेद जानने के लिए सम्यक दृष्टि अहम हैं और हमें प्राप्त दुर्लभ मनुष्य जन्म को सार्थक करने के लिये कई दृष्टान्त पेश किए। जिनवाणी राम बाण का कार्य करती है। ज्ञान सीखने के लिए काल, विनय, बहुमान, उपादान, निहन्वाचार, व्यंजना, अर्थाचार और तदुभ्याचार को जनना आवश्यक है। कांता जैन और ज्योति जैन के सानिध्य में श्राविका मंडल की अध्यक्ष प्रभा गुलेच्छा के सहकार से अंतगढ़ दशासूत्र का रोचक व्याख्यान एवं शिविर जारी हैं।

सोच बदलो आचरण बदलेगा: साध्वी नंदिनी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, राजाजीनगर के प्रांगण में पर्यूषण पर्व के द्वितीय दिवस पर साध्वी निर्मला के सानिध्य में साध्वी नंदिनी ने सोच बदलो आचरण बदलेगा विषय पर कहा कि हर वर्ष पर्यूषण ज्ञान और आत्मजागरण का संदेश लेकर आता है।

जो सोता है वह खोता है और जो जागता है वही पाता है। पर्यूषण आत्मा को परमात्मा से जोड़ने का सेतु है। उन्होंने कहा कि जिसका नेचर बदल जाता है उसका भविष्य भी बदल जाता है। संसार की समस्याओं का समाधान करना सरल है, लेकिन स्वयं की समस्याओं का समाधान करना कठिन है। प्रभु हमें दिशा और मार्ग तो दिखाते हैं, पर चलना तो हमें स्वयं ही होता है। जब भी सद्विचारों के भाव मन में आएँ, उन्हें तुरंत पूर्ण करना चाहिए। साध्वी श्रीजी ने प्रकृति, विकृति,

संस्कृति का सुंदर विवेचन प्रस्तुत किया।

वस्तु का उपयोग प्रकृति है। वस्तु का दुरुपयोग विकृति है। वस्तु का सदुपयोग संस्कृति है। उन्होंने आगे कहा कि पाप और कपट का चिंतन विकृति है, धर्म और पुण्य का चिंतन संस्कृति है। अच्छा श्रवण करना संस्कृति है, और बुरा सुनना विकृति है। उन्होंने बताया कि दृष्टि बदलेगी तो सोच बदलेगी, सोच बदलेगी तो आचरण बदलेगा, और आचरण बदलेगा तो जीवन की दिशा ही बदल जाएगी। इसलिए हमारी दृष्टि सदैव सम्यक दृष्टि होनी चाहिए। अंत में साध्वी ने संदेश दिया कि यदि हमें सिद्धालय को प्राप्त करना है तो जीवन को संस्कृति पर टिकाना ही होगा। यही पर्यूषण पर्व का सच्चा संदेश है। सोच सुधरेगी तो संकल्प पवित्र होंगे, और संकल्प पवित्र होंगे तो कर्म मंगलकारी होंगे। आत्मा की ओर सोच जाएगी तो आचरण सहज ही शुद्ध हो जाएगा। पूर्व में अंतकृत दशांक सूत्र का वांचन साध्वी ऋषिता ने किया और विवेचन साध्वी नंदिनी ने। इस अवसर पर श्रीरामपुरम संघ से अध्यक्ष ताराचंद गुगलिया, अशोक गुगलिया, शांतिलाल खीवेसरा , सिद्धार्थ बोहरा, विजयनगर से अध्यक्ष आनंद नाहर, कन्हैयालाल सुराणा, रत्नी बाई मेहता व अन्य संघ संस्थाओं से उपस्थित रहे। अध्यक्ष प्रकाशचंद चानोदिया ने आभार व्यक्त किया तथा संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जैन धर्म में पर्यूषण पर्व का विशेष महत्व है। पर्यूषण पर्व के दौरान जैन धर्मावलंबी ज्यादा से ज्यादा तप त्याग एवं सेवा कार्य करते हैं। इसी के तहत जैन कॉन्फ्रेंस युवा शाखा डोड्डबल्लापुर द्वारा बुधवार को क्षेत्र के विभिन्न सरकारी स्कूलों में नोटबुक्स एवं अन्य आवश्यक सामग्री वितरित की गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने अपने वक्तव्य में कहा जैन धर्म एवं जैन संस्कृति आत्म विकास की संस्कृति है। युवा शाखा के अध्यक्ष नवीन बाफना, मंत्री निखिल गादिया एवं अन्य सदस्यों ने मुणोत को सम्मानित किया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राजस्थान कांग्रेस के युवा नेता राजेश गहलोत जोधपुर के बेंगलूरु आगमन पर प्रवासियों ने भावभीना अभिनन्दन किया। कार्यक्रम में माली (सैनी) युवा संगठन कर्नाटक के अध्यक्ष नन्दकिशोर सोलंकी, रामलाल सोलंकी, प्रेम गहलोत का भी अभिनन्दन किया गया। इस अवसर पर बाबूलाल साँखला, जगदीश सुंदेशा, गुमानसिंह दासपा, तिलोक देवासी, मीठालाल पालड़िया, सुखदेव जाट, कमलेश सोलंकी, महेश सोलंकी सहित अन्य प्रवासी बन्धु उपस्थित रहे। गहलोत ने इस अवसर पर प्रवासी बन्धुओं की आत्मीयता के लिये धन्यवाद प्रकट किया।

पर्यूषण आत्मा की शुद्धि, तप-त्याग, संयम और धर्म साधना के लिए सर्वश्रेष्ठ अवसर: साध्वी

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने पर्व पर्यूषण के द्वितीय दिवस पर कहा कि यह आठ दिन आत्मा की शुद्धि, तप-त्याग, संयम और धर्म साधना के लिए सर्वश्रेष्ठ अवसर हैं। इन दिनों में हम जितना धर्म, ध्यान और स्वाध्याय करेंगे उतना ही कर्म की निर्जरा और पुण्य का उपार्जन कर पाएंगे। साध्वीवृंद ने कहा पुण्यशाली भाइयों-बहनों, याद रखें व्यवसाय साथ नहीं जाने वाला है, धन-दौलत भी यहीं रह जाने वाली है।

जीवन के अंतिम क्षणों में केवल धर्म साधना और पुण्य ही हमें तारने वाला है। राजु भंडारी ने बताया कि आठ दिवस भव्य अंगरचना का आयोजन होगा। यह

अंगरचना केवल बाह्य सौंदर्य ही नहीं, अपितु आत्मा की पावनता और शासन की दिव्यता का अनुपम प्रतीक है। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ उपाध्यक्ष राजेन्द्र पोरवाल ने बताया कि साध्वीवृंद कि पावन निश्रा में पर्वाधिराज पर्यूषण महापर्व की आध्यात्मिक आराधना हर्षोल्लास के साथ गतिमान है।

जाजम बिछाने का लाभ रमेश कुमार, दुरगचंद रेवतडा ने लिया। गुरुदेव के 108 अभिषेक का लाभ बाबुलाल, देवराज परमार परिवार ने लिया। भक्तामर का लाभ पूनमचंद गणेशमल परिवार, पंचकल्याणक पूजन का लाभ महावीर वाग्तावरमल परिवार, व्याख्यान प्रभावना का लाभ रंजन राजेश कुमार, संघवी महावीर कुमार घेवरचंद बालगोत्र, शंखेश्वर पार्श्वनाथ भगवान की आरती भंवरलाल पेराजमल, मंगल दीपक आरती नटवरलाल अमिचंद, गुरुदेव की आरती महावीर कुमार वग्तावरमल ने लिया। 30 अगस्त को 207 जोड़ों सहित गुरुदेव राजेंद्र सूरिश्वर महाराजा का महा-पूजन होगा।

भीड़ नियंत्रण विधेयक सदन समिति को सौंपा गया

जीवन की हानि के मामलों में न्यूनतम 10 वर्ष और अधिकतम आजीवन कारावास की सजा का प्रावधान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक भीड़ नियंत्रण (कार्यक्रम एवं सभा स्थलों का प्रबंधन) विधेयक, 2025, जिसमें भीड़ द्वारा उत्पात मचाने और शारीरिक क्षति पहुँचाने वालों के लिए न्यूनतम तीन वर्ष और अधिकतम सात वर्ष के कारावास का प्रावधान है, और जीवन की हानि के मामलों में न्यूनतम 10 वर्ष और अधिकतम आजीवन कारावास की सजा का प्रावधान है, विधानसभा में सदन समिति को भेज दिया गया। गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने विधानसभा सत्र में विधेयक पेश किया और लंबी व्याख्या के बाद विधायकों ने अपनी पार्टी की संबद्धता भूलकर कई सुझाव दिए। भाजपा सहित विपक्षी विधायकों ने कहा कि यह एक गंभीर विधेयक है और इस पर लंबी चर्चा की आवश्यकता है। उन्होंने मांग की कि इसे सदन समिति को भेजा जाए। इस पर गृह मंत्री परमेश्वर ने सदन समिति के गठन पर सहमति व्यक्त की। इससे पहले बोलते हुए उन्होंने कहा कि चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास हुई भगदड़ की घटना और राज्य के कई हिस्सों में हुई भगदड़ की घटनाओं

को ध्यान में रखते हुए, सार्वजनिक और निजी संपत्ति की सुरक्षा और आयोजकों की जवाबदेही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह विधेयक लाया गया है। उन्होंने कहा कि यह विधेयक कार्यक्रमों और आयोजनों में भीड़ पर प्रभावी नियंत्रण और भीड़ प्रबंधन, अवैध भीड़भाड़ को रोकने और अपराधों के लिए दंड का प्रावधान करेगा। भीड़ नियंत्रण एवं प्रबंधन प्राधिकरण से पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य होगा। यदि जनसंख्या 7 हजार से कम है, तो उस क्षेत्र के पुलिस थाने के प्रभारी अधिकारी को अनुमति देनी होगी, यदि 7 हजार से अधिक है, तो बेंगलूरु के डीएसपी, एसीपी को, यदि 50 हजार से अधिक है, तो एसपी और कमिश्नर को अनुमति देनी होगी। आयोजकों को कार्यक्रम की तैयारी, कार्यक्रम स्थल, कार्यक्रम से 10 दिन पहले वहाँ के निकास और प्रवेश द्वारों की संख्या और प्राधिकरण को 10 दिन पहले विस्तृत जानकारी दर्ज करनी होगी। निजी और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुँचाए बिना कार्रवाई करने की जिम्मेदारी उनकी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आरसीबी विजयोत्सव के दौरान हुई भगदड़ की पृष्ठभूमि में यह विधेयक आवश्यक है, जिसका वे दावा कर रहे हैं कि इससे कोई लेना-देना नहीं है। इसके अलावा, यदि 50 हजार से अधिक लोग हैं, तो एक करोड़ रुपये का मुआवजा मुचलका भरा जाना चाहिए। प्राधिकरण से अनुमति देने से पहले अग्निशमन विभाग, लोक निर्माण विभाग और स्वास्थ्य विभाग से अनुमति लेनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि संबंधित प्राधिकरण के अधिकारी आवेदक से परामर्श करके निर्देश और दिशानिर्देश दें। सुना गया है कि मुख्यमंत्री कार्यालय ने आरसीबी विजयोत्सव में आने के लिए सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था। उन्होंने कहा कि जब बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा होंगे, तो स्वाभाविक रूप से समस्याएँ होंगी। कभी-कभी कोई समस्या नहीं होगी। भीड़ की सुरक्षा और कानूनी सुरक्षा बनाए रखने के लिए अन्य जाँच और निरीक्षण भी किए जाएँगे। प्राधिकरण और आयोजकों को कार्यक्रम की तिथि पर भीड़ नियंत्रण और प्रबंधन के लिए बंदोबस्त योजना का अनुपालन सुनिश्चित करना चाहिए। प्राधिकरण आपात स्थिति या अप्रत्याशित घटनाओं की स्थिति में दी गई अनुमति को रद्द करने का निर्णय ले सकता है। बिना अनुमति के कोई कार्यक्रम या आयोजन आयोजित करने या आयोजित करने का प्रयास करने पर 7 वर्ष तक के कारावास या 1 करोड़ रुपये तक के जुर्माने या दोनों से दंडित किया जा सकता है। सामूहिक हिंसा, संपत्ति की हानि या झूठे बयानों और अफवाहों के माध्यम से तोड़फोड़ करने पर तीन वर्ष तक के कारावास या 50 हजार रुपये तक के जुर्माने या दोनों से दंडित किया जा सकता है। पुलिस के निर्देशों का उल्लंघन करने पर एक माह का कारावास या 50 हजार रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। कार्यक्रम या आयोजन के दौरान हुए नुकसान की भरपाई करनी होगी। आयोजकों को निजी या सार्वजनिक संपत्ति को हुए नुकसान की भरपाई करनी होगी और जानमाल के नुकसान के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे। भारतीय दंड संहिता अधिनियम, 2023, कर्नाटक पुलिस अधिनियम, कर्नाटक सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम और केंद्रीय अधिनियम लागू होंगे।

भूमि राजस्व संशोधन विधेयक को प्रवर समिति को भेजने का प्रस्ताव

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
सत्तारूढ़ दल के सदस्यों के विरोध के कारण, कर्नाटक भूमि राजस्व संशोधन विधेयक को पारित करने के बजाय, इसे विधानसभा की प्रवर समिति को भेजने का निर्णय लिया गया। विधानसभा के विधायी सत्र में, राजस्व मंत्री की ओर से विधि एवं संसदीय कार्य मंत्री एच.के. पाटिल ने कर्नाटक भूमि राजस्व द्वितीय संशोधन विधेयक 2025 प्रस्तुत किया और विचार हेतु अनुरोध किया। यह कोडागु क्षेत्र में जामा और बाण काश्तकारी प्रणालियों से संबंधित विधेयक है, और उन्होंने इसे पारित करने का अनुरोध किया। विधायक ए.एस. पोन्नन्ना, जो मुख्यमंत्री के कानूनी सलाहकार भी हैं, ने कहा कि इस विधेयक का उद्देश्य भूमि अभिलेखों में उन कमियों को दूर करना था जो कोडागु में कई वर्षों से समस्याएँ पैदा कर रही हैं। लेकिन यह विधेयक इसके विपरीत है। यहाँ एक ऐसी व्यवस्था है जहाँ भूमि के मालिक अलग-अलग हैं और अभिलेखों में दर्ज नाम भी अलग-अलग हैं। उन्होंने कहा कि यह विधेयक इसे ठीक करने में सक्षम नहीं है। विधायक मंथरा गौड़ा ने भी विधेयक पर अपना विरोध जताया और अभिलेखों में संशोधन करने का अनुरोध किया। उन्होंने विधेयक को प्रवर समिति को सौंपने की मांग की। विपक्ष के नेता आर. अशोक भी इसमें शामिल हुए। मंत्री एच.के. पाटिल ने भी इस आग्रह को स्वीकार करते हुए कहा कि वे विधेयक को प्रवर समिति को सौंपेंगे। अध्यक्ष यू.टी. खादर ने घोषणा की कि सदन की राय के अनुसार विधानसभा की एक प्रवर समिति का गठन किया जाएगा।

धर्मस्थल मुद्दे पर राज्य सरकार की सुनियोजित साजिश

आस्था की रक्षा के लिए भाजपा शुरू करेगी धर्म युद्धः बी.वाई. विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने गुरुवार को धर्मस्थल मुद्दे पर राज्य सरकार के रुख की कड़ी निंदा की और चल रहे बदनामी अभियान के पीछे एक सुनियोजित साजिश का आरोप लगाया। उन्होंने घोषणा की कि भाजपा शुक्रवार से शुरू होकर अगले सप्ताह तक सभी विधानसभा क्षेत्रों में धर्म युद्ध - धर्म की रक्षा के लिए युद्ध शीर्षक से एक राज्यव्यापी आंदोलन शुरू करेगी। मीडिया को संबोधित करते हुए विजयेंद्र ने कहा उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार और मंत्री दिनेश गुंडू राव के बयानों ने सरकार की मंशा पर गंभीर संदेह पैदा किया है। सोशल मीडिया पर श्री क्षेत्र धर्मस्थल के खिलाफ चलाए जा रहे बदनामी अभियान ने लाखों श्रद्धालुओं की भावनाओं को गहरा ठेस पहुँचाई है। सोशल मीडिया पोस्ट के लिए हिंदू कार्यकर्ताओं के खिलाफ ताबड़तोड़ एफआईआर और गिरफ्तारियों की बार-बार

घटनाओं के बावजूद, धर्मस्थल को बदनाम करने वालों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई है। उन्होंने याद दिलाया कि जब सरकार ने एक विशेष जाँच दल (एसआईटी) का गठन किया था, तो भाजपा ने इस कदम का स्वागत किया था और पारदर्शी एवं निष्पक्ष जाँच के लिए पूरा समर्थन दिया था। उन्होंने पूछा आज भी, हम अपने रुख पर कायम हैं। लेकिन दुर्भावनापूर्ण प्रचार को रोकने में सरकार की विफलता यह सवाल उठाती है, क्या उसमें कार्रवाई करने की इच्छाशक्ति का अभाव है, या वह इस अभियान को बढ़ावा देने में शामिल है? विजयेंद्र ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार और पुलिस की निष्क्रियता इस प्रतिष्ठित संस्थान को निशाना बनाने के एक बड़े, संगठित प्रयास का हिस्सा है। उन्होंने आरोप लगाया यह एक सुनियोजित साजिश है। सरकार की चुप्पी या तो कमजोरी या फिर झूठ फैलाने वालों को जानबूझकर समर्थन देने का संकेत देती है। कर्नाटक के लोग और अनगिनत भक्त सवाल कर रहे हैं कि इस साजिश के पीछे कौन ताकतें हैं, और सरकार उन्हें क्यों बचा रही है। धर्म की रक्षा के लिए भाजपा की प्रतिबद्धता की घोषणा करते हुए उन्होंने कहा जब आस्था और परंपरा पर हमला हो रहा हो, तब हम मूकदर्शक नहीं बने रहेंगे। भाजपा धर्म की रक्षा और पूरे कर्नाटक में श्रद्धालुओं की भावन-ाओं के लिए यह लड़ाई एक धर्मयुद्ध लड़ेगी।

कोर्ट की मौखिक टिप्पणी से प्रेरणा लेते हुए बेंगलूरु की सड़कों पर बाइक टैक्सियाँ लौटीं

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
दो महीने के अंतराल के बाद, गुरुवार को बेंगलूरु में कई बाइक टैक्सियों का संचालन फिर से शुरू हो गया। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने राज्य के महाधिवक्ता से मौखिक रूप से अनुरोध किया था कि वे यह सुनिश्चित करें कि अधिकारी बाइक टैक्सी चालकों के खिलाफ कोई भी दबावपूर्ण या बलपूर्वक कार्रवाई न करें। 20 अगस्त को, मुख्य न्यायाधीश विभु बाखरू और न्यायमूर्ति सी.एम. जोशी की खंडपीठ ने रैपिडो, उबर और ओला द्वारा दायर अपीलों पर सुनवाई करते हुए, महाधिवक्ता शशि किरण शेट्टी को बताया कि बाइक टैक्सियों का संचालन कानूनन स्वीकार्य है, और बाइक टैक्सियों को अनुमति न देने के सरकार के 'नीतिगत निर्णय' के परिणामस्वरूप वैध व्यापार पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। हालांकि, पीठ ने अपीलों पर आगे की सुनवाई 22 सितंबर तक स्थगित करते हुए लिखित में कोई

अंतरिम आदेश पारित नहीं किया। शेट्टी ने पीठ को बताया था कि बाइक टैक्सियों का संचालन एक वैध व्यवसाय हो सकता है, लेकिन कानून उन्हें तब तक व्यवसाय चलाने का अधिकार नहीं देता जब तक कि इसके लिए नियम और विनियम न बनाए जाएँ।

चूँकि सरकार ने बाइक टैक्सियों को अनुमति न देने और उबर, रैपिडो और ओला जैसे एग्रीगेटर्स के तकनीकी प्लेटफॉर्म पर उनकी सेवा की अनुमति न देने के अपने 'निर्णय' पर लिखित रूप में कोई विस्तृत बयान दाखिल नहीं किया था, इसलिए पीठ ने सरकार को बाइक टैक्सियों के मुद्दे पर एक 'सचेत' नीतिगत निर्णय लेने के लिए 22 सितंबर तक का समय दिया ताकि अदालत यह जाँच कर सके कि क्या यह नीति कानूनी जाँच पर खरी उतरती है। इसके बाद, अटॉर्नी जनरल ने कहा कि सरकार, उच्चतम स्तर पर, यह तय करेगी कि सरकार को कोई नीति बनानी चाहिए या नहीं और यदि हाँ, तो बाइक टैक्सियों पर क्या नीति होनी चाहिए। सुनवाई 22 सितंबर तक स्थगित करते हुए, पीठ ने अटॉर्नी जनरल से मौखिक रूप से कहा कि वह एग्रीगेटर्स, व्यक्तिगत बाइक टैक्सी मालिकों और उनके संघ द्वारा दायर अपीलों में उठाए गए मुद्दों पर गंभीरता से विचार करें, क्योंकि यह आजीविका से जुड़ा मुद्दा है।

16 जून को बाइक टैक्सी का संचालन निलंबित कर दिया गया था जब तीनों प्रमुख कम्पनियों रैपिडो, उबर और ओला ने सरकारी प्रतिबंध के बाद अपने ऐप से यह विकल्प हटा दिया था। 2 अप्रैल को उच्च न्यायालय की एकल पीठ ने प्रतिबंध में हस्तक्षेप करने से इनकार करते हुए बाइक टैक्सी संचालकों को 15 जून तक संचालन बंद करने का आदेश दिया था।

हालांकि गुरुवार की सुबह उबर और रैपिडो दोनों ने बाइक टैक्सी बुकिंग सुविधा फिर से शुरू कर दी है, जबकि ओला ने अभी तक यह सेवा फिर से शुरू नहीं की है। परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने बताया मेरी जानकारी के अनुसार, उच्च न्यायालय ने सेवाओं को फिर से शुरू करने की अनुमति नहीं दी है। हालाँकि, मुझे अधिकारियों से चर्चा करनी है, और फिर हम कुछ एग्रीगेटर्स द्वारा बाइक टैक्सियों को फिर से शुरू करने के मामले पर विचार करेंगे।

एग्रीगेटर्स और अन्य ने खंडपीठ के समक्ष अपनी अपीलों में एकल-न्यायाधीश पीठ के 2 अप्रैल के फैसले को चुनौती दी है, जिसमें कहा गया था कि 'जब तक राज्य सरकार मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 93 और उसके तहत नियमों के तहत प्रासंगिक दिशानिर्देश अधिसूचित नहीं करती, तब तक याचिकाकर्ता बाइक टैक्सी सेवाएं प्रदान करने वाले एग्रीगेटर्स के रूप में काम नहीं कर सकते, और परिवहन विभाग को मोटरसाइकिलों को परिवहन वाहन के रूप में पंजीकृत करने या अनुबंध गाड़ी परमिट जारी करने के निर्देश जारी नहीं किए जा सकते।

एक परिवार के पांच सदस्यों ने आत्महत्या कर ली

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के कलबुर्गी निवासी एक परिवार के पाँच सदस्यों की हैदराबाद के मियापुर में मौत हो गई और आत्महत्या का संदेह है। यह हादसा मियापुर के मक्ता महबूबपेट में हुआ। स्थानीय लोगों से सूचना मिलने पर पुलिस तुरंत मौके पर पहुँची और जाँच शुरू की। मृतकों की पहचान नरसिम्हा (60), वेंकटम्मा (55), अनिल (32), कविता (24) और अप्पू (2) के रूप में हुई है। कलबुर्गी निवासी लक्ष्मैया का परिवार कुछ समय से हैदराबाद में रह रहा था। नरसिम्हा की तीन बेटियाँ हैं। इस बीच, नरसिम्हा, उनकी पत्नी वेंकटम्मा की दूसरी बेटी और दामाद अपने बच्चे के साथ मक्ता महबूबपेट में रहते हैं। नरसिम्हा समेत पूरा परिवार दिहाड़ी मजदूरी करके अपना गुजारा करता था। पुलिस को संदेह है कि बुधवार रात सभी ने आत्महत्या कर ली होगी। पुलिस ने बताया कि इस घटना में नरसिम्हा और उनकी पत्नी वेंकटम्मा, उनकी दूसरी बेटी और दामाद और एक बच्चे की मौत हो गई। इस संबंध में पुलिस की जाँच जारी है। एक ही परिवार के पाँच सदस्यों की मौत से स्थानीय स्तर पर हड़कंप मच गया है।

बीबीएमपी पीओपी से बनी गणेश मूर्तियों को जब्त कर उनका निपटान करेगी

ऐसे मूर्ति निर्माताओं के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज किए जाएंगे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
शहर के नगर निकाय ने प्लास्टर ऑफ पेरिस (पीओपी), थर्मोकोल और रासायनिक पेंट से बनी सभी गणेश मूर्तियों को जब्त करके उनका निपटान करने का फैसला किया है। इतना ही नहीं, बृहत बेंगलूरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) ने प्लास्टर ऑफ पेरिस जैसी प्रतिबंधित सामग्री से गणेश मूर्तियाँ बनाते पाए जाने वाले व्यक्तियों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने का फैसला किया है। इस बीच, बीबीएमपी ने कहा है कि शहर के पंडालों में केवल पर्यावरण के अनुकूल गणेश मूर्तियों की ही पूजा की जा सकेगी। प्रतिबंधित सामग्री वाली मूर्तियाँ स्थापित नहीं की जा सकेंगी। बुधवार को मुख्य नगर आयुक्त की अध्यक्षता में हुई एक बैठक में यह निर्णय लिया गया कि संबंधित बीबीएमपी उप-मंडलों के नोडल अधिकारी, पुलिस, अग्निशमन और बेस्कॉम के अधिकारियों के साथ मिलकर ऐसे निर्माण, बिक्री क्षेत्रों का निरीक्षण करेंगे, नोटिस जारी करेंगे, स्थल निरीक्षण करेंगे और किसी भी उल्लंघन का पता चलने पर जुर्माना लगाएँगे,

आपराधिक मामले दर्ज करेंगे और प्रतिबंधित सामग्री जब्त करेंगे। क्षेत्रीय स्तर पर इन कार्रवाइयों की निगरानी क्षेत्रीय आयुक्त करेंगे। इस बीच, शहर के नगर निकाय ने गणेश उत्सव के सार्वजनिक समारोहों से संबंधित सभी अनुमतियों के लिए बृहत बेंगलूरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) उप-मंडल स्तर पर 75 एकल खिड़की निकासी केंद्र बनाए हैं, जिनके नोडल अधिकारी सहायक कार्यकारी अभियंता होंगे। बीबीएमपी ने बुधवार को एक बयान में कहा बीबीएमपी, पुलिस, बेस्कॉम और अग्निशमन विभाग के अधिकारी एक ही स्थान से अनुमति प्रदान करने के लिए इन केंद्रों पर मौजूद रहेंगे। बीबीएमपी प्रत्येक वार्ड में बड़ी मूर्तियों के लिए निर्दिष्ट विसर्जन स्थलों की पहचान करेगा। बीबीएमपी झीलों के पास अस्थायी विसर्जन टैंक भी बनाएगा। जन सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विसर्जन स्थलों पर समर्पित टीमें तैनात की जाएंगी। एम्बुलेंस, चिकित्सा कर्मचारी, प्रकाश व्यवस्था, बैरिकेडिंग, ध्वनि प्रणाली और प्रशिक्षित तैराकों जैसी आवश्यक व्यवस्थाएँ की जाएँगी। मुख्य आयुक्त एम. महेश्वर राव ने निर्देश दिया कि विसर्जन संबंधी गतिविधियों की निगरानी के लिए जोनल आयुक्तों को प्रत्येक जोन में एक पर्यवेक्षण अधिकारी और प्रत्येक वार्ड में एक नोडल अधिकारी नियुक्त करना चाहिए। राव ने प्लास्टिक की अवैध बिक्री और उपयोग पर नजर रखने और उल्लंघनकर्ताओं को दंडित करने के लिए प्रत्येक क्षेत्र में प्रवर्तन दल गठित करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को त्योहारों के दौरान अतिरिक्त कचरे को साफ करने, कचरे को अलग करने और उसे नगर निगम की प्रसंस्करण इकाइयों तक पहुँचाने के उपाय करने के भी निर्देश दिए।

मृत केएसआरटीसी कर्मचारियों के परिवारों के लिए गैर-दुर्घटना मुआवजा बढ़ाया गया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम के कर्मचारियों की दुर्घटनाओं के अलावा अन्य कारणों से मृत्यु होने पर, कर्मचारी परिवार कल्याण योजना के तहत दी जाने वाली मुआवजा राशि 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 20 लाख रुपये कर दी गई है।

इस संबंध में एक अधिसूचना जारी करते हुए, केएसआरटीसी ने कहा कि मृतक कर्मचारियों के आश्रितों को अधिक मुआवजा प्रदान करके वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से, निगम द्वारा प्रदान की जा रही 10 लाख रुपये की मुआवजा राशि को 1 सितंबर से बढ़ाकर 14 लाख रुपये कर दिया गया है।

इसके साथ ही, एसबीआई बैंक द्वारा 6 लाख रुपये प्रदान किए जा रहे हैं, जिससे मृतक कर्मचारियों के परिवार को कुल 20 लाख रुपये का मुआवजा मिल रहा है। यदि किसी कर्मचारी की ड्यूटी के दौरान निजी या ड्यूटी दुर्घटना में मृत्यु हो जाती है, तो उनके आश्रितों को 1 करोड़ रुपये की दुर्घटना बीमा राशि वितरित करने की योजना पहले से ही लागू है। भारतीय स्टेट बैंक पहली बार दुर्घटनाओं के अलावा अन्य मामलों में मृत्यु होने पर 6 लाख रुपये का मुआवजा देगा। दुर्घटनाओं के अलावा हृदयाघात, कैंसर, किडनी की समस्या या अन्य कारणों से निगम के कर्मचारियों की मृत्यु होने पर कर्मचारी परिवार कल्याण योजना के अंतर्गत प्रदान की जाने वाली मुआवजा राशि को 3 लाख रुपये से बढ़ाकर 10 लाख रुपये कर दिया गया है और इसे 1 अक्टूबर, 2023 से लागू करने के लिए संशोधित किया गया है। इसके अनुसार, अब तक 157 मृतक कर्मचारियों के आश्रितों को 10-10 लाख रुपये का मुआवजा वितरित किया जा चुका है।

बोरवेल के पानी के लिए

टेलीमेट्री लगाने और टैंकरों पर शुल्क लगाने के लिए कर्नाटक भूजल अधिनियम को मंजूरी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक भूजल (विकास प्रबंधन नियम और विनियम) अधिनियम, 2025, जो बोरवेल के पानी के लिए डिजिटल टेलीमेट्री लगाने, वाणिज्यिक, औद्योगिक, खनन और बुनियादी ढाँचे के विकास और टैंकरों के लिए इस्तेमाल होने वाले बोरवेल के पानी पर शुल्क लगाने का प्रावधान करता है, को विधान परिषद ने मंजूरी दे दी। विधानसभा में स्वीकृत इस विधेयक को लघु सिंचाई मंत्री बोसराजू ने पेश किया। विधेयक पर बोलते हुए, बोसराजू ने कहा यह केंद्र सरकार का अधिनियम है। 15 राज्य पहले ही इस अधिनियम को लागू कर चुके हैं। यह विधेयक भूजल विकास में सहायक होगा। बोरवेल खोदने की अनुमति प्राप्त करना इस विधेयक का एक महत्वपूर्ण पहलू है। यह विधेयक विधानसभा में सर्वसम्मति से पारित हुआ। उन्होंने अपील की कि परिषद में सभी सदस्य अपनी सहमति दें। सदस्य इवान डिसूजा, पी.एच. पूजार, डी.एस. अरुण, गोविंद-राजू, टी.ए. सरवन, मंजेगौड़ा, भारती शेट्टी, डी.टी. श्रीनिवास, उमाश्री, बालकिश बानू, हेमलता नायक, रविकुमार और अन्य ने विधेयक पर बात की। कांग्रेस के इवान डिसूजा ने कहा कि अपार्टमेंट बिल्डिंग में पानी को लेकर बड़ा घोटाला चल रहा है। अपार्टमेंट बिल्डिंग में बोरवेल खोदने के लिए शर्तें लगाना उचित नहीं है। अपार्टमेंट बिल्डिंग में कई घर हैं। इसलिए, अपार्टमेंट बिल्डिंग के लिए विधेयक में दिए गए नियमों में संशोधन किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस विधेयक से भूजल विकास में मदद मिलेगी। जेडीएस के गोविंदराजू ने कहा कि घरों के लिए वर्षा जल संचयन अनिवार्य करना सही है। सरकार को भूजल बढ़ाने के लिए कदम उठाने चाहिए। यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि वर्षा जल बर्बाद न हो। अगर सरकार पानी की उचित आपूर्ति करे, तो कोई भी बोरवेल नहीं खोदेगा। टैंकरों से पानी की आपूर्ति की अनुमति लेना उचित नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार को इस नियम को बदलना चाहिए। भाजपा सदस्य डी.एस. अरुण ने कहा कि बेंगलूरु के निवासी पानी और हवा के लिए पैसे देते हैं। लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में यह संभव नहीं है।

रविशंकर गुरुजी, सद्गुरु जग्गी वासुदेव और धर्मस्थल के धर्माधिकारी ने भूजल बढ़ाने के लिए कई कार्यक्रम चलाए हैं। लोगों को पानी मिले, इसके लिए प्रयास किए जाने चाहिए। उन्होंने यह भी अपील की कि अधिनियम के नियमों को सरल बनाया जाए। पहले, भूजल का उपयोग करने के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) प्राप्त करना ही पर्याप्त था। टैंकर जलापूर्ति के लिए कोई उपयोग शुल्क और लाइसेंस की आवश्यकता नहीं थी। कौन कितना भूजल निकाल रहा है और कितना उपयोग कर रहा है, इसकी कोई जानकारी उपलब्ध नहीं थी। हालाँकि, नए विधेयक के तहत, बोरहोल में पानी की मात्रा डिजिटल टेलीमेट्री के माध्यम से मापी जाएगी। घरेलू और कृषि कार्यों तथा कुछ अन्य उद्देश्यों के लिए बोरहोल के पानी का उपयोग करने पर कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। हालाँकि, वाणिज्यिक, औद्योगिक, खनन, बुनियादी ढाँचे के विकास और पानी की आपूर्ति करने वाले टैंकरों के लिए उपयोग किए जाने वाले भूजल पर शुल्क लेने का निर्णय लिया गया है। समय-समय पर जारी संशोधित दिशानिर्देशों के अनुसार, टैंकरों को भूजल निकालने के लिए एनओसी प्राप्त करना होगा।

सातवें वेतन आयोग के तहत समान लाभ की मांग

सेवानिवृत्त कर्मचारी आज बेंगलूरु चलो विरोध प्रदर्शन करेंगे

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक राज्य सेवानिवृत्त कर्मचारी मंच, राज्य भर से, 22 अगस्त को फ्रीडम पार्क में 'बेंगलूरु चलो' विरोध प्रदर्शन में शामिल होगा और सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारियों के लिए सातवें वेतन आयोग के तहत समान लाभ बढ़ाने की मांग करेगा। यहां पत्रकारों को संबोधित करते हुए, मंच के जिला संयोजक गुरन्ना अवंती ने कहा कि सरकार ने जुलाई 2022 से जुलाई 2024 तक के सेवानिवृत्त कर्मचारियों को संशोधित वेतन के आधार पर सेवानिवृत्ति भत्ते, पेंशन और अर्जित अवकाश के लाभों से वंचित कर दिया है। उन्होंने सरकार पर छठे वेतन आयोग के मानकों के अनुसार सेवानिवृत्ति भत्ता, पेंशन और अन्य सुविधाएँ प्रदान करने का आरोप लगाया। उन्होंने कर्नाटक सरकार से जुलाई 2022 से सातवें वेतन आयोग के लाभों को लागू करने पर विचार करने का आग्रह किया।

अपमानजनक टिप्पणी मामले में हिंदूवादी संगठन के नेता महेश शेट्टी गिरफ्तार

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।
पुलिस ने एक हिंदूवादी संगठन के नेता महेश शेट्टी तिमारोडी को सोशल मीडिया पर समाज के प्रमुख लोगों के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। गुरुवार सुबह, उडुपी जिले के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में एक पुलिस दल उनके उजीरे स्थित आवास में घुस गया और उन्हें हिरासत में ले लिया। महेश शेट्टी तिमारोडी ने उनसे बहस करते हुए कहा अगर आप मुझे गिरफ्तार करने आए हैं, तो मुझे वारंट दिखाइए।

इस दौरान, वहाँ जमा हुए कई लोगों ने पुलिस की कार्रवाई की आलोचना की और नारे लगाए। उन्होंने कहा मैं इस बार खुद थाने आऊँगा। आपका ऐसा करना उचित नहीं है।

बाद में, लगभग आधे घंटे तक चली बातचीत के बाद, जब तिमारोडी ने कहा कि वह अपने वाहन से थाने आएँगे, तो खाकी दस्ता मान गया और उन्हें जीप में बिठाकर ले गया। तिमारोडी के खिलाफ बेल्टांगडी सहित कई जगहों पर विभिन्न मामले दर्ज किए गए हैं और बी.एल. संतोष पर अपमानजनक टिप्पणी करने के मामले में मामला दर्ज किया गया है।

हालाँकि, चूँकि वह पूछताछ के लिए उपस्थित नहीं हुए, इसलिए पुलिस उन्हें हिरासत में लेने वाली थी।

उडुपी जिला पुलिस अधीक्षक हरिराम शंकर ने बताया कि फिलहाल, तिमारोडी को ब्रह्मवार पुलिस को सौंप दिया गया है। इस बीच, पुलिस थाने के सामने कड़ी पुलिस सुरक्षा तैनात कर दी गई है और तिमारोडी को अदालत में पेश किया जाएगा। इस घटना को लेकर समर्थकों ने सरकार के खिलाफ रोष व्यक्त किया है और विरोध प्रदर्शन किया है। कुल मिलाकर, इस घटना ने तटीय क्षेत्र में एक नई हलचल पैदा कर दी है।

अच्छे संबोधन से अच्छे संबंध बनते हैं: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
संत सुपात्र होते हैं। वे बहुत भाग्यशाली होते हैं जिनके घर संत पधारते हैं और हम उन्हें निर्दोष आहार बहराते हैं।

अलसूर महावीर भवन में पर्यूषण पर्व के दूसरे दिन अंतगड दशा सूत्र का विवेचन करते हुए उपरोक्त उद्बोधन के साथ साध्वी श्री इंदुप्रभा जी ने कहा कि संत का हमें अगाध प्रसन्नता के साथ आगे जा कर सम्मान कर अपने घर में अपने हाथों से दान देना चाहिए। यह हमारी आर्य संस्कृति है। जिस घर दान दिया जाता है, उस परिवार की अनेक पीढ़ियां संपन्न रहती हैं। घर आंगन में पधारे साधु हमे पुण्य लाभ देने पधारते हैं।

खूब विनय विवेक और भक्ति के साथ सत्कार कर उनका बहुमान करना चाहिए। संत को आहार दान दुर्लभ दान माना गया है। संत घर से खाली नहीं जाने चाहिए। प्रवचन प्रारंभ करते हुए साध्वी श्री वृद्धिप्रभा ने आज के विषय ले लो वशीकरण मंत्र पर कहा कि यदि हम चाहते हैं कि सब हमारी सुने माने और हमारे अनुसार चले तो हमे अपना वचन व्यवहार सात्विक करना होगा। हम बोलने के पहले तोले और कम बोले, मीठा बोले और आवश्यकता अनुसार विवेक से बोले। सत्य भी ऐसा नहीं बोलना चाहिए जिससे किसी की मानसिक हिंसा हो और मर्मकारी हो। अच्छे संबोधन से अच्छे संबंध बनते हैं। द्रव्य क्षेत्र काल भाव के अनुसार वचन बोलने चाहिए। साध्वी श्री रिद्धीप्रभा जी ने शास्त्र वाचन किया। निपुणप्रभा जी ने गायन प्रस्तुत किया। प्रवचन सभा में चांदनी धोका ने 7 उपवास के प्रत्याख्यान लिए। सभा का संचालन करते हुए संघ मंत्री अभय कुमार बांठिया ने बताया कि शुक्रवार के प्रवचन का विषय छोड़ सब जंजाल रहेगा। अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने अतिथियों का स्वागत किया।

सीएम सिद्धरामैया ने एयर शो की अनुमति देने पर राजनाथ सिंह को बधाई दी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने मैसूरु दशहरा में एयर शो आयोजित करने की अनुमति देने के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को बधाई दी है। यह लंबे समय से हमारा सपना था कि मैसूरु दशहरा में वायुसेना का एयर शो आयोजित हो। कई मुख्यमंत्रियों ने इस मुद्दे पर केंद्र सरकार से अनुरोध किया था। हालांकि, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने इस मुद्दे में व्यक्तिगत रुचि दिखाई थी और केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से तीन-चार बार मुलाकात कर उन पर दबाव बनाया था। उम्मीद थी कि पिछले साल ही एयर शो के लिए अनुमति मिल जाएगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इस बार रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एयर शो की अनुमति दे दी है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने इसके लिए राज्य की जनता की ओर से राजनाथ को बधाई दी है। मैसूरु दशहरा देश का गौरव है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह बहुत खुशी की बात है कि भारतीय वायुसेना इस ऐतिहासिक उत्सव में भाग ले रही है। उन्होंने कहा कि एयर शो के कारण दशहरा देखने आने वाले पर्यटकों की संख्या में और वृद्धि होगी। सिद्धरामैया ने राजनाथ सिंह को मैसूरु दशहरा में सादर आमंत्रित किया है।

छात्रा की हत्या के आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी: गृह मंत्री परमेश्वर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने चेतावनी दी है कि चित्रदुर्ग तालुक में राष्ट्रीय राजमार्ग 48 के पास गोनूर रोड पर स्नातक छात्रा वर्षिता की हत्या के आरोपियों को बिना किसी हिचकिचाहट के कानून के अनुसार सजा दी जाएगी।

भाजपा के नवीन द्वारा परिषद में उठाए गए मुद्दे का जवाब देते हुए गृह मंत्री ने कहा कि इस मामले में किसी को बचाने का सवाल ही नहीं उठता। आरोपियों को कानून के अनुसार सजा दी जाएगी। सभ्य समाज में ऐसी घटनाएं नहीं होनी चाहिए। हम किसी को बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि वह इस मामले की जानकारी संबंधित अधिकारियों से लेंगे और सदन को पूरी जानकारी देंगे। इससे पहले, इस मुद्दे को उठाने वाले नवीन ने कहा कि युवती का शव मंगलवार को मिला था। वर्षिता ऐमंगला थाना क्षेत्र के कोवरहट्टी गाँव में पीयूसी में पढ़ रही थी। डॉ. बी.आर. अंबेडकर छात्रावास में बदमाशों ने अपहरण कर लिया, बेरहमी से हत्या कर दी और जला दिया। हमने महिला सुरक्षा पर दो विधेयक पारित किए हैं। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि इस मामले को देखने के बाद माता-पिता अपने बच्चों को स्कूल भेजने से हिचकिचा रहे हैं। दलित संगठन और अन्य संगठन न्याय के लिए लड़ रहे हैं। माता-पिता न्याय की गुहार लगा रहे हैं। उन्होंने मांग की कि सरकार दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करे। इससे पहले, मुख्य सचेतक सलीम और अन्य ने सदस्यों को यह मुद्दा उठाने की अनुमति दिए जाने पर आपत्ति जताई। उन्होंने अध्यक्ष से अनुरोध किया कि पहले विधेयक पेश करें। फिर चर्चा की अनुमति दें।

तपस्वियों का किया गया बहुमान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में तपस्या करने वाले श्री जिनदत्त कुशल सूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल के अनेक सदस्यों का बहुमान अभिनन्दन मंडल द्वारा किया गया। तपस्वी भरत कोठारी, कौशिक खीवेंसरा, निकेश बाफना, सौरभ मेहता, विवेक खटोड़ और विकास मेहता का अभिनन्दन दीर्घ तप के पारणे के पश्चात किया गया। इस अवसर पर मंडल के अध्यक्ष अरविन्द कोठारी, महामंत्री ललित डाकलिया, कोषाध्यक्ष पृथ्वीराज श्रीश्रीमाल, सहमंत्री धर्मेंद्र सकलेचा, जवेरीलाल गुलेच्छा, इन्दरचंद नाहटा, नितेश बोहरा, सुरेश गुलेच्छा, रनजीत मेहता, विकास पारख, विकास बच्छावत, गिरीश बोहरा ने तिलक, माला और स्मृति चिन्ह से तपस्वियों का स्वागत किया।

कर्नाटक में भारी बारिश: गांव टापू में तब्दील

एसडीआरएफ के जवान फंसे हुए 100 लोगों को बचाने के लिए पहुंचे

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।
जिले में अथानी के पास हुल-गाबल गाँव में एक टापू पर लगभग 100 लोगों के फँसे होने की खबर मिलने के बाद, राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल और अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा के कर्मचारी वहाँ पहुँचे। फँसे हुए लोग लगभग 40 परिवारों के सदस्य हैं। बेलगावी जिले में भारी बारिश और महाराष्ट्र से आने वाले लोगों के कारण मंग वस्ती इलाके के निवासियों के रहने की जमीन एक टापू में बदल गई है। फँसे लोगों में एक गर्भवती महिला और एक बिस्तर पर पड़े बुजुर्ग भी शामिल हैं। उनकी दुर्दशा का पता तब चला जब उन्होंने मदद के लिए चिल्लाना शुरू किया। आस-पास के इलाकों के निवासियों ने उनकी आवाज सुनी और पुलिस को सूचित किया। अथानी से एसडीआरएफ और अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा के कर्मियों को भेजा गया। बचाव कार्य जारी है।

एनडीए के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार ने देवेगौड़ा से की मुलाकात

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
एनडीए गठबंधन के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सी.पी. राधाकृष्णन ने पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा के दिल्ली स्थित आवास का दौरा किया।

पूर्व प्रधानमंत्री के आवास पर पहुँचे राधाकृष्णन का केंद्रीय इस्पात एवं भारी उद्योग मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने सम्मानपूर्वक स्वागत किया। राधाकृष्णन ने पूर्व प्रधानमंत्री के साथ अपने संबंधों के बारे में बात की और एनडीए गठबंधन के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में उनका समर्थन करने के लिए उनका धन्यवाद किया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी, सांसद मल्लेश बाबू और डॉ. सी.एन. मंजूनाथ, जेडीएस पार्टी के वरिष्ठ नेता वेंकटराव नादगौड़ा, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े और अन्य उपस्थित थे। पूर्व प्रधानमंत्री और केंद्रीय मंत्रियों ने सी.पी. राधाकृष्णन के स्वास्थ्य की कामना की।

श्री क्षेत्र धर्मस्थल तक 'धर्मयात्रा' अभियान का शुभारंभ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के बतरायणपुरा निर्वाचन क्षेत्र से, राज्य भाजपा सचिव एच.सी. तमेश गौड़ा के नेतृत्व में, गुरुवार सुबह विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी द्वारा कोडिगेहल्ली स्थित श्री गुंडांजनेया स्वामी मंदिर से श्री क्षेत्र धर्मस्थल तक 'धर्मयात्रा' अभियान का शुभारंभ किया गया। विशेष पूजा-अर्चना के बाद, सैकड़ों वाहनों के साथ अभियान की शुरुआत की गई। यह यात्रा श्री क्षेत्र धर्मस्थल के विरुद्ध फैलाए जा रहे दुष्प्रचार की निंदा करने के लिए निकाली जा रही है। इस अवसर पर राज्य भाजपा सचिव एच.सी. तमेश गौड़ा, भाजपा उत्तर जिला अध्यक्ष एस. हरीश, प्रमुख कार्यकर्ता और प्रशंसक उपस्थित थे।

जम्मू कश्मीर में बिना लेबल वाले खाद्य उत्पादों की बिक्री पर रोक

जम्मू, 21 अगस्त (ब्यूरो)।

जम्मू कश्मीर में सड़े हुए मांस की बड़ी बरामदगी के बाद अधिकारियों ने बिना लेबल वाले खाद्य उत्पादों की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया है। साथ ही असुरक्षित भोजन के लिए 6 साल की सजा सहित कई जुर्माने की चेतावनी दी है। दरअसल बीते दिनों कई जगहों पर सड़े मीट की बरामदगी के बाद होटलों और रेस्टोरेंट में लोग आना कम हो गए थे। अब इस कार्रवाई के बाद पूरे राज्य के टूरिज्म को तगड़ा धक्का लगने का अंदेशा जताया जा रहा है।

खाद्य एवं औषधि आयुक्त, स्मिता सेठी ने कहा कि जन स्वास्थ्य की सुरक्षा और खाद्य सुरक्षा के उच्चतम मानकों को सुनिश्चित करने के लिए, उन्होंने निर्माताओं, प्रसंस्करणकर्ताओं, थोक विक्रेताओं, खुदरा विक्रेताओं, कोल्ड स्टोरेज संचालकों, ट्रांसपोर्टरों और ई-कॉमर्स प्लेटफार्म सहित खाद्य व्यवसाय संचालकों (एफबीओ) को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 और खाद्य सुरक्षा एवं मानक (पैकेजिंग एवं लेबलिंग) विनियम, 2020 के प्रावधानों का पालन करने का निर्देश दिया है। एक आधिकारिक आदेश में कहा

गया है कि उचित और पूर्ण लेबल घोषणा के बिना पैकेज्ड खाद्य उत्पादों की बिक्री पूरी तरह से वर्जित है। कानून के मुताबिक, पैकेज्ड फ्रोजन मीट और चिकन पर विवरण स्पष्ट और सुपाठ्य रूप से प्रदर्शित करना अनिवार्य है। इसमें खाद्य उत्पाद का नाम, सामग्री की सूची, निर्धारित प्रतीक के साथ मांसाहारी होने की घोषणा, निर्माण/पैकिंग और समाप्ति तिथि, भंडारण की शर्तें, निर्माता, पैकर या आयातक का नाम और पूरा पता, और लाइसेंस नंबर और लोगो शामिल हैं।

याद रहे 31 जुलाई को श्रीनगर के बाहरी इलाके में एक कोल्ड स्टोरेज से 1,200 किलोग्राम मांस की शुरुआती बरामदगी हुई थी। इसके बाद कश्मीर में की गई कार्रवाई में 60 क्विंटल से ज्यादा सड़े हुए मटन की बरामदगी हुई थी। इन सड़े हुए बरामद मांस में ऊपर लिखी गई शर्तें नहीं पूरी की गई थीं। इस तरह से बाहर खाना खाने वालों में डर और दहशत फैल गई। वहीं पर्यटकों को भी खाने के सामान को लेकर गहरा सदमा लगा है। खाद्य एवं औषधि विभाग के अनुसार, सड़े हुए मांस से पता चलता है कि यह सड़ा हुआ मांस होटलों और रेस्टोरेंट को सप्लाई किया जम्मू कश्मीर होटल एवं रेस्टोरेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष बाबर चौधरी ने कहा कि जब्ती के बाद उनके यहां आने वाले लोगों की संख्या में 80 प्रतिशत से ज्यादा की कमी आई है। इस तरह पहले पहलगाम आतंकी हमला और अब ये सड़ा हुआ मांस जम्मू कश्मीर के पर्यटन उद्योग की कमर तोड़ दी है। एसोसिएशन को बिक्री में कमी के कारण बेरोजगारी का डर सताने लगा है, क्योंकि इस क्षेत्र से 3.5 लाख से ज्यादा लोग रोजी-रोटी कमा रहे हैं। उनके साथ उनका परिवार भी जुड़ा हुआ है। अब औषधि एवं खाद्य आयुक्त ने पैकेजिंग सामग्री के लिए खाद्य-श्रेणी की गुणवत्ता, सुरक्षित, गैर-विषाक्त और संदूषण को रोकने के लिए मानकों के अनुरूप मानदंड भी निर्धारित किए हैं।

उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि इसके अलावा, हलाल प्रमाणित (स्वैच्छिक) के रूप में लेबल किए गए किसी भी उत्पादों के सभी सुरक्षा, स्वच्छता और लेबलिंग आवश्यकताओं को पूरा करना होगा। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसा न करने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

मेवे और केसर पर अभी भी पहलगाम नरसंहार का साया

जम्मू, 21 अगस्त (ब्यूरो)।

पहलगाम में पर्यटकों पर हुए घातक आतंकवादी हमले के महीनों बाद, लेथपोरा में श्रीनगर-जम्मू राजमार्ग पर स्थित कभी गुलजार रहने वाला मेवे और केसर का बाजार वीरान पड़ा है, जहां व्यापारियों ने बिक्री लगभग पूरी तरह से ठप्प होने की बात स्वीकार की है।

पहलगाम के बैसरन मैदान में 22 अप्रैल को हुए हमले में 26 पर्यटक और एक स्थानीय टट्टू मालिक मारे गए थे, जिससे कश्मीर के पर्यटन उद्योग में व्यापक दहशत फैल गई और बड़े पैमाने पर लोगों ने अपनी यात्राएं रद्द कर दीं। मेवे की दुकानों और केसर की दुकानों के लिए मशहूर लेथपोरा सबसे ज्यादा प्रभावित क्षेत्रों में से एक है। इलाके की एक प्रमुख मेवे की दुकान, केसर काटेज के एक कर्मचारी उमर बताते हैं कि हमले से पहले, यहां हर दिन 100 से ज्यादा पर्यटक वाहन रुकते थे। अब तो ऐसा लग रहा है जैसे बाजार ही बंद हो गया हो। दो महीने से एक भी पर्यटक नहीं आया। हमारी दैनिक बिक्री, जो शाम तक पूरी हो जाती थी, घटकर सिर्फ 10 प्रतिशत रह गई है।

पर्यटन इस क्षेत्र की अर्थव्यवस्था की जीवन रेखा है। होटल मालिकों और टूर ऑपरेटर से लेकर दुकानदारों और ड्राइवरों तक, हजारों लोग मौसमी पर्यटकों पर निर्भर हैं। पर्यटकों की संख्या में अचानक आई लगभग 80 प्रतिशत की गिरावट ने स्थानीय व्यापारियों की आजीविका को तबाह कर दिया है। श्रीनगर और दक्षिण कश्मीर के पर्यटन स्थलों के बीच स्थित लेथपोरा, यात्रियों के लिए एक प्रमुख पड़ाव बन गया था। व्यापारियों का कहना है कि देर शाम तक खुले रहने वाले इस बाजार का आकर्षण और ऊर्जा अब गायब हो गई है। उमर कहते हैं कि बाजार से चकाचौंध गायब हो गई है। दुकानें अब जल्दी बंद हो जाती हैं। पर्यटकों के बिना, यह जगह बेजान सी लगती है। उन्हें डर है कि अगर स्थिति नहीं सुधरी तो बहुत बुरा होगा। हमें पूरी तरह से बंद करना पड़ सकता है। यह सिर्फ एक व्यवसाय नहीं, हमारी पहचान है।

कई व्यापारी संघों ने जम्मू कश्मीर प्रशासन से पर्यटकों का विश्वास बहाल करने के लिए मुआवजे और सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने की अपील की है। स्थानीय लोगों ने दीर्घकालिक आर्थिक नुकसान को रोकने के लिए राज्य के हस्तक्षेप की तत्काल आवश्यकता पर भी जोर दिया है। इस निराशाजनक स्थिति के बावजूद, कुछ व्यापारी सतर्क रूप से आशान्वित हैं। एक व्यापारी ने कहा कि अगर सरकार सुरक्षा और प्रोत्साहन के जरिए हमारा साथ दे, तो पर्यटन फिर से पटरी पर आ सकता है। लेकिन पर्यटकों के बिना हम इस नुकसान से उबर नहीं पाएंगे। सबकी नजरें इस बात पर टिकी हैं कि क्या नीतिगत समर्थन और सुरक्षा की भावना भीड़ को, और उनके साथ-साथ, उन रोजगारों को भी वापस ला पाएगी जो अब संकट में हैं।

कश्मीर में खुशी का माहौल हर दिन चलेगी गुड्स ट्रेन

जम्मू, 21 अगस्त (ब्यूरो)।

रेलवे बोर्ड ने कश्मीर से दिल्ली तक संयुक्त पार्सल उत्पाद-रैपिड कार्गो (जेपीपी-आरसीएस) ट्रेन को मंजूरी दे दी है। यह ट्रेन फल और हस्तशिल्प विक्रेताओं को देश भर में अपने उत्पाद प्रदर्शित करने का एक भरोसेमंद विकल्प प्रदान करेगी। इससे कश्मीर में खुशी का माहौल है। सबसे ज्यादा खुशी फल उत्पादकों को है।

उत्तर रेलवे के जम्मू संभाग ने एक बयान में कहा कि यह ट्रेन, जिसमें एक एसएलआर (सीटिंग कम लगेज रेक) और आठ पार्सल वैन होंगे, कश्मीर के बडगाम रेलवे स्टेशन से दिल्ली के आदर्श नगर तक प्रतिदिन चलेगी। अपने संचालन के पहले वर्ष में, यह मालगाड़ी पायलट आधार पर चलेगी, और मार्ग के

दोनों छोर पर सुरक्षा व्यवस्था जम्मू और कश्मीर पुलिस द्वारा प्रबंधित की जाएगी। जम्मू संभाग के संभागीय रेल प्रबंधक विवेक कुमार ने कहा कि जेपीपी-आर-सीएस का लक्ष्य रेलवे के माध्यम से माल परिवहन को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि यह एक वर्चुअल एग्रीगेशन प्लेटफार्म है, जो रेलवे की निजी क्षेत्र में भागीदारी को जोड़ने में मदद करेगा। यह मालगाड़ी जम्मू संभाग में पहली बार संचालित की जा रही है। कुमार ने यह भी बताया कि ट्रेन सेवा जल्द ही शुरू होगी और बुकिंग के लिए पंजीकरण शुल्क कम कर दिया गया है।

वरिष्ठ वाणिज्य मंडल प्रबंधक, उचित सिंघल ने बताया कि इस ट्रेन के संचालन का मुख्य उद्देश्य कश्मीर के व्यापारियों को लाभ पहुंचाना और देश के कोने-कोने में सेब, केसर, अखरोट, पश्मीना शाल, कालीन और अन्य हस्तशिल्प जैसे सामानों की डिलीवरी को सुगम बनाना है। यह ट्रेन लगभग 23 घंटे में दिल्ली पहुंच जाएगी, जो बडगाम से सड़क परिवहन की तुलना में तेज है। सांबा जिले के बड़ी ब्राह्मणा स्टेशन पर माल की लोडिंग और अनलोडिंग की सुविधा उपलब्ध होगी।

रेलवे के बयान में कहा गया है कि इस पहल का उद्देश्य कूरियर व्यवसाय में रेलवे की हिस्सेदारी बढ़ाना और ग्राहकों को एक कुशल, विश्वसनीय और किफायती विकल्प प्रदान करना है। इसके अतिरिक्त, इसका मुख्य लक्ष्य घाटी से बाहर ताजे और सूखे मेवों और हस्तशिल्प सहित अनूठे उत्पादों को उजागर करना और भारत और विदेशों में उनके विपणन को प्रोत्साहित करना है। बयान में कहा गया है कि इस सुविधा से व्यापारी वर्ग अपने सामान को बहुत कम समय में अपने गंतव्य तक पहुंचा सकता है। सड़क यातायात की तुलना में यह एक किफायती विकल्प साबित होगा। इससे जम्मू कश्मीर की अर्थव्यवस्था को लाभ होगा और रोजगार के नए स्रोत भी पैदा होंगे।

जम्मू कश्मीर में सरकारी तंत्र पूरी तरह नाकाम

मिलावटी खाद्य पदार्थ खाने पर लोग मजबूर

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 21 अगस्त (ब्यूरो)।

जम्मू कश्मीरवासी मिलावटी खाद्य पदार्थ खाने को मजबूर हो रहे हैं। खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकने में राज्य सरकार का तंत्र पूरी तरह नाकाम साबित हो रहा है। खाद्य पदार्थों की जांच में प्रत्येक सात में से एक नमूना फेल साबित हुआ है।

संसद में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, जम्मू कश्मीर में पिछले पांच वर्षों में खाद्य पदार्थों में मिलावट का स्तर चिंताजनक स्तर पर पहुंच गया है। जांचे गए 41,717 नमूनों में से 6,200 से ज्यादा खाद्य नमूने सुरक्षा मानकों पर खरे नहीं उतरे।

आंकड़े बताते हैं कि 2020 और 2025 के बीच विश्लेषण किए गए लगभग 15 प्रतिशत खाद्य पदार्थ उपभोग के लिए अनुपयुक्त पाए गए। 2020-21 में, 4,094 नमूनों का परीक्षण

किया गया, जिनमें से 871 को मानकों के अनुरूप नहीं पाया गया, जिसके परिणामस्वरूप 573 पर जुर्माना लगाया गया। 2021-22 में, जांच का दायरा बढ़कर 8,109 नमूनों तक पहुंच गया, जिनमें से 1,735 मानकों पर खरे नहीं उतरे। उस वर्ष सबसे ज्यादा प्रवर्तन भी हुआ, जिसमें 1,931 पर जुर्माना लगाया गया।

2022-23 में, अधिकारियों ने 13,502 नमूनों का परीक्षण किया, जो इस अवधि में सबसे ज्यादा था, लेकिन 1,195 सुरक्षा मानदंडों पर खरे नहीं उतरे। कुल 1,592 पर जुर्माना लगाया गया। अगले वर्ष (2023-24) 9,057 नमूनों की जांच की गई, जिनमें से 750 मिलावटी पाए गए और 1,612 पर जुर्माना लगाया गया, जिनमें पिछले वर्षों के कुछ लंबित मामले भी शामिल हैं।

चालू वर्ष (2024-25) में 6,955 नमूनों की जांच की गई, जिनमें से 651 असुरक्षित पाए गए, जिसके परिणामस्वरूप 1,239 पर जुर्माना लगाया गया। कुल मिलाकर, जम्मू कश्मीर में 2020 और 2025 के बीच 6,202 गैर-अनुरूप नमूने और 6,900 से अधिक जुर्माना दर्ज किया गया। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण जम्मू कश्मीर सहित राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से प्रवर्तन तंत्र को मजबूत करने और खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के रिक्त पदों को भरने का आग्रह कर रहा है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने राज्यसभा को सूचित किया कि जब भी नमूने खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के प्रावधानों के अनुरूप नहीं पाए जाते हैं, तो चूककर्ताओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई और जुर्माना लगाया जाता है।

पेट्रोल रिसाव के बाद कार में आग लगी

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

करकला में राष्ट्रीय राजमार्ग-169 पर सानूर पेट्रोल पंप के पास पेट्रोल रिसाव की घटना के बाद एक कार में आग लग गई। यह दुर्घटना गुरुवार को दोपहर लगभग 1 बजे हुई जब मूडबिद्री की ओर जा रही एक कार में अचानक आग लग गई, जिससे वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। यह कार कथित तौर पर बंगलेगुड्डे निवासी अयान ने किसी अन्य व्यक्ति से खरीदी थी। सूचना मिलने पर, अग्निशमन और आपातकालीन कर्मी मौके पर पहुँचे और आग पर काबू पाया। इस अभियान का नेतृत्व अग्निशमन केंद्र अधिकारी अल्बर्ट मोनिस, सहायक केंद्र अधिकारी चंद्रशेखर, अग्निशमन कर्मचारी अच्युत करकेरा, दिनेश और चालक जयमूल्य ने किया।

राहुल गांधी की नकल में औंधे गिरे अखिलेश यादव

चुनाव आयोग पर लगाए सभी आरोप झूठे निकले

लखनऊ, 21 अगस्त (एजेंसियां)।

राहुल गांधी की नकल पर वोट चोरी का राग अलापने में लगे सपा सांसद अखिलेश यादव के सारे आरोप आधिकारिक तौर पर झूठे साबित हुए। अखिलेश यादव ने चुनाव आयोग पर कई लोगों के नाम वोटर लिस्ट से गलत तरीके से हटाने का आरोप लगाया था। इसकी जांच चुनाव आयोग ने की और बताया कि वे या तो दोहरे नामांकन के कारण थे या फिर मतदाता की मृत्यु हो गई थी।

सपा नेता अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश के कई जिलों लखनऊ, कासगंज, बाराबंकी और जौनपुर के बारे में आरोप लगाया था कि इन जिलों में वोटर लिस्ट से लोगों के नाम गलत तरीके से हटाए गए हैं। लेकिन चुनाव आयोग ने फिर इन दावों को खारिज कर अखिलेश यादव के झूठ की पोल खोल दी। जांच में सारे आरोप झूठे निकले। इतना ही नहीं, इन जिलों के जिलाधिकारियों ने अखिलेश यादव के आरोपों को लेकर जवाब भी दिया है।

अखिलेश यादव ने 17 अगस्त यह आरोप लगाया कि यूपी के कई विधानसभा क्षेत्रों में

मतदाताओं के नाम गलत तरीके से हटाए गए हैं, जो वोट चोरी का एक तरीका है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी ने इस संबंध में चुनाव आयोग को कई सबूत दिए हैं, लेकिन आयोग इन्हें नजरअंदाज कर रहा है। इसके अलावा अखिलेश यादव ने 4 तस्वीरें भी पोस्ट में शेयर की, जो लखनऊ, कासगंज, बाराबंकी, जौनपुर की हैं। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि लखनऊ के बख्शी का तालाब में 13 मतदाताओं के नाम हटाए गए। कासगंज के अमांपुर में 8 मतदाताओं के नाम हटाए गए। बाराबंकी के कुर्सी में 2 मतदाताओं के नाम हटाए गए। जौनपुर में 5 मतदाताओं के नाम हटाए गए। अखिलेश यादव ने यह भी कहा कि चुनाव आयोग द्वारा दी गई डिजिटल रसीद अगर गलत साबित होती है तो डिजिटल इंडिया की विश्वसनीयता भी खतरे में है।

अखिलेश का दावा था कि लखनऊ के बक्शी का तालाब क्षेत्र में 13 मतदाताओं के नाम गलत तरीके से हटाए गए। लखनऊ के जिलाधिकारी ने जब मामले की जांच की तो पता चला कि सिर्फ एक मतदाता का नाम 2012 में हटाया गया था। इसका कारण यह था कि वह व्यक्ति उस क्षेत्र को छोड़ कर अन्यत्र चला गया। बाकी सभी 12 मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में मौजूद हैं। इस तरह अखिलेश यादव का आरोप बेमानी साबित हुआ।

अखिलेश यादव ने दावा किया था कि कासगंज के अमांपुर क्षेत्र से 8 मतदाताओं के नाम गलत तरीके से हटाए गए थे। कासगंज के जिलाधिकारी इसकी जांच में पाया कि 7 मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में दो बार लिखे हुए थे। नियमानुसार एक नाम को विलोपित (हटा दिया गया) किया गया। एक मतदाता का नाम अभी भी मतदाता सूची में है। इसी तरह अखिलेश यादव ने बाराबंकी को लेकर दावा किया था कि 266 कुर्सी विधानसभा क्षेत्र में 2 मतदाताओं ने शपथ पत्र दिया था कि उनके नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। लेकिन जब बाराबंकी के जिलाधिकारी ने जांच की तो पाया कि दोनों मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में दर्ज हैं। किसी का भी नाम मतदाता सूची से नहीं हटाया गया है। अखिलेश यादव ने जौनपुर में पांच मतदाताओं के नाम गलत तरीके से हटाने के आरोप लगाए थे।

जौनपुर के जिलाधिकारी ने जांच में पाया कि उक्त पांच मतदाताओं की मृत्यु 2022 में ही हो चुकी थी। इसकी पुष्टि उनके परिवार के सदस्यों और स्थानीय लोगों ने भी की। इसलिए उन पांच मतदाताओं के नाम नियमानुसार हटाए गए थे।

आयोग ने स्पष्ट किया कि मतदाता सूची से नाम हटाने की प्रक्रिया पूरी तरह से नियमानुसार और पारदर्शी है। जिन मामलों में नाम हटाए गए, वे या तो दोहरे नामांकन के कारण थे या फिर मतदाता की मृत्यु हो गई थी। इस तरह के झूठे आरोप लगाकर अखिलेश यादव न केवल एक संवैधानिक संस्था पर सवाल उठा रहे हैं, बल्कि जनता को भी गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं।

गणेश चतुर्थी के लिए मेंगलूरु तैयार

सदियों पुरानी परंपरा, भक्ति और पर्यावरण-अनुकूल मूर्तियाँ

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

गणेश चतुर्थी के भव्य उत्सव में अब बस एक हफ्ता ही बचा है, ऐसे में शहर भर में, खासकर मन्नागुड्डा और कार स्ट्रीट पर, तैयारियाँ जोरों पर हैं, जहाँ भगवान गणेश की मूर्तियाँ पूरे जोश और भक्तिभाव से बनाई जा रही हैं। हर साल, मेंगलूरु में गणेश चतुर्थी का सार्वजनिक उत्सव धूमधाम से मनाया जाता है। शहर और दक्षिण कन्नड़ जिले के पंडालों में भगवान गणेश की भव्य मूर्तियाँ स्थापित की जाती हैं, और कई घरों में भी उतनी ही श्रद्धा के साथ मूर्तियों का स्वागत किया जाता है। मन्नागुड्डा में, मूर्ति निर्माण की विरासत 96 वर्षों से चली आ रही है। स्वर्गीय मोहन राव द्वारा शुरू की गई यह परंपरा अब उनके परिवार द्वारा चौथी पीढ़ी तक आगे बढ़ाई जा रही है। लगभग एक सदी पहले मोहन राव द्वारा शुरू की गई यह पवित्र यात्रा आज भी जारी है, जिसे उनके बच्चों और नाती-पोतों द्वारा प्रेम और समर्पण के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है। दुबई में रहने वाली कृपा राव और वर्तमान में लंदन में रहने वाले डॉ. प्रीतम राव, दोनों

मूर्तियों की रंगाई और अंतिम रूप देने में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए अपने गृहनगर लौट आए हैं। परिवार के सदस्य कहते हैं, मोहन राव ने मुंबई में गणेश चतुर्थी उत्सव देखा और मेंगलूरु में भी ऐसी ही परंपरा की कल्पना की।

उनके निधन के बाद भी, हम उनके सिद्धांतों के प्रति प्रतिबद्ध हैं। हमारे लिए, यह कोई व्यावसायिक उद्यम नहीं है। हम लाभ के लिए मूर्तियाँ नहीं बेचते हैं, और कुछ परंपराओं का पालन करते हुए इस प्रक्रिया में लगभग दो महीने लगते हैं। इस वर्ष, परिवार ने 240 पर्यावरण-अनुकूल मूर्तियाँ बनाई हैं, जिनमें संघनिकेतन, पुलिस लेन, एनएमपीटी, एमसीएफ, पदविनांगडी, कुलशेखर में प्रमुख सार्वजनिक समारोहों के लिए बनाई जाने वाली मूर्तियाँ शामिल हैं, और एक मूर्ति कैलिफोर्निया को निर्यात भी की गई है। कार स्ट्रीट में, विनायक शेत 40 से भी ज्यादा वर्षों से गणेश प्रतिमाएँ बना रहे हैं, और उन्हें समर्पित महिलाओं की एक टीम का सहयोग प्राप्त है जो डिजाइन, पेंटिंग और सजावट में सहायता करती हैं। पिछले तीन वर्षों से, उनके बेटे आदित्य शेत भी इस विरासत को आगे बढ़ाने में मदद कर रहे हैं। इस वर्ष, शेत परिवार ने लगभग 60 मूर्तियाँ तैयार की हैं, जिनकी पूजा कावूर, बेंगरे, असाइगोली, बिग बाजार और उरवा मारिगुडी जैसे इलाकों में की जाएगी।

एटा में सीएम योगी ने किया सीमेंट फैक्ट्री का उद्घाटन

मुगलों और अंग्रेजों ने लूटा, कांग्रेस-सपा ने पहचान मिटाई: योगी

एटा, 21 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर करारा वार करते हुए कहा कि पहले भारत को मुगलों ने लूटा, फिर अंग्रेजों ने तबाह किया और जो कुछ बचा रह गया, कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने तबाही का नया मंजर पैदा कर देश के सामने पहचान का संकट खड़ा कर दिया। आज डबल इंजन सरकार की साफ नीयत, स्पष्ट नीति और अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की वजह से उत्तर प्रदेश विकास की नई ऊंचाइयों पर पहुंचा है। सीएम योगी ये यह बातें जनपद एटा में 750 करोड़ रुपए की लागत से स्थापित श्री सीमेंट प्लांट के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहीं।

सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस हो या समाजवादी पार्टी, इनकी नीयत कभी सबके विकास की नहीं रही। इन्होंने साथ तो सबका लिया, लेकिन विकास सिर्फ अपने परिवार का किया। इनके समय में न व्यापारी सुरक्षित था, न बेटी सुरक्षित थी। यही वजह रही कि देश और प्रदेश पिछड़ते चले गए। उन्होंने कहा कि आज मोदी सरकार और डबल इंजन की यूपी सरकार ने सबका साथ, सबका विकास के मंत्र से देश और प्रदेश को नई पहचान दी है। सीएम योगी ने कहा कि 8-9 साल पहले एटा की पहचान अपराध और माफिया के गढ़ के रूप में थी। गरीबों की जमीन पर कब्जा होता था, उनकी सुनवाई नहीं होती थी। जब नागरिक की सम्पत्ति ही सुरक्षित न हो, तब सरकार उसके कल्याण के लिए क्या करेगी? यही स्थिति तब थी। लेकिन आज एटा बेहतरीन कानून व्यवस्था और निवेश की नई पहचान बना है।

उन्होंने कहा कि सरकार के स्तर पर जवाहरपुर थर्मल पावर प्लांट से 1500 मेगावाट बिजली का उत्पादन हो रहा है और उसके बगल में श्री सीमेंट परिवार ने 750 करोड़ रुपए का नया प्लांट लगाया है। इससे 500 लोगों को प्रत्यक्ष और 3000 से अधिक लोगों को अप्रत्यक्ष रोजगार मिला है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस निवेश से सिर्फ सीधे रोजगार ही नहीं, बल्कि ट्रांसपोर्ट, व्यापार और डिस्ट्रीब्यूशन चैनल से जुड़े हजारों लोगों को भी काम का अवसर मिला है। यही है आत्मनिर्भर भारत की नींव, यही है विकसित भारत की आधारशिला। सीएम योगी ने कांग्रेस काल को याद करते हुए कहा कि एक समय ऐसा था जब सीमेंट कंट्रोल से मिलता था।

अगर पहुंच है तो एक बोरा मिल जाएगा, वरना चोरी-छिपे खरीदना पड़ता था। घर बनाना मुश्किल था। यही कांग्रेस की नीयत और नीति थी। विकास कैसे होता? सीएम योगी ने कहा कि भारत 17वीं-18वीं सदी में दुनिया की नंबर-1 अर्थव्यवस्था था। 1947 से 1960 तक छठे स्थान पर रहा, लेकिन कांग्रेस और समाजवादी पार्टी की नीतियों ने इसे 2014 तक 11वें स्थान पर पहुंचा दिया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने सबका साथ, सबका विकास का मंत्र दिया और आज भारत चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। अगले दो वर्षों में यह तीसरे स्थान पर होगा।

दुनिया के सामने भारत का नया गौरवशाली चेहरा उभरेगा। योगी ने कहा कि 2017 में जब उनकी सरकार बनी तो उत्तर प्रदेश देश की सातवीं अर्थव्यवस्था था। आज यूपी दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। यह तब हुआ जब सत्ता पोषित गुंडों-माफिया पर कार्रवाई हुई, दंगाइयों के खिलाफ कठोर कदम उठे और निवेशकों में विश्वास पैदा हुआ।

सीएम ने कहा कि यूपी अब तक 45 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव आकर्षित कर चुका है, जिनमें से 15 लाख करोड़ जमीनी धरातल पर उतारे गए हैं। इससे अब तक 60 लाख युवाओं को रोजगार मिला है। उन्होंने बताया कि हाल ही में पुलिस बल में 60,244 युवाओं की भर्ती हुई है, जिसमें एटा के भी युवा शामिल हैं। नौकरी बिना भेदभाव, बिना चेहरा देखे, सिर्फ योग्यता के आधार पर दी जा रही है। साथ ही मुख्यमंत्री युवा योजना के तहत 70,000 युवाओं को ब्याज और गारंटी मुक्त ऋण तथा मार्जिन मनी दी गई है ताकि वे अपना उद्यम स्थापित कर सकें।

सीएम ने कहा कि आज एटा की पहचान न सिर्फ सीमेंट और पावर प्लांट से है, बल्कि अपने परंपरागत उद्यम जलेसर के घंटा और घुंघरू से भी है। देवस्थान की पूजा और संगीत की महफिल, दोनों जलेसर के बिना अधूरी हैं। सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी ने 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य रखा है। इसी कड़ी में यूपी को भी विकसित करना होगा। विधानसभा और विधान परिषद में 24 घंटे लगातार बहस हुई, सेक्टर और थीम तय किए गए। अब विशेषज्ञ हर जिले में जाकर युवाओं को तैयार करेंगे और जनता के सुझावों से रोडमैप बनेगा।

सीएम ने कहा कि श्री सीमेंट सिर्फ उद्योग नहीं, बल्कि राष्ट्रीय उत्तरदायित्व भी निभा रहा है। अकेले एटा यूनिट ने अब तक 183 शहीद परिवारों को मुफ्त सीमेंट उपलब्ध कराया है।

सीएम योगी ने कहा कि जब भारतीय जवानों ने ऑपरेशन सिंदूर में अपने शौर्य और पराक्रम से दुश्मनों के दांत खट्टे कर दिए, तो यह तभी संभव हुआ जब पूरा देश एकजुट खड़ा रहा। श्री सीमेंट का योगदान इसी राष्ट्रीय भावना को मजबूत करता है। उन्होंने बताया कि बुलंदशहर और एटा के बाद, चित्रकूट में श्री सीमेंट ने 40 मेगावाट का ग्रीन एनर्जी प्लांट लगाया है। सरकार ने उन्हें ओपन एक्सेस की सुविधा दी है ताकि वहां बनी बिजली का उपयोग यहीं हो सके। सीएम ने श्री सीमेंट को आश्वस्त किया कि प्रदेश सरकार अपनी औद्योगिक नीति के तहत किए गए सभी वायदे समय पर पूरे करेगी। एटा आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर, चार-लेन कनेक्टिविटी और लोककल्याणकारी योजनाओं के साथ विकास की नई बुलंदियों पर पहुंचेगा।

ज्ञानवापी केस: वाद मित्र हटाने के रिवीजन पर आपत्ति दाखिल

वाराणसी, 21 अगस्त (एजेंसियां)। ज्ञानवापी के दोनों मामले में वादमित्र के ओर से आपत्ति दाखिल की गई है। अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी की ओर से आपत्ति दाखिल करने के लिए समय मांगा है। कोर्ट ने दोनों में अगली सुनवाई के लिए तिथि नियत कर दी है।

जिला जज जय प्रकाश तिवारी की अदालत में बुधवार को ज्ञानवापी के पुराने मामले के वादमित्र विजय शंकर रस्तोगी को हटाने संबंधित रिवीजन अर्जी पर सुनवाई हुई। एक अन्य आवेदन ट्रांसफर करने के लिए दाखिल पुनः विचार अर्जी पर भी सुनवाई हुई। दोनों अर्जी पर अगली सुनवाई आठ सितंबर की तिथि नियत की गई है। वादमित्र विजय शंकर रस्तोगी के हटाने संबंधित रिवीजन अर्जी पर वाद मित्र ने आपत्ति दाखिल किया है। अधिवक्ता अनुष्का तिवारी ने स्थानांतरण आवेदन वर्तमान पुनर्विचार याचिका (रिव्यू) दायर की है, वादमित्र विजय शंकर रस्तोगी द्वारा लगातार स्थानांतरण का विरोध किया। जिला जज ने स्थानांतरण संबंधित आवेदन खारिज कर दिया था। आदेश पारित होने के बाद कई नए और महत्वपूर्ण तथ्य और दस्तावेज सामने आए हैं, जिनमें विभिन्न तीर्थस्थलों के महंतों और पुजारियों सहित कई हिंदू भक्तों द्वारा दायर हलफनामे शामिल हैं।

ये एक जनप्रतिनिधि वाद है, जिसे स्वर्गीय पंडित सोमनाथ व्यास, प्रो. रामरंग शर्मा और हरिहर पांडेय द्वारा दाखिल किया गया था।

यह सिविल जज सीनियर डिवीजन (एफटीसी) न्यायालय में लंबित है। क्योंकि यह मामला प्रमुख है और इसमें जनता की भगवान विश्वेश्वर (विश्वनाथ) के प्रति भावना का प्रतिबिंबित किया गया है। जिला जज जय प्रकाश तिवारी की कोर्ट में बुधवार को ज्ञानवापी प्रकरण में मूल वाद में पूर्व के वादी स्व. हरिहर पांडेय की तीन बेटियों की ओर से निगरानी अर्जी पर सुनवाई हुई। निगरानी कर्ता और वाद मित्र की ओर से बहस की गई। इस मामले में अगली सुनवाई के लिए 27 अगस्त की तिथि नियत की है। अंजुमन की भी बहस होनी है।

पिछले तिथि पर बेटियों मणिकुंतला तिवारी, नीलिमा मिश्र, रेनू पांडेय की तरफ से अधिवक्ता आशीष श्रीवास्तव ने लोअर कोर्ट से मूल पत्रावली तलब करने की गुहार लगाई थी, जिस पर कोर्ट ने मूल पत्रावली तलब की थी। इसके तहत ही कोर्ट में अवर कोर्ट से मूल पत्रावली तलब आई थी। अवर कोर्ट में बेटियों की ओर से वादी रहे मृतक हरिहर पांडेय के स्थान पर वारिसान के रूप में प्रतिस्थापित करने के अर्जी दाखिल की थी। इसके बाद बेटियों की ओर से रिकॉल करने के लिए अर्जी दी थी, जिस पर कोर्ट ने रिकॉल प्रार्थना पत्र खारिज कर दिया था।

आयकर जांच में खुलासा, सीएसआर फंड का भारी दुरुपयोग

तस्करी से भारत मंगाए जा रहे करोड़ों के हीरे

आगरा, 21 अगस्त (एजेंसियां)। देश की निजी कंपनियों के कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) फंड का गबन कर अब तक करीब पांच हजार करोड़ रुपए चीन, सिंगापुर, मलेशिया, हांगकांग और दुबई भेजे गए हैं। मथुरा में सीए के ठिकाने पर पहुंची प्रधान आयकर निदेशक अन्वेषण कानपुर की आगरा यूनिट की टीम को यह जानकारी मिली है।

पता चला है कि यह रकम शेल कंपनियों के जरिये बाहर भेजी गई। फिर वहां से हीरों की खरीद कर तस्करों की मदद से भारत वापस लाकर बेचा जा रहा है। अभी तक टीम को पांच ऐसे मामलों का पता चला है, जहां हीरे तस्करी कर लाए गए। जांच में पता चला है कि देश की नामी कंपनियों से बतौर सीएसआर फंड मथुरा के जन जागृति सेवा संस्थान, अहमदाबाद के रागिनी बेन विपिन चंद्र सेवा कार्य ट्रस्ट और भीलवाड़ा के बृज मोहन सपूत कला संस्कृति सेवा संस्थान नाम के ट्रस्ट में जमा हुआ।

सामाजिक कार्य में इस्तेमाल के बजाय ट्रस्ट के खातों से यह रकम चीन, हांगकांग, सिंगापुर, मलेशिया और दुबई में पंजीकृत शेल कंपनियों के बैंक खातों में भेज दी गई। इसके बाद रकम आगे आभूषण कारोबारियों को भेजकर बदले में हीरे की खरीद की गई। इस जानकारी के आधार पर इनकम टैक्स के करीब दो सौ अधिकारियों की टीमें कोलकाता, भीलवाड़ा, अहमदाबाद, सूरत और मुंबई में इन ट्रस्ट के ट्रस्टियों के करीब 50 ठिकानों पर सर्च कर रही है। माना जा रहा है कि अभी इस मामले की जांच की जद में कई और लोग आ सकते हैं। मथुरा के राधावैली निवासी सीए आशुतोष अग्रवाल के ठिकानों पर की गई सर्च के दौरान मिली जानकारी के आधार पर टीम अब दो और सीए के ठिकानों पर सर्च कर रही है। इनमें मुंबई निवासी सीए पंकज सोमानी और कोलकाता निवासी सीए सुप्रियो साहा शामिल हैं। आरोप है कि ये भी ट्रस्टों के साथ इस खेल में शामिल थे। फिलहाल इनके कई ठिकानों को भी टीमें खंगाल रही हैं।

लखनऊ में करोड़ों की जमीन का फर्जीवाड़ा

हाईकोर्ट ने एलडीए को लगाई फटकार

लखनऊ, 21 अगस्त (एजेंसियां)। करोड़ों की जमीन के फर्जीवाड़े में हाईकोर्ट ने एलडीए को फटकार लगाई। समिति की 10 साल में सम्पत्ति बिक्री का ऑडिट कराने का आदेश दिया। कोर्ट ने कहा कि मामले की तफ्तीश की निगरानी एसपी स्तर के अफसर करेंगे।

इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने राजधानी के गोमती नगर विस्तार की करोड़ों की जमीनों में फर्जीवाड़े मामले में एलडीए के अफसरों को कड़ी फटकार लगाई है। मामले में कोर्ट ने बहुजन निर्बल वर्ग सरकारी गृह निर्माण समिति की पिछले 10 साल में सम्पत्ति बिक्री का ऑडिट कराने समेत नियमों के उलंघन की जांच कराने का आदेश दिया है। न्यायमूर्ति पंकज भाटिया की एकल पीठ ने यह आदेश बहुजन निर्बल वर्ग सरकारी गृह निर्माण समिति की याचिका पर दिया। याची समिति के अधिवक्ता शरद पाठक ने आरोप लगाया कि समिति के गठन का उद्देश्य अनुसूचित जाति के लोगों को आवासीय सुविधा देना था, लेकिन अयोग्य लोगों को जमीन आवंटित कर दी गई। यही नहीं, समिति के गैर सदस्यों द्वारा दी सम्पत्तियों की बिक्री भी कर दी गई।

भाजपा विधायक पर उत्पीड़न का आरोप

जहर खाकर जनता दरबार पहुंचा रिटायर्ड फौजी

लखनऊ, 21 अगस्त (एजेंसियां)। एक रिटायर्ड फौजी जहरीला पदार्थ खाकर सीएम योगी के जनता दरबार में पहुंचा। जानकारी हुई तो उसे तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। जनता दरबार में फौजी ने कहा कि गाजियाबाद के भाजपा विधायक नंद किशोर गुर्जर द्वारा किए जा रहे उत्पीड़न से परेशान होकर उसने ऐसा कदम उठाया।

गाजियाबाद के लोनी थाना क्षेत्र के सिरौली निवासी रिटायर्ड फौजी सतबीर गुर्जर सीएम जनता दरबार में पहुंचे थे। यहां सुरक्षा में तैनात स्टाफ को उन्होंने बताया कि वह जहरीला पदार्थ खाकर आए हैं।

इससे मौके पर अफरातफरी मच गई। इस दौरान सतबीर ने भाजपा विधायक नंद किशोर गुर्जर पर कई गंभीर आरोप लगाए। रिटायर्ड फौजी के पास से एक शिकायती पत्र मिला। इसमें उन्होंने लिखा था कि विधायक ने बीते अप्रैल महीने में कलश यात्रा निकाली थी। उनका उद्देश्य सरकार गिराना था। इसकी जानकारी होने पर रिटायर्ड फौजी ने साजिश को पहचानकर सोशल मीडिया पर खुलासा कर दिया था। इसके बाद से विधायक उन पर अत्याचार कर रहे हैं। स्थानीय गौतम पल्ली थाने के इंस्पेक्टर रत्नेश कुमार सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। फौजी सतवीर गुर्जर करगिल युद्ध में शामिल रहे हैं। इस मामले में लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने कहा कि इस मामले से उनका कोई लेना-देना नहीं है।

यूपी स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस का अंतराष्ट्रीय सम्मलेन सम्पन्न

फोरेंसिक और कानून विशेषज्ञों के लिए संस्था मील का पत्थर

लखनऊ, 21 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस (यूपीएसआईएफएस) लखनऊ में आयोजित तीन दिवसीय अंतराष्ट्रीय शिखर सम्मलेन बुधवार को सम्पन्न हुआ। समापन सत्र के मुख्य अतिथि जस्टिस राजेश सिंह चौहान तथा अति विशिष्ट अतिथि जस्टिस राजीव सिंह थे। साथ में विशिष्ट अतिथि के रूप में एनएफएसयू दिल्ली की निदेशक डॉ. पूर्वी पोखरियाल, आरएमएल नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. अमरपाल सिंह, महाराष्ट्र के आईपीएस अधिकारी बृजेश सिंह मौजूद थे। यूपीएसआईएफएस के संस्थापक निदेशक डॉ. जीके गोस्वामी (आईपीएस) एवं अपर निदेशक राजीव मल्होत्रा ने अतिथियों को प्रतीक चिन्ह एवं अंग वस्त्रम भेट कर उनका स्वागत एवं सम्मान किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति राजेश सिंह चौहान हाई कोर्ट लखनऊ बेंच ने कहा कि यूपीएसआईएफएस संस्थान अपनी फोरेंसिक गुणवत्ता, विश्व स्तरीय उपकरणों और अत्याधुनिक पाठ्यक्रमों के कारण एक दिन ऊँचाइयों को छूएगा। उन्होंने कहा कि आज के समय में फोरेंसिक विज्ञान का महत्व लगातार बढ़ता जा रहा है और यूपीएसआईएफएस इस क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने वाले संस्थानों में अग्रणी बन रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि यूप-ीएसआईएफएस में उपयोग किए जाने वाले आधुनिक उपकरण और तकनीक फोरेंसिक जांचों को अधिक प्रभावशाली और सटीक बनाते हैं। उन्होंने ने उम्मीद जताई कि इस संस्थान की प्रतिबद्धता और गुणवत्ता इसे राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी प्रसिद्धि दिलाएगी और यह भविष्य के फोरेंसिक वैज्ञानिकों व कानूनी विशेषज्ञों के लिए मील का पत्थर साबित होगा। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि जस्टिस राजीव सिंह हाई कोर्ट लखनऊ बेंच ने कहा कि भारत में फोरेंसिक विज्ञान तेजी से बदल रहा है और इस क्षेत्र में यूप-ीएसआईएफएस अग्रणी भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि यूपीए-सआईएफएस किसी भी अन्य प्रतिष्ठित संस्थान से पीछे नहीं है और यह देश में फोरेंसिक विज्ञान के आधुनिक आयामों को स्थापित करने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि यूप-ीएसआईएफएस में उपलब्ध अत्याधुनिक तकनीक, विश्वस्तरीय उपकरण और उच्च गुणवत्ता के प्रशिक्षण कार्यक्रम फोरेंसिक विज्ञान के क्षेत्र में नई प्रगति के लिए मजबूत आधार प्रदान करते हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि यूप-ीएसआईएफएस की प्रतिबद्धता और उत्कृष्टता न केवल देश में बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी इसकी पहचान बनाएगी।

विशिष्ट अतिथि प्रो. अमर पाल सिंह ने अपने समापन संबोधन में कानून और तकनीक के अंतरसंबंध पर प्रकाश डाला। उन्होंने चेताया कि तकनीकी विकास की गति इतनी तेज है कि कानून उसके पीछे छूट जाता है, जिसे उन्होंने इसे टेक्नोलॉजिकल ओवररन कहा। उनके अनुसार कानून का दायित्व केवल प्रतिक्रिया देना नहीं बल्कि परिवर्तन को सही दिशा देना है। अतिथि वक्ता प्रो. पूर्वी पोखरियाल ने साइबर अपराध को सीमाहीन अपराध बताते हुए कहा कि केवल भारतीय कानून जैसे आईटी एक्ट या डीपीडीपी एक्ट पर्याप्त नहीं हैं।

भारत को यूरोप, अमेरिका और चीन के अनुभवों से सीखना होगा। उन्होंने बुडापेस्ट कन्वेंशन और आगामी संयुक्त राष्ट्र साइबर अपराध कन्वेंशन (अक्टूबर 2025) का उल्लेख किया तथा बताया कि भारत में अब तक लगभग तेईस हजार करोड़ रुपए का आर्थिक नुकसान हो चुका है।

उन्होंने अकादमिक संस्थानों, सरकार और उद्योग के सहयोग, साइबर सुरक्षा में व्यावहारिक प्रशिक्षण, तथा फॉरेंसिक मानकीकरण पर बल दिया।

अतिथि वक्ता एडीजी बृजेश सिंह ने कहा कि न्याय और क़ानून का शासन किसी भी राष्ट्र की मजबूती की नींव है। कानून बनाना आसान है, पर संस्थाएं बनाना सबसे कठिन कार्य है। उन्होंने भारत में विकसित विश्वस्तरीय फॉरेंसिक अवसंरचना की सराहना की और कहा कि वैज्ञानिक जांच के बिना दोषसिद्धि दर कम रहती है। साइबर अपराध को उन्होंने परिवर्तनकारी खतरा बताते हुए भविष्य की चुनौतियों के लिए सतत् निवेश और तैयारी पर बल दिया।

सत्र के अंत में यूपीएसआईएफएस के संस्थापक निदेशक डॉ जीके गोस्वामी ने कहा कि कानून के साथ प्रयोगशाला (लॉ विद लैब्स) कानूनी शिक्षा में व्यावहारिक फोरेंसिक प्रशिक्षण को जोड़ता है ताकि भविष्य के विधिक पेशेवरों को वैज्ञानिक साक्ष्यों का बेहतर ज्ञान मिले। फोरेंसिक एज ए सर्विस एक ऑन-डिमांड सेवा है जो कानूनी और पुलिस विभागों को फोरेंसिक विशेषज्ञता उपलब्ध कराती है। यह पहल यूपीए-सआईएफएस में सफलतापूर्वक लागू हो चुकी है और साइबर सुरक्षा और डिजिटल फोरेंसिक्स के संदर्भ में अत्यधिक प्रासंगिक साबित हो रही है। उन्होंने फोरेंसिक विज्ञान को विज्ञान और कानून के संगम के रूप में प्रस्तुत किया कहा कि जहां विज्ञान उपकरणों और तरीकों की आपूर्ति करता है, वहीं कानून उन्हें उद्देश्य और दिशा प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि कानूनी ढांचे की समझ अनिवार्य है, क्योंकि न्यायपालिका में प्रक्रिया की निष्पक्षता और प्रमाणों की गुणवत्ता न्याय की नींव हैं। बिना कानूनी ज्ञान के फोरेंसिक विज्ञान अधूरा रहता है। उन्होंने फोरेंसिक विज्ञान को सत्य को उजागर करने वाला सूक्ष्मदर्शी बताया। मानव साक्ष्य प्रभावित हो सकते हैं, लेकिन सही तरीके से संग्रहित और प्रस्तुत किए गए फोरेंसिक प्रमाण न्याय में तटस्थता और पुष्टि प्रदान करते हैं।

संपादकीय

उपराष्ट्रपति पर सहमति क्यों नहीं?

भारत के उपराष्ट्रपति पद के लिए सत्ताधारी भाजपा-एनडीए और विपक्ष के 'इंडिया' गठबंधन के बीच सर्वसम्मति नहीं बन पाई। अपेक्षा की जाती रही है कि राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और लोकसभा स्पीकर सरीखे पदों को सर्वसम्मति के साथ तय किया जाए। उन पर चुनाव नहीं होने चाहिए, क्योंकि वे पक्ष और विपक्ष के 'साझा चेहरे' माने जाते हैं। वे अपने पदों पर संवैधानिक शीर्ष होते हैं, जिनसे न्याय की उम्मीद पक्ष और विपक्ष दोनों ही करते हैं, लेकिन भारतीय लोकतंत्र की विडंबना है कि डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम सरीखी 'राष्ट्रीय हस्ती' पर भी सर्वसम्मति नहीं बन पाई थी, नतीजतन राष्ट्रपति पद का चुनाव कराना पड़ा था। सर्वसम्मत संवैधानिक चेहरा शायद ही कोई हो, हमें ध्यान नहीं। इसका बुनियादी कारण यह है कि सरकार और विपक्ष के दरमियान संवैधानिक और वैचारिक नहीं, बल्कि नफरत, खीझ, चिढ़ की विभाजक रेखाएं होती हैं। अब भी प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस ने साफ कहा है कि उपराष्ट्रपति पर सर्वसम्मति भाजपा-आरएसएस के कारण नहीं हुई। भाजपा 'लाठीतंत्र' से इस देश को चलाना चाहती है। वह कांग्रेस होने नहीं देगी। उपराष्ट्रपति पद के लिए जिस शख्स को चुना गया है, वह आरएसएस के स्वयंसेवक रहे हैं। जनसंघ-भाजपा के सदस्य और सांसद रहे हैं। तमिलनाडु में उन्होंने भाजपा का नेतृत्व भी किया है। वह पूरी चेतना के साथ 'संघी' हैं, लिहाजा पदासीन होने के बावजूद उनसे तटस्थता की उम्मीद नहीं की जा सकती। विपक्षी 'इंडिया' ने सर्वोच्च अदालत के पूर्व न्यायाधीश एवं गोवा के लोकायुक्त रहे, संविधानविद और गैर-राजनीतिक शख्स जस्टिस बी. सुदर्शन रेड्डी को अपना उपराष्ट्रपति उम्मीदवार बनाया है। यह विपक्ष का संवैधानिक अधिकार भी है। बेशक विपक्ष 'अराजनीतिक' का दावा करे, लेकिन रेड्डी को इसी आधार पर चुना गया है, ताकि आंध्रप्रदेश और तेलंगाना में टीडीपी, वाईएसआर कांग्रेस और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) सरीखे दलों के लिए 'धर्मसंकट' की स्थिति पैदा हो और अंततः वे विपक्ष के उम्मीदवार को समर्थन देने को बाध्य हो जाएं! कांग्रेस की यह राजनीतिक गणना नाकाम रही, क्योंकि चंद्रबाबू नायडू, जगनमोहन रेड्डी और चंद्रशेखर राव के दल भाजपा-एनडीए के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन को अपना समर्थन घोषित कर चुके हैं। राधाकृष्णन तमिलनाडु के 'कोंगु वेल्लालर' समुदाय से आते हैं। हालांकि उन्होंने 1998, 1999 में कोयंबटूर सीट से संसदीय चुनाव जीता, लेकिन 2004, 2014, 2019 के लोकसभा चुनावों में वह लगातार हारे। अब भाजपा की निगाह पश्चिमी तमिलनाडु या 'कोंगु पट्टी' के मतदाताओं पर है, लेकिन तमिलनाडु में राधाकृष्णन को शांत, सरल, सज्जन और कम बोलने वाला नेता तो माना जाता है, लेकिन 'सीपी' (उनका लोकप्रिय नाम) को करिश्माई नेता नहीं माना जाता। वह प्रधानमंत्री मोदी के बहुत करीब हैं और यह दोस्ताना करीब 40 साल का है, लेकिन 'सीपी' को आरएसएस की पसंद नहीं माना जा रहा है। अलबत्ता उन्हें चुन लिया गया है। भाजपा के अलावा सहयोगी दलों के सांसदों ने भी उनके नाम पर मुहर लगा दी है। अब सीपी राधाकृष्णन का देश का उपराष्ट्रपति बनना लगभग तय है। सांसदों का बहुमत कुछ ऐसा ही है। संसद के दोनों सदनों में कुल 782 सांसद हैं, लिहाजा 392 बहुमत है, जो जीत का आंकड़ा भी है। 2022 में धनखड़ को 528 वोट मिले थे और विपक्ष की मारग्रेट अल्वा 183 पर ही सिमट गई थी। इस बार भाजपा-एनडीए के पक्ष में कुल 423 सांसद हैं और 'इंडिया' के 355 सांसद बताए गए हैं। इस चुनाव में 'व्हिप' जारी नहीं किया जा सकता, लिहाजा सांसदों में ध्रुवीकरण देखा जाता रहा है। यदि सभी वोट अपने-अपने पक्ष के उम्मीदवार को दिए गए, तो राधाकृष्णन का उपराष्ट्रपति बनना तय है। बहरहाल इसे तमिल बनाम तेलुगू का चुनाव न माना जाए, क्योंकि समर्थन तय है। वैसे यह देखना भी महत्वपूर्ण रहेगा कि द्रमुक किस पक्ष के समर्थन में मतदान करता है।

भारतीय लोकतंत्र की विडंबना है कि डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम सरीखी 'राष्ट्रीय हस्ती' पर भी सर्वसम्मति नहीं बन पाई थी, नतीजतन राष्ट्रपति पद का चुनाव कराना पड़ा था। सर्वसम्मत संवैधानिक चेहरा शायद ही कोई हो, हमें ध्यान नहीं। इसका बुनियादी कारण यह है कि सरकार और विपक्ष के दरमियान संवैधानिक और वैचारिक नहीं, बल्कि नफरत, खीझ, चिढ़ की विभाजक रेखाएं होती हैं। अब भी प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस ने साफ कहा है कि उपराष्ट्रपति पर सर्वसम्मति भाजपा-आरएसएस के कारण नहीं हुई। भाजपा 'लाठीतंत्र' से इस देश को चलाना चाहती है। वह कांग्रेस होने नहीं देगी। उपराष्ट्रपति पद के लिए जिस शख्स को चुना गया है, वह आरएसएस के स्वयंसेवक रहे हैं। जनसंघ-भाजपा के सदस्य और सांसद रहे हैं। तमिलनाडु में उन्होंने भाजपा का नेतृत्व भी किया है। वह पूरी चेतना के साथ 'संघी' हैं, लिहाजा पदासीन होने के बावजूद उनसे तटस्थता की उम्मीद नहीं की जा सकती। विपक्षी 'इंडिया' ने सर्वोच्च अदालत के पूर्व न्यायाधीश एवं गोवा के लोकायुक्त रहे, संविधानविद और गैर-राजनीतिक शख्स जस्टिस बी. सुदर्शन रेड्डी को अपना उपराष्ट्रपति उम्मीदवार बनाया है। यह विपक्ष का संवैधानिक अधिकार भी है। बेशक विपक्ष 'अराजनीतिक' का दावा करे, लेकिन रेड्डी को इसी आधार पर चुना गया है, ताकि आंध्रप्रदेश और तेलंगाना में टीडीपी, वाईएसआर कांग्रेस और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) सरीखे दलों के लिए 'धर्मसंकट' की स्थिति पैदा हो और अंततः वे विपक्ष के उम्मीदवार को समर्थन देने को बाध्य हो जाएं! कांग्रेस की यह राजनीतिक गणना नाकाम रही, क्योंकि चंद्रबाबू नायडू, जगनमोहन रेड्डी और चंद्रशेखर राव के दल भाजपा-एनडीए के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन को अपना समर्थन घोषित कर चुके हैं।

अमृत कलश

सुनने की क्षमता का महत्व

एक साल जंगल में बिताने के बाद युवराज अपने राज्य को लौटना चाहता था, पर गुरु की बात को टाल भी नहीं सकता था, इसलिए वह बेमन ही जंगल की ओर बढ़ चला। कई दिन गुजर गए पर युवराज को कोई नई आवाज़ नहीं सुनाई दी। वह परेशान हो उठा। उसने निश्चय किया कि अब वह हर आवाज़ को बड़े ध्यान से सुनेगा। फिर एक सुबह उसे कुछ अनजानी सी आवाजें हल्की- हल्की सुनाई देने लगीं। इस घटना के कुछ दिनों बाद वह गुरु के पास वापस लौटा और बोला- पहले तो मुझे वही ध्वनियां सुनाई दीं जो पहले देती थीं, लेकिन एक दिन जब मैंने बहुत ध्यान से सुनना शुरू किया तो मुझे वो सुनाई देने लगा जो पहले कभी नहीं सुनाई दिया था। मुझे कलियों के खिलने की आवाज सुनाई देने लगी। मुझे धरती पर पड़ती सूर्य की किरणों, तितलियों के गीत और घांस द्वारा सुबह की ओस पीने की ध्वनियां सुनाएं देने लगीं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की मजबूती के लिए श्रीकृष्ण और गांधी से प्रेरणा की जरूरत जताई

चक्र और चरखा की स्वदेशी महिमा से प्रेरणा की जरूरत

प्रमोद भार्गव

बदलती स्थितियों में परिवर्तन के मानदंड भी बदल देते हैं। वैसे तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वदेशी प्रेरणा से आत्मनिर्भरता की बात हमेशा ही करते रहे हैं, परंतु इस बार उन्होंने लाल किले की प्राचीर से भारत को मजबूत बनाने के लिए कहा कि 'हमें इस हेतु चक्रधारी मोहन अर्थात भगवान श्रीकृष्ण से प्रेरणा लेनी चाहिए और भारत को आत्मनिर्भर बनाने के नजरिए से चरखाधारी मोहन यानी महात्मा गांधी के मार्ग पर चलना चाहिए।' इन प्रतीकों के माध्यम से भारत की समृद्धि के रास्ते खुलते हैं। दुनिया में भू-राजनीतिक स्थितियां बदल रही हैं। ऐसे में भारत को अपने हितों को साधने के लिए नए मित्रों का साथ जरूरी है। हम देख रहे हैं कि अमेरिका, रूस, चीन, भारत और पाकिस्तान के परिप्रेक्ष्य में तेजी से नए समीकरण बनते-बिगड़ते दिखाई दे रहे हैं। ऐसे में कृशण के सुदर्शन चक्र से प्रेरणा लेने की जरूरत है। यह चक्र काल और जीवन दोनों की ही गतिशीलता का प्रतीक है। यह नाम सत्य की रक्षा और असत्य के संहार का प्रतीक भारतीय परंपरा में रहा है। इसी चक्र की निरंतर गतिशीलता को देखते हुए वैदिक ऋषियों ने 'चरैवेति-चरैवेति' सिद्धांत स्थापित किया था। अंग्रेजों ने जब भारत में यांत्रिकीकरण लागू किया, तब गांधी ने इस समस्या से निपटने के लिए चरखा को स्वावलंबन के मंत्र का आधार बनाया। गांधी ने कहा कि 'भारत के सभी नागरिक स्वदेशी उत्पादों पर भरोसा रखें, क्योंकि अगर आप भारतीय हैं तो भारत में बनी चीजें ही खरीदें। इन्हें ही उपहार में दें। दुकानदार स्वदेशी सामान ही बेचें। यदि हम ऐसा करते हैं तो इस एक कदम से भारतीय मजदूर और गरीब नागरिक को लाभ होगा।' गांधीजी ने केंद्रीय उद्योग समूहों के विरुद्ध चरखे को बीच में रखकर लोगों के लिए यांत्रिक उत्पादन की जगह, उत्पादन लोगो द्वारा हो का आंदोलन चलाया था। जिससे एक बढ़ी आबादी वाले देश में बहुसंख्यक लोग रोजगार से जुडें.और बढ़े उद्योगां का विस्तार सीमित रहे। इस दृष्टिकोण के पीछे महात्मा का उद्देश्य यांत्रिकीकरण से मानव मात्र को छुटकारा दिलाकर उसे सीधे स्वरोजगार से जोड़ना था। क्योंकि दूरदृष्टा गांधी की अंर्तदृष्टि ने तभी अनुमान लगा लिया था कि औद्योगिक उत्पादन और प्रौद्योगिकी विस्तार में सृष्टि के विनाश के कारण अंतर्निहित हैं। आज दुनिया के वैज्ञानिक अपने प्रयोगों से जल, थल और नभ को एक साथ दूषित कर रहे हैं। गांधी गरीब की गरीबी से कटु यर्थाथ के रूप में परिचित थे। इस निवर्सन गरीबी से उनका साक्षात्कार ओड़ीसा के एक गांव में हुआ था। यहां एक बूढ़ी औरत ने गांधी से मुलाकात की थी। जिसके पैबंद लगे वस्त्र बेहद मैले-कुचेले थे। गांधी ने शायद साफ-सफाई के प्रति लापरवाही बरतना महिला की आदत समझी। इसलिए उसे हिदायत देते हुए बोले, 'अम्मां क्यों नहीं कपड़ों को धो लेती हो ?' बुढ़िया बेवाकी से बोली, 'बेटा जब बदलने को दूसरे कपड़े हों, तब न धो-पहनूं।' महात्मा आपादमस्तक सन्न व निरुत्तर रह गए। इस घटना से उनके अंर्तमन में गरीब की दिगंबर देह को वस्त्र से ढकने के उपाय के रूप में 'चरखा' का विचार कौंधा। साथ ही उन्होंने स्वयं एक वस्त्र पहनने व ओढ़ने का संकल्प लिया। देखते-देखते उन्होंने 'वस्त्र के स्वावलंबन' का एक पूरा आंदोलन ही खड़ा कर दिया। लोगों को तकली-चरखे से सूत कातने को उत्प्रेरित किया। सुखद परिणामों के चलते चरखा स्वनिर्मित वस्त्रों से देह ढकने का एक कारगर अस्त्र ही बन गया। पिछले तीन दशक के भीतर उद्योगों की स्थापना के सिलसिले में हमारी जो नीतियां सामने आयी हैं उनमें अकुशल मानव श्रम की उपेक्षा उसी तर्ज पर है, जिस तर्ज पर अठारहवीं सदी में अंग्रेजों ने ब्रिटेन में मशीनों से निर्मित कपड़ों को बेचने के लिए ढाका (बांगलादेश) के मलमल बुनकरों के हस्त उद्योग को हुकूमत के बूते नेस्तनाबूद ही नहीं किया था, उनके अंगूठे भी काट दिए थे। उन्हें भूखों मरने के लिए भगवान भरोसे छोड़ दिया था। आज पूंजीवादी अभियानों और कथित डिजीटल विस्तार के लिए व्यापार से मानवश्रम को लगातार बेदखल किया जा रहा है। जबकि होना यह चाहिए था कि हम अपने देश के समग्र कुशल-अकुशल मानव समुदायों के हित साधन के दृष्टिकोण सामने लाते ? गांधी की सोच वाली आर्थिक प्रक्रिया की स्थापना और विस्तार में न मनुष्य के हितों पर कुठाराघात होता है और न ही प्राकृतिक संपदा के दोहन पर टिकी अर्थव्यवस्था का ? जबकि मौजूदा आर्थिक हितों के सरोकार केवल पूंजीवादियों के हित साधते हैं और इसके विपरीत मानवश्रम से जुड़े हितों को तिरष्कृत करते हैं। मानव समुदायों के बीच असमानता की खाई ऐसे ही उपायों से उत्तरोतर बढ़ती चली जा रही है। चरखा और खादी परस्पर एक दूसरे के पर्याय हैं। गांधी की शिष्या निर्मला देशपाण्डे ने अपने एक संस्मरण का उद्घाटन करते हुए कहा था, नेहरू ने पहली पंचवर्षीय योजना का स्वरूप तैयार करने से पहले आचार्य विनोबा भावे को मार्गदर्शन हेतु आमंत्रित किया था। राजघाट पर योजना आयोग के सदस्यों के साथ हुई बातचीत के दौरान आचार्य ने कहा था, 'ऐसी योजनाएं बननी चाहिएं, जिनसे हर भारतीय को रोटी और रोजगार मिले। क्योंकि गरीब इंतजार नहीं कर सकता। उसे अविलंब काम और रोटी चाहिए। आप गरीब को काम नहीं दे सकते, लेकिन मेरा चरखा ऐसा कर सकता है।' वाकई यदि पहली पंचवर्षीय योजना को अमल में लाने के प्रावधानों में चरखा और खादी को रखा जाता तो मौसम की मार और कर्ज का संकट झेल रहा किसान आत्महत्या करने को विवश नहीं होता ? दरअसल आर्थिक उन्नति का अर्थ हम प्रकृति के दोहन से मालामाल हुए अरबपतियों-खरबपतियों की फोर्ब्स पत्रिका में छप रही सूचियों से निकालने लगे हैं। आर्थिक उन्नति का यह पैमाना पूंजीवादी मानसिकता की उपज है, जिसका सीधा संबंध भोगवादी लोग और उपभोगवादी संस्कृति से जुड़ा है। जबकि हमारे परंपरावादी आदर्श किसी भी प्रकार के भोग में अतिवादिता को अस्वीकार तो करते ही हैं, भोग की दुष्परिणति पतन में भी देखते हैं। अनेक प्राचीन संस्कृतियां जब उच्चता के चरम पर पहुंचकर विलासिता में लिप्त हो गईं तो उनके पतन का सिलसिला शुरू हो गया। रक्ष, मिश्र, रोमन, नंद और मुगल संस्कृतियों का यही हश्र हुआ। कृष्ण के सगे-संबंधी जब दुराचार और भोग-विलास में संलग्न हो गए तो स्वयं कृष्ण ने उनका अंत किया। इतिहास दृष्टि से सबक लेते हुए गांधी ने कहा था, 'किसी भी सुव्यवस्थित समाज में रोजी कमाना सबसे सुगम बात होनी चाहिए और हुआ करती है। बेशक किसी देश की अच्छी अर्थव्यवस्था की पहचान यह नहीं है कि उसमें कितने लखपति लोग रहते हैं, बल्कि जनसाधारण का कोई भी व्यक्ति भूखों तो नहीं मर रहा है, यह होनी चाहिए।' गांधी के स्वरोजगार और स्वावलंबन के चिंतन और समाधन की जो धाराएं चरखे की गतिशीलता से फूटती थीं, उस गांधी के अनुआयी वैश्विक बाजार में समस्त बेरोजगारों के रोजगार का हल ढूढ़ रहे हैं। यह मृग-मारीचिका नहीं तो और क्या है ? अब तो वैश्विक अर्थव्यवस्था के चलते रोजगार और औद्योगिक उत्पादन दोनों के ही घटने के आंकड़े सामने आने लगे हैं। रुपए का डॉलर की तुलना में निरंतर अवमूल्यन हो रहा है। इन नतीजों से साफ हो गया है कि भू-मण्डलीकरण ने रोजगार के अवसर बढ़ाने की बजाय घटाए हैं। ऐसे में चरखे से खादी का निर्माण एक बढ़ी आबादी को रोजगार से जोड़ने का काम कर सकता है। भारत की विशाल आबादी पूंजीवादी मुक्त अर्थव्यवस्था से समृद्धशाली नहीं हो सकती ? अलबत्ता वैश्विक आर्थिकी से मुक्ति दिलाकर, विकास को समतामूलक कारकों से जोड़कर इसे सुखी और संपन्न बनाया जा सकता है। इस दृष्टि से चरखा और खादी सार्थक औजार के रूप में ग्रामीण परिवेश में ग्रामीणों के लिए एक नया अर्थशास्त्र रच सकते हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वदेशी प्रेरणा से आत्मनिर्भरता की बात हमेशा ही करते रहे हैं, परंतु इस बार उन्होंने लाल किले की प्राचीर से भारत को मजबूत बनाने के लिए कहा कि 'हमें इस हेतु चक्रधारी मोहन अर्थात भगवान श्रीकृष्ण से प्रेरणा लेनी चाहिए और भारत को आत्मनिर्भर बनाने के नजरिए से चरखाधारी मोहन यानी महात्मा गांधी के मार्ग पर चलना चाहिए।' इन प्रतीकों के माध्यम से भारत की समृद्धि के रास्ते खुलते हैं। दुनिया में भू-राजनीतिक स्थितियां बदल रही हैं। ऐसे में भारत को अपने हितों को साधने के लिए नए मित्रों का साथ जरूरी है। हम देख रहे हैं कि अमेरिका, रूस, चीन, भारत और पाकिस्तान के परिप्रेक्ष्य में तेजी से नए समीकरण बनते-बिगड़ते दिखाई दे रहे हैं।

देश दुनिया से

बढ़ता लालच, दरकते पारिवारिक संबंध

भारतीय संस्कृति और शास्त्रों में माता-पिता का स्थान सर्वोच्च माना गया है। वे केवल जीवनदाता ही नहीं, बल्कि मार्गदर्शक, शिक्षक और जीवन मूल्यों के प्रथम स्तंभ होते हैं। बचपन से ही हमारी परंपरा में यह संस्कार दिया जाता रहा है कि संतान अपने अभिभावकों की सेवा, आज्ञा और सम्मान में कमी न आने दे। यही वह नैतिक आधार है जिस पर भारतीय परिवार व्यवस्था सदियों से मजबूती से खड़ी रही है। लेकिन आज के समय में यह मजबूत नींव दरकती नजर आ रही है। भौतिकतावाद की अंधी दौड़, सोशल मीडिया की दिखावटी दुनिया और आधुनिकता की अंधाधुंध नकल ने नई पीढ़ी को उलझन, असंतोष और अधीरता के जाल में फंसा दिया है। धन और संपत्ति की चाह इतनी हावी हो चुकी है कि खून के रिश्तों की पवित्रता तक दांव पर लगाई जा रही है। पिछले कुछ महीनों के समाचार इस कड़वी सच्चाई की गवाही देते हैं। 9 जून को उपमंडल जोगिंद्रनगर की द्रुब्बल पंचायत के द्रोबड़ा गांव में एक बेटे पर अपने पिता की हत्या का आरोप लगा। 15 जुलाई को जिला कांगड़ा के बैजनाथ क्षेत्र में जमीन-जायदाद विवाद के चलते एक युवक ने धारदार हथियार से अपने पिता पर हमला कर दिया, जो अस्पताल में जीवन और मौत से जूझ रहे हैं। 12 अगस्त को धर्मशाला में गलत संगत और नशे की गिरफ्त में आए एक नाबालिग बिगड़ैल बेटे ने अपने पिता को गोली मार दी। यहां तक कि 2 नवंबर 2023 को नगरोटा बगवां की ग्राम पंचायत जसौर में एक छोटे भाई ने संपत्ति विवाद में बड़े भाई और भाभी की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इन घटनाओं में एक पैटर्न साफ दिखता है और वह है, शराब और नशे की लत, जमीन-जायदाद की लालसा और व्यक्तिगत स्वार्थ से उपजा असंतोष। आज ये सब मिलकर पारिवारिक ताने-बाने को तहस-नहस कर रहे हैं। समस्या केवल संपत्ति विवाद की नहीं है, बल्कि यह एक गहरे सामाजिक पतन की निशानी है। आज अहंकार और 'ईगो' के चलते बच्चों और बुजुर्गों के बीच दूरी बढ़ रही है। युवा घर से दूर रहना पसंद कर रहे हैं, और चिट्टा जैसे नशीले जहर के आदी हो रहे हैं। नशे की लत उन्हें चोरी, लूट और हत्या जैसे जघन्य अपराधों की ओर धकेल रही है। इसके पीछे एक बड़ा कारण हमारी परवरिश की शैली में आया बदलाव है। हम बच्चों को सिर पर बिठाते हैं, उन्हें हर अनुशासन से मुक्त रखते हैं और स्कूल में शिक्षकों को अनुशासन लागू करने से रोकते हैं। नतीजा यह होता है कि वे न जिम्मेदारी सीखते हैं, न संयम। जब वे जीवन की कठोर परिस्थितियों का सामना करते हैं, तो असफलता और असंतोष उन्हें हिंसा और अपराध की ओर धकेल देता है। हालांकि, इन अंधकारमय हालात के बीच कुछ उजली तस्वीरें भी सामने आती हैं। रक्षाबंधन के दिन ड्यूटी निभा रहे बस चालकों और परिचालकों की कलाई पर बहनों द्वारा राखी बांधने के दृश्य रिश्तों के उस असली स्वरूप को सामने रखते हैं, जिसमें त्याग, स्नेह और अपनत्व की मिठास है। ये वही परंपराएं हैं, जिन्होंने भारतीय समाज को सदियों तक जोड़े रखा। आज का जीवन भौतिक सुख-सुविधाओं पर इतना केंद्रित हो गया है कि लोग अपने आसपास के वातावरण और बाजारवाद से प्रभावित होकर निरंतर दूसरों से अपनी तुलना करने लगे हैं। जब उन्हें लगता है कि वे पीछे हैं, तो यह भावना उनके भीतर हीनभावना, ईर्ष्या और अवसाद के बीज बो देती है। यही मानसिक विष उन्हें धीरे-धीरे नशे, अपराध और हिंसा की राह पर ले जाता है। इन परिस्थितियों में बदलाव लाने के लिए समाज के सजग नागरिकों को आगे आना होगा। सबसे पहले हमें यह स्वीकार करना होगा कि जन्म और मृत्यु हमारे नियंत्रण में नहीं है, किंतु श्रीमद्भगवद्गीता के अनुसार श्रेष्ठ कर्म करना पूरी तरह हमारे हाथ में है। दूसरों की सफलता को स्वीकार करने का दृष्टिकोण अपनाना बेहद जरूरी है। अगर हम उसे नकारते हैं, तो वह 'ईर्ष्या' में बदल जाती है, और अगर अपनाते हैं, तो वही 'प्रेरणा' बन जाती है। दुर्भाग्य से आज का समाज ईर्ष्या, द्वेष, घृणा, क्रोध और अहंकार की आग में झुलस रहा है। इस आग को शांत करने के लिए हमें शांति, प्रेम, धैर्य और करुणा जैसे गुणों को जीवन में उतारना होगा। ईशा फाउंडेशन के संस्थापक सद्गुरु जग्गी वासुदेव कहते हैं, 'जब आप अपनी पसंद और नापसंद से ऊपर उठ जाते हैं, तो अनजाने में आप चेतन और आध्यात्मिक हो जाते हैं।' वहीं महात्मा गांधी के अनुसार सहिष्णुता का अर्थ केवल सहमति या अन्याय के प्रति मौन नहीं है, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति में निहित मानवता के प्रति सम्मान है। हमारे लिए यह समय आत्ममंथन का है, क्या हम अपने बच्चों को सही संस्कार दे रहे हैं? क्या हम उन्हें नैतिकता और संयम सिखा रहे हैं या केवल भौतिक सफलता की होड़ में धकेल रहे हैं? परिवार के बड़े बुजुर्गों को चाहिए कि वे रुपए पैसे, संपत्ति, किसी सदस्य का व्यवहार, छोटे-मोटे मतभेदों से उत्पन्न गलतफहमियों को दूर करने और परिवार की एकजुटता बनाए रखने के लिए बच्चों को बाल्यावस्था से ही प्रेम, अपनत्व, स्नेह और मिलजुल कर रहने की सीख दें। यदि हमें अपने समाज और राष्ट्र को नैतिकता, आदर और गरिमा से सुसज्जित बनाना है, तो सबसे पहले हमें अपने घर-परिवार में प्रेम, सौहार्द और अपनत्व का वातावरण बनाना होगा। हमें अपनी जरूरतों को सीमित करना होगा, बुरी आदतों को त्यागना होगा, और परिश्रम को जीवन का आधार बनाना होगा। तभी हम तनाव और कुंठा से मुक्त, प्रेम और खुशहाली से भरपूर जीवन जी पाएंगे। यही वह राह है, जो हमें एक सशक्त, सुसंस्कृत और सामंजस्यपूर्ण समाज की ओर ले जाएगी, जहां रिश्ते टूटेंगे नहीं, बल्कि और मजबूत होंगे।

आप का नजरिया

घड़े फोडऩे का प्रायश्चित

मानसून सत्र की आवाज में भले ही सियासत की ऊर्जा रहे, लेकिन इस बार प्राकृतिक आपदा की आंखें देख और कान भी सुन रहे हैं। चर्चा का एक बड़ा दौर बाहर निकल गया। सराज से ही यूं तो एक सत्र शुरू हुआ बरसात-मानसून के कहर का, लेकिन तब से सियासत भी घूम रही है। सैकड़ों सबक हमारे आसपास और हजारों जख्म हमारे भीतर और बाहर। टूटे रास्तों का जिक्र, गिरते पहाड़ों का फिक्र, ये कैसी प्राकृतिक दौलत हमने कमाई, जो जरूरत पर हमें ही गरीब कर गई। राहत के हर इंतजाम में अकेला हिमाचल और नसीहतें ईमानदार नहीं। अरे भाई! हमने यह नहीं किया, वो किया। इधर से नहीं चले, उधर से चले। क्या यह आपदा घड़े फोडऩे का प्रायश्चित है या आगे देखने की नई दृष्टि। जाहिर है मानसून सत्र में हमें आगे देखने के लिए एक बड़ी कसौटी बन सकता है। आपदा तक देखकर हम सिर्फ कोसने के बहाने और आगे बढऩे से रोकने का टका सा जवाब पा सकते हैं। हम यानी हिमाचली लोग आजादी से पहले थे कहां। पहाड़ की कंदराओं से संघर्ष करते हुए सिर्फ घास काट रहे थे। ऐसे में एक माहौल यह भी बनाया जा रहा है कि हमने तरक्की को घातक बना लिया या पहाड़ पर आती आपदा का सिर्फ पहाड़ ही दोषी है। यह दीगर है कि पहाड़ को अपनी प्रगति के दस्तूर को बदलते हुए विकास के मानदंड दुरुस्त करने होंगे। नीतियों के संदर्भ और कायदे-कानूनों के हाथ लंबे करने पड़ेंगे। इस बार विधानसभा अगर शहरी विकास पर चर्चा कर ले तो पता चल जाएगा कि हमने किस तरह टीसीपी कानून को कान से पकड़ कर बैठाए रखा। दोषी सडक़ ही नहीं, हमारे निर्माण ने मार्गों के औचित्य से छीनकर अपना वर्चस्व साबित किया। इससे सडक़ें संकरी और मानवीय दबाव से लावारिस हो गईं। पूरे हिमाचल का सर्वेक्षण करवा कर सिर्फ यह पता लगाइए कि सडक़ किनारे बने भवनों से निकलता पानी किस तरह पूरे परिदृश्य को बर्बाद करता है। यह मसला गांवों और बाजारों में आकर और भी भयानक हो जाता है। इस बार बरसात ने हर घर, हर गांव तक का मुआयना किया है। पहाड़ पर चैन की नींद सोने के लिए कमरा नहीं, इसलिए जल निकास का यथोचित प्रबंध चाहिए। दरअसल सरकार को चूल्हा टैक्स कहने के बजाय 'हिमाचली जिंदगी कर' कहना चाहिए। कम से कम अब तक की बारिश हर किसी के भय से टकराई है। किसी को घर की चिंता, किसी प्रधान को गांव की चिंता, डरे नगर निकाय, प्रशासन और अनेक महकमे, लेकिन हर खौफ में पानी खड़ा है। प्रदेश को जल प्रबंधन के नए मुकाम तक पहुंचाने के लिए जिस शिद्दत से जलापूर्ति योजनाएं बनती रही हैं, उसी प्राथमिकता से अब जल निकास की योजनाएं बनानी होंगी। हर खड्ड और नाले की जल निकासी को बेहतर बनाने के लिए, इसके साथ जुड़ती तमाम बस्तियों को भी जुडऩा पड़ेगा। नदी-नाले और बांध परियोजनाएं बेशक गर्मियों की सूरत में देखी गईं, लेकिन बरसात में किसने देखा कि जल निकास भी पूरी क्षमता से हो। ऐसे में सभी बांध परियोजनाओं के सोच व प्लानिंग के मुहानों पर बदलाव लाना पड़ेगा। यह इसलिए कि भरते बांध अब कहर उगलने लगे। पौंग जलाशय को पूरी तरह भरने की परियोजना ने मैदानी इलाकों या राजस्थान के मरुस्थल को हरियाली से लबालब कर दिया, लेकिन बरसात में जैसे ही खतरे का निशान आता है, इत्मीनान से पानी को फालतू मानकर छोड़ दिया जाता है। विस्थापितों के शहर में इस बार उस पानी का कहर, जिसने उजाड़े थे कभी बांध की खातिर। आश्चर्य यह कि हिमाचल में बांध बनाने को जो इलाके बर्बाद हुए, उन्हीं पर पानी छोडऩे का कहर बरप रहा है। ऐसे में अब जरूरत यह है कि पूरे प्रदेश में जल निकास का एक नक्शा बने। विकास के हर पहलू, स्थानीय निकायों की हर योजना, पर्यावरण संरक्षण की हर तहरीर और हिमाचल के भविष्य की तस्वीर में अब मिट्टी और पानी के बीच के जोखिम रोकने के लिए पूरे प्रदेश की जल निकास योजना को हर परियोजना के चरित्र में दर्ज करना पड़ेगा। प्रदेश को जून से सितंबर तक के महीनों में अपने विकास की परख करते हुए प्राथमिकताएं बदलने की सूरत देख लेनी चाहिए।

आपदा तक देखकर हम सिर्फ कोसने के बहाने और आगे बढऩे से रोकने का टका सा जवाब पा सकते हैं। हम यानी हिमाचली लोग आजादी से पहले थे कहां। पहाड़ की कंदराओं से संघर्ष करते हुए सिर्फ घास काट रहे थे। ऐसे में एक माहौल यह भी बनाया जा रहा है कि हमने तरक्की को घातक बना लिया या पहाड़ पर आती आपदा का सिर्फ पहाड़ ही दोषी है। यह दीगर है कि पहाड़ को अपनी प्रगति के दस्तूर को बदलते हुए विकास के मानदंड दुरुस्त करने होंगे। नीतियों के संदर्भ और कायदे-कानूनों के हाथ लंबे करने पड़ेंगे। इस बार विधानसभा अगर शहरी विकास पर चर्चा कर ले तो पता चल जाएगा कि हमने किस तरह टीसीपी कानून को कान से पकड़ कर बैठाए रखा। दोषी सडक़ ही नहीं, हमारे निर्माण ने मार्गों के औचित्य से छीनकर अपना वर्चस्व साबित किया।

दृष्टि कोण

पहाड़ों की संवेदनशीलता के अनुरूप हो विकास

पिछले कुछ वर्षों से हिमालयी क्षेत्र लगातार आपदाओं का सामना कर रहा है—चाहे 2013 की केदारनाथ त्रासदी हो, 2021 की ऋषिगंगा आपदा, 2023 में ल्होनक झील फटना, जोशीमठ का भूधंसाव हो या हालिया बादल फटना और भूस्खलन की घटनाएं। इन आपदाओं के पीछे जलवायु परिवर्तन, मानसून की अनिश्चितता, अरब सागर की गर्म हवाएं और दक्षिण-पश्चिमी हवाओं का उत्तर की ओर झुकाव जैसे प्राकृतिक कारण तो हैं ही, सबसे बड़ा कारण प्रकृति में अनियंत्रित मानवीय हस्तक्षेप है, जिसकी भारी कीमत हमें हर साल भीषण तबाही के रूप में चुकानी पड़ रही है। वैज्ञानिक, पर्यावरणविद और शोध लगातार चेतावनी दे रहे हैं कि पहाड़ों पर अवैज्ञानिक और अनियोजित निर्माण, विस्फोटों से जलविद्युत परियोजनाएं, रेलमार्ग, बेतरतीब खुदाई और नदी-नालों के प्राकृतिक मार्गों में हस्तक्षेप से हम आपदाओं को न्योता दे रहे हैं। दुर्भाग्य से विकास के नाम पर सरकारी लापरवाही का आलम यह है कि संवेदनशील भूस्खलन क्षेत्रों में भी बहुमंजिला इमारतों, होटलों और सड़कों का निर्माण अनियंत्रित रूप से जारी है, जो भविष्य के लिए गंभीर खतरा है। गौरतलब है कि जब धरती की सतह और पहाड़ों को बार-बार खोदा और काटा जाता है, तो बारिश की बूंदें तेजी से बहकर मिट्टी को ढीला कर देती हैं। इससे भूमि की पकड़ कमजोर पड़ती है और आपदाएं, विशेष रूप से भूस्खलन, कई गुना बढ़ जाते हैं। वैज्ञानिक चेता रहे हैं कि जलवायु में आ रहे बदलाव और पहाड़ों पर विकास के नाम पर अंधाधुंध निर्माण विनाश का कारण बन रहा है। आईपीसीसी की रिपोर्ट के अनुसार ऊंचे इलाकों में एक डिग्री तापमान बढ़ने पर वर्षा की तीव्रता 15 फीसदी बढ़ जाती है। जब गर्म समुद्री हवा भारी नमी लेकर हिमालय से टकराती है तब पहाड़ उसे रोकते हैं। इससे क्यूम्यलोनिम्बस बादल बनते हैं जो 50,000 फीट ऊंचाई तक जा सकते हैं और जब ये फटते हैं तो भीषण तबाही लाते हैं। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय और डीआरडीओ के अनुसार, हिमालयी ग्लेशियर हर वर्ष औसतन 15 मीटर तक पीछे हट रहे हैं। कुछ क्षेत्रों में यह दर 20 मीटर से अधिक है। गंगा बेसिन में ग्लेशियर 15.5 मीटर, इंडस बेसिन में 12.7 मीटर और ब्रह्मपुत्र बेसिन में 20.2 मीटर प्रति वर्ष की गति से पीछे खिसक रहे हैं। दरअसल, जब ग्लेशियर पिघलते हैं, उसके नीचे की जमीन अस्थिर होती जाती है। पिघलती बर्फ, दरकती चट्टानें और अचानक बनने वाली झीलें सबसे बड़ी चिंता का विषय हैं। रिपोर्ट की मानें तो साल 2018 तक काराकोरम और हिन्दूकुश जैसे इलाकों में 127 बड़े ग्लेशियर संबंधित भूस्खलन रिकॉर्ड हुए हैं। हिमालयी क्षेत्र उत्तराखंड, हिमाचल, सिक्किम सहित कुल 13 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में फैला है। मानसून के दौरान यह क्षेत्र प्राकृतिक आपदाओं के प्रति अत्यंत संवेदनशील रहता है। इसकी जटिल भौगोलिक बनावट, नाजुक पारिस्थितिकी और बदलती जलवायु स्थितियां इसे और अधिक जोखिमग्रस्त बनाती हैं। यह आपदाएं आबादी क्षेत्र, बुनियादी ढांचे और जैव विविधता के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न करती हैं। चूंकि इस क्षेत्र में अधिकांश नदियां संकरी घाटियों से होकर बहती हैं, इसलिए बादल फटने या ग्लेशियर झील के फटने के कारण तेज बहाव के साथ बड़ी मात्रा में बोल्डर सहित मलबा भी बह जाता है। परिणामस्वरूप नदियों के रास्ते अवरुद्ध हो जाते हैं और निचले इलाकों में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। विशेषज्ञ भी मानते हैं कि जलवायु परिवर्तन और पर्वतीय इलाकों में जारी विकास परियोजनाओं से प्राकृतिक आपदाओं का खतरा लगातार बढ़ता ही जा रहा है। वर्ष 2021 में उत्तराखंड में पानी के तेज बहाव के कारण धौलीगंगा नदी में एक हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट पर काम कर रहे कर्मचारियों पर चट्टानें और मलबा आ गिरा, जिससे 200 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी।

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ

ट्रंप को निक्की हेली की नसीहत-भारत के साथ दुश्मन जैसा व्यवहार रणनीतिक गलती होगी

वाशिंगटन,21 अगस्त (एजेंसियां)।
संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की पूर्व राजदूत निक्की हेली ने ट्रंप को नसीहत देते हुए कहा है कि भारत को मूल्यवान और लोकतांत्रिक साझीदार मानना चाहिए। भारत के साथ रिश्ते को बिगाड़ना एक रणनीतिक आपदा होगी। अगर अमेरिका चीन की बढ़ती महत्वाकांक्षाओं पर लगाम लगाना चाहता है तो उसे भारत के साथ संबंधों को प्राथमिकता देनी होगी। अपने लेख में हेली ने लिखा कि अमेरिका को इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए कि उसका लक्ष्य चीन है और उसका सामना करने के लिए अमेरिका के पास भारत के रूप में एक दोस्त होना चाहिए। भारत एक लोकतांत्रिक देश है और उसका उदय दुनिया के लिए खतरा नहीं है लेकिन चीन की ताकत बढ़ना दुनिया के लिए चुनौती है क्योंकि वह कम्युनिस्ट शासन के तहत चलता है। हेली का कहना है कि एशिया में चीन के प्रभुत्व का मुकाबला करने वाला भारत इकलौता देश है। हेली ने लिखा कि भारत में चीन की तरह बड़े पैमाने पर उत्पादन क्षमता है, जो अमेरिका को चीन के बजाए भारत के जरिए अपनी सप्लाई चेन की डिमांड को पूरा करने में मदद पहुंचा सकती है। भारत के साथ दुश्मन जैसा व्यवहार रणनीतिक गलती होगी। भारत की बढ़ती रक्षा क्षमता और मध्य पूर्व में उसकी भूमिका उस क्षेत्र में स्थिरता लाने में अहम साबित हो सकती है। वैश्विक नजरिये से भारत के महत्व को रेखांकित करने वाला हेली का आलेख उस समय आया है जब अमेरिका-भारत के बीच व्यापार विवाद चरम पर है और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत पारस्परिक शुल्क और 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगा दिया है, जो 27 अगस्त से लागू होगा। हेली ने कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था है। भारत का उदय चीन की वैश्विक व्यवस्था पर प्रभुत्व की उसकी महत्वाकांक्षा को रोक देगा। जैसे-जैसे भारत मजबूत होगा, चीन की महत्वाकांक्षाएं कमजोर होंगी। अमेरिका और भारत की साझेदारी से दोनों देशों के हित पूरे होंगे और भारत चीन के खिलाफ ज्यादा मजबूती से खड़ा हो सकेगा। लेकिन अमेरिका-भारत के बीच व्यापार विवाद लंबा खिंचा तो चीन इस स्थिति का फायदा उठा सकता है।

न्यूज ब्रीफ

ट्रम्प ने वेनेजुएला के पास 3 वॉरशिप भेजे, वेनेजुएला ने जवाब में 45 लाख लड़ाके तैनात किए

वॉशिंगटन /कराकस(ईएमएस)। ट्रम्प प्रशासन ने वेनेजुएला के पास तीन वॉरशिप तैनात भेजे है। वॉरशिप अगले कुछ घंटों में वेनेजुएला के तट के पास पहुंच जाएंगे। ट्रम्प प्रशासन ने कहा था कि ये तैनाती ड्रग कार्टेल्स (ड्रग्स की तस्करी करने वाले ग्रुप्स) और इससे जुड़ी हिंसा को रोकने के लिए किया जा रहा है। ट्रम्प प्रशासन का मानना है कि वेनेजुएला की सरकार ड्रग तस्करी को बढ़ावा दे रही है। वहीं, वेनेजुएला ने अमेरिका के इन आरोपों को खारिज किया है। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने सोमवार को वॉरशिप तैनाती के खिलाफ 45 लाख सैनिकों को तैनात करने का ऐलान किया है। हवा और समुद्र में रक्षा करने में माहिर तीनों वॉरशिप अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के एक अधिकारी के मुताबिक, यूएसएस ग्रेवली, यूएसएस जेसन डनहम और यूएसएस सैम्पसन नाम के तीन एजिस गाइडेड-मिसाइल डेस्ट्रॉयर वॉरशिप जल्द ही वेनेजुएला के तट पर पहुंचेंगे। तीनों वॉरशिप हवा, समुद्र, और पनडुब्बी हमलों से रक्षा करने में माहिर है। इनके साथ 4,000 सैनिक, पी-8ए पोसाइडन विमान और एक हमलावर पनडुब्बी भी शामिल है। यह अगले कुछ महीनों तक इस इलाके में ड्रग तस्करी के खिलाफ अभियान में शामिल रहेंगे।

अधिक बच्चे पैदा करने में मदद करेगा एआई : सैम ऑल्टमैन

लंदन। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आने वाले समय में लोगों को अधिक बच्चे पैदा करने और उनका

पालन-पोषण करने में मदद करेगा। ओपनएआई के चीफ एग्जिक्यूटिव सैम ऑल्टमैन ने घटती जन्म दर को दुनिया की बड़ी समस्या करार देते हुए कहा है कि आने वाले सालों में परिवार और समुदाय का निर्माण समाज की सबसे बड़ी प्राथमिकताओं में शामिल होना चाहिए। इस साल पिता बने ऑल्टमैन ने पेरेंटहुड को अपने जीवन का अद्भुत अनुभव बताया और कहा कि ज्यादा से ज्यादा लोगों को इसे अपनाना चाहिए। ऑल्टमैन का मानना है कि आर्टिफिशियल जनरल इंटेलिजेंस (एजीआई) समाज की संरचना को बदल सकता है। उन्होंने कहा कि एजीआई की दुनिया में लोगों के पास अधिक समय, संसाधन और क्षमताएं होंगी, जिससे बच्चों की परवरिश आसान हो जाएगी और परिवारों को समृद्धि के साथ बेहतर समर्थन मिलेगा। उनके मुताबिक, परिवार और समुदाय एजीआई के बाद की दुनिया में कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाएंगे। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि पिता बनने के शुरुआती हफ्तों में वे लगातार चैटजीपीटी से सवाल पूछते रहते थे। उन्होंने कहा कि बच्चों की देखभाल करना भी एआई के उपयोग का एक व्यावहारिक उदाहरण हो सकता है। मजाकिया अंदाज में उन्होंने यह भी कहा कि उनके बच्चे शायद कभी एआई को मात नहीं दे पाएंगे, लेकिन वे हमसे कहीं ज्यादा काबिल होंगे और तकनीक का बेहतर इस्तेमाल करेंगे। ऑल्टमैन का यह बयान सिलिकॉन वैली में परिवारवाद को बढ़ावा देने वाली एक बड़ी सोच का हिस्सा है। एक्सएआई के संस्थापक एलन मस्क भी लंबे समय से गिरती जन्म दर पर चिंता जता चुके हैं। मस्क, जो खुद कई बच्चों के पिता हैं, ने 2022 में चेतावनी दी थी कि कम होती जनसंख्या सभ्यता के लिए अब तक का सबसे बड़ा खतरा है। उन्होंने मजाक में कहा था कि वे कम जनसंख्या संकट से निपटने की पूरी कोशिश कर रहे हैं।

चीनी वैज्ञानिक का प्रेग्नेंसी रोबोट बनाने का दावा..... कैसे होगा गर्भधारणा

बीजिंग। चीनी वैज्ञानिक दुनिया का पहला ऐसा प्रेग्नेंसी रोबोट बनाने का दावा कर रहे हैं, जो कृत्रिम गर्भाशय के

जरिए इंसानी बच्चे को जन्म दे सकेगा। काइवा टेक्नोलॉजी के संस्थापक डॉ. झांग क्यूफेंग का कहना है कि 2026 तक इसका प्रोटोटाइप तैयार हो सकता है। इसकी अनुमानित कीमत करीब 10 लाख रुपये होगी। इसमें कृत्रिम गर्भाशय होगा, जिसमें एम्नियोटिक फ्लूइड और पोषण पहुंचाने के लिए ट्यूब लगी होगी। यह गर्भधारण से लेकर बच्चे के जन्म तक की प्रक्रिया को संभालने में सक्षम होगा। 2017 में अमेरिका में बायोबैग प्रयोग से यह साबित हुआ था कि समय से पहले जन्मे मेमने को कृत्रिम गर्भाशय में जीवित रखा जा सकता है। वैज्ञानिक चुनौतियां निषेचन और भ्रूण प्रत्यारोपण जैसी जटिल प्रक्रियाएं अभी भी रोबोट में दोहराना कठिन हैं। मां के गर्भ में हार्मोन और प्रतिरक्षा प्रणाली की भूमिका को तकनीकी रूप से पूरी तरह कॉपी करना संभव नहीं है। विशेषज्ञों का मानना है कि इंसानी बच्चों के लिए यह तकनीक सुरक्षित बनने में अभी 10-20 साल लग सकते हैं।संभावित फायदे: बांझपन की समस्या से जूझ रहे दंपतियों के लिए नया विकल्प। समय से पहले जन्मे बच्चों को बचाने में मददगार। भविष्य में घटती जन्म दर वाले देशों के लिए समाधान।

इजराइल गाजा शहर पर हमले को तैयार सैनिकों का बाहरी इलाके में जमावड़ा

तेल अवीव (इजराइल),21 अगस्त (एजेंसियां)।
इजराइल गाजा शहर पर हमले के लिए तैयार है। इजराइली सुरक्षा बलों (आईडीएफ) के सैनिक बाहरी इलाके में पहंच चुके हैं। इजराइली अधिकारियों ने कल कहा कि सेना गाजा शहर पर कब्जा करने की योजना पर आगे बढ़ रही है। लगभग दो साल के युद्ध के बाद भी शहर और उसके आसपास के इलाके आतंकवादी समूह हमास का गढ़ बने हुए हैं।

इजराइल के एक वरिष्ठ सैन्य अधिकारी के हवाले से कहा कि सैनिक शहर के बाहरी इलाके में पहुंच चुके हैं। सैन्य अभियान शुरू होने के बाद विस्थापित होने वाले लोगों के लिए दक्षिणी गाजा में तंबू लगाए जा रहे हैं। योजना में शहर को घेरने, आबादी को आतंकवादियों से मुक्त कराने, हमास लड़ाकों को पकड़ने के लिए सैनिक चौकियों से होते हुए दक्षिण की ओर बलपूर्वक बढ़ेंगे। गाजा शहर में भेजे गए सैनिकों की मदद के लिए लगभग 60,000 आरक्षित सैनिकों को तैयार रखा गया है। इस समय 20,000 सैनिकों को आगे बढ़ने का आदेश दिया गया है।

यह तैयारी तब शुरू हुई जब प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हमास के युद्धविराम प्रस्ताव पर सहमत होने पर विचार किया है। इजराइल में बंधकों के परिवार चिंतित हैं। परिवारों का मानना है कि हमास हमले के जवाब में उन्हें मार डालेगा। इस बीच कट्टर दक्षिणपंथी नेताओं ने धमकी दी है कि अगर नेतन्याहू युद्धविराम प्रस्ताव को स्वीकार करते हैं तो वे सरकार छोड़ देंगे।

इस बीच आईडीएफ ने एक्स पोस्ट में सैन्य तैयारी की पुष्टि की है। आईडीएफ ने कहा कि सैनिकों ने गाजा के लगभग 75 फीसद से अधिक हिस्से पर परिचालन नियंत्रण कर लिया है। हमास के आतंकवादी बुनियादी ढांचे पर प्रहार कर उसकी कमान शक्ति को कमजोर कर दिया गया है।आईडीएफ अपने अभियान को विस्तार देने के लिए पूरी तरह तैयार है। इजराइल ने गाजा शहर पर पूर्ण नियंत्रण पाने के लिए हजारों रिजर्व सैनिकों को भेजा है। सैनिकों ने शहर के बाहरी इलाके में रह रहे लगभग दस लाख लोगों को दक्षिण की ओर धकेलना शुरू कर दिया है। यह सब ऐसे समय में हो रहा है जब फ्रांस, यूनाइटेड किंगडम और कनाडा सहित अमेरिका के कुछ सबसे करीबी सहयोगियों ने कहा है कि वे उन 145 से अधिक देशों में शामिल हो सकते हैं जो फिलिस्तीनी राज्य को मान्यता देते हैं।

कूटनीतिक मोर्चे पर लगातार मजबूत होते पुतिन.....बुडापेस्ट में बैठक उनकी निजी जीत

वॉशिंगटन। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन इन दिनों कूटनीतिक मोर्चे पर लगातार मजबूत होते दिख रहे हैं। पहले अमेरिकी न्यौते पर अलास्का पहुंचे और अपनी शर्तों पर वार्ता करके लौटे। इतना ही नहीं डोनाल्ड ट्रंप चाहते हैं कि यूक्रेन क्रीमिया सहित कुछ हिस्सा रूस को देने पर सहमत हो जाए और उसके साथ ही स्थायी तौर पर जंग खत्म करने पर सहमति बने। लेकिन ऐसा होता है, तब यह पुतिन के लिए निजी जीत होगी और वह अखंड रूस के सपने की ओर एक कदम बढ़ाते दिखाई देने वाले है। अब खबर आ रही हैं कि अमेरिका अगली त्रिपक्षीय मीटिंग हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट में करना चाहता है। यदि खबर सच साबित होती हैं तब पुतिन की ही जीत मानी जाएगी। ऐसा इसलिए कि यूक्रेन और रूस की जंग में हंगरी लगातार रूस का समर्थन कर रहा है। दिलचस्प बात यह है कि हंगरी उस नाटो का सदस्य है, जिसकी अगुवाई अमेरिका करता है। इस संगठन को परंपरागत तौर पर रूस विरोधी माना जाता है, लेकिन जंग में हंगरी ने लगातार यूक्रेन पर ही निशाना साधकर युद्ध विराम की सलाह दी है। अब यदि उसी देश में त्रिपक्षीय मीटिंग होती है, तब यह पुतिन के लिए निजी जीत होगी। उनके हंगरी के पीएम विक्टर ऑर्बन से बहुत अच्छे रिश्ते हैं। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि हंगरी के अमेरिका के साथ भी अच्छे रिश्ते हैं और रूस से भी वह बनाकर चल रहा है। ट्रंप मानते हैं कि हंगरी ही त्रिपक्षीय वार्ता के लिए अनुकूल देश है। हालांकि यूक्रेन के लिए यह चिंता की बात है क्योंकि उसके रिश्ते हंगरी से बहुत अच्छे नहीं हैं। रिपोर्ट के अनुसार पुतिन और फ्रेंच राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की भी जल्दी ही एक बैठक होने वाली है। बता दें कि इस बीच स्विट्जरलैंड ने भी मध्यस्थता के लिए होस्ट बनने की इच्छा जाहिर की है। बुडापेस्ट में मीटिंग यूक्रेन के लिए 30 साल पुरानी यादें भी ताजा करेगी, जब ब्रिटेन, अमेरिका और रूस ने संप्रभुता प्रदान करने पर सहमति जाहिर की थी। इसके अलावा उससे परमाणु हथियारों को भी त्यागने को राजी कर लिया था। बता दें कि पिछले दिनों हंगरी ने यूक्रेन की तब आलोचना की थी, जब रूस की तेल पाइपलाइन पर अटैक हुवआ था। हंगरी का कहना था कि ऐसा करना गलत है। इस पर यूक्रेन ने कहा था कि जंग की शुरुआत हमने नहीं की है। यदि कोई दिक्कत है तो हंगरी को शिकायत रूस से करनी चाहिए।

वाशिंगटन में क्राइम इमरजेंसी घोषित करने के बाद, नेशनल गार्ड सैनिकों की तैनाती शुरू

वाशिंगटन,21 अगस्त (एजेंसियां)।
अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा वाशिंगटन डीसी में क्राइम इमरजेंसी घोषित करने के बाद, कई रिपब्लिकन-नेतृत्व वाले राज्यों ने राष्ट्रीय राजधानी में नेशनल गार्ड सैनिकों की तैनाती शुरू कर दी है। इस संबंध में अमेरिकी राज्य टेनेसी ने घोषणा की है कि वह 160 नेशनल गार्ड सैनिकों को वाशिंगटन भेज रहा है, जो इस सप्ताह के अंत तक पहुंचने की उम्मीद है। इसके साथ ही, वेस्ट वर्जीनिया, ओहायो, साउथ कैरोलिना, मिसिसिपी और लुइसियाना ने भी नेशनल गार्ड की तैनाती का वादा किया है। इससे वाशिंगटन में नेशनल गार्ड सैनिकों की कुल संख्या 2,000 तक पहुंच सकती है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने हाल ही में दावा किया था कि वाशिंगटन में अपराध की स्थिति बेकाबू हो गई है और लोग बेघर हो रहे हैं। इसके जवाब में 11 अगस्त को 800 नेशनल गार्ड सैनिकों की तैनाती का आदेश दिया गया था। इस नए घटनाक्रम ने राजधानी में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने की कोशिश को दर्शाया है।

वहीं डेमोक्रेटिक गवर्नर्स एसोसिएशन की अध्यक्ष और कंसास की गवर्नर लॉरा केली ने इस कदम की कड़ी निंदा की है। उन्होंने इसे ट्रंप का खतरनाक, राजनीति से प्रेरित एजेंडा करार देते हुए कहा कि बिना स्थानीय अधिकारियों की सहमति के नेशनल गार्ड की तैनाती न केवल संसाधनों की बर्बादी है, बल्कि यह राष्ट्रीय एकता को भी नुकसान पहुंचाती है। केली ने अन्य गवर्नरों से आग्रह किया कि वे अपने नेशनल गार्ड सैनिकों को इस तरह के कदमों में शामिल होने से रोकें।

केली ने इस कदम को राष्ट्रीय एकता के लिए हानिकारक बताया। उन्होंने कहा, यह कदम देश में पहले से मौजूद राजनीतिक विभाजन को और गहरा सकता है। डेमोक्रेट्स का तर्क है कि नेशनल गार्ड का उपयोग वास्तविक आपात स्थितियों के लिए होना चाहिए, न कि राजनीतिक उद्देश्यों के लिए। दूसरी ओर, रिपब्लिकन गवर्नर इसे कानून-व्यवस्था बहाल करने की दिशा में एक जरूरी कदम बता रहे हैं। वाशिंगटन डीसी में नेशनल गार्ड की बढ़ती मौजूदगी और इस मुद्दे पर दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस से स्थिति और जटिल होती जा रही है।

अफगानिस्तान में बस हादसा, 73 की मौत

हेरात। अफगानिस्तान के हेरात प्रांत में प्रवासियों से भरी एक बस, ट्रक और बाइक से टकरा गई। हादसे के बाद बस में आग लग गई, जिसमें 73 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में 17 बच्चे भी शामिल हैं। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि यह बस ईरान से निकाले गए अफगान प्रवासियों को लेकर राजधानी काबुल की ओर जा रही थी। सभी यात्री इस्लाम काला बॉर्डर पार करके सवार हुए थे। हेरात के प्रांतीय प्रवक्ता अहमदुल्लाह मुत्ताकी ने एक्स पर पोस्ट कर मौतों की पुष्टि की और इसे हाल के वर्षों का सबसे भीषण सड़क हादसा बताया। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में बस पूरी तरह जलती हुई और लोग अफरातफरी में भागते हुए दिखे।

पायलट चाहता था परिवार उसे प्लेन उड़ाता देखे, खुला छोड़ दिया कॉकपिट

यात्रियों और क्रू मेंबर घबराए, पायलट को रास्ते में ही ड्यूटी से हटाया

लंदन,21 अगस्त (एजेंसियां)।
कई बार हम प्लेन में यात्रा कर रहे होते हैं, तो हमें कुछ ऐसी घटनाएं देखने को मिलती हैं, जिनकी कल्पना भी हम नहीं कर सकते। कई बार हमारी यात्रा जिस क्रू मेंबर के हाथ में होती है, वही इसकी जिम्मेदारी नहीं समझते हैं। कुछ ऐसा ही ब्रिटिश एयरवेज की फ्लाइट नंबर बीए174 में पेश आया। यहां पायलट ने कुछ ऐसा किया कि उसे बीच रास्ते में ही ड्यूटी से हटा दिया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस घटना ने खूब सुर्खियां बटोरीं क्योंकि ट्रांसअटलांटिक उड़ान के दौरान पायलट ने कॉकपिट का दरवाज़ा खुला छोड़ दिया। जब चालक दल के सदस्यों की नजर खुले हुए दरवाजे पर पड़ी, तो उन्होंने पूरा मामला जानने की कोशिश की। वह सामान्य नहीं थी। इस कारण सजा के तौर पर उसे बीच रास्ते में ही ड्यूटी से हटा दिया गया। रिपोर्ट के मुताबिक चालक दल और यात्रियों ने देखा कि कॉकपिट का दरवाजा खुला है और पायलट बिना कॉकपिट बंद किए प्लेन उड़ा रहा था। इसके पीछे की वजह और भी दिलचस्प थी। दरअसल पायलट चाहता था कि उसका परिवार उसे विमान उड़ाते हुए देखे।

वे इसी प्लेन में यात्रा कर रहे थे। उसकी हरकत से चालक दल के सदस्य और कुछ यात्री घबरा गए। इसके तुरंत बाद उसे ड्यूटी से हटा दिया गया। ब्रिटिश एयरवेज के सदस्यों ने पायलट की अमेरिका में रिपोर्ट दर्ज कराई अधिकारियों को उसे निलंबित करना पड़ा। रिपोर्ट के मुताबिक न्यूयॉर्क से लंदन जाने वाली फ्लाइट नंबर बीए174, जो 8 अगस्त को उतरने वाली थी, पायलट के निलंबन के बाद रद्द कर दी गई। हालांकि फ्लाइट रद्द होने से यात्री परेशान हुए, जिनके लिए ब्रिटिश एयरवेज़ ने वैकल्पिक उड़ानों की व्यवस्था की। बताया जा रहा है कि ज़्यादातर यात्री अपने तय समय से चार घंटे पहले ही लंदन पहुंच गए। बाद में पूरी जांच की गई और विमान में कोई असुरक्षा नहीं पाई गई। इसके बाद पायलट की सेवाएं भी बहाल कर दी गईं।

डिजिटल खपत कर रही है लाखों लीटर पानी की बर्बादी

लंदन,21 अगस्त (एजेंसियां)।
यूके की पर्यावरण एजेंसी और नेशनल ड्रॉट ग्रुप ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपने पुराने ईमेल और फोटो डिलीट करें क्योंकि डिजिटल खपत भी लाखों लीटर पानी की बर्बादी कर रही है। मौसम विभाग के मुताबिक जनवरी से जुलाई 2025 का वक्त 1976 के बाद का सबसे सूखा रहा है। इंग्लैंड के पांच इलाके आधिकारिक तौर पर सूखा प्रभावित घोषित किए गए हैं, जबकि छह अन्य इलाके लंबे समय से सूखे मौसम की श्रेणी में हैं। दक्षिणी इंग्लैंड में 35 डिग्री सेल्सियस तक तापमान पहुंचने से पहले से कम हो चुके जल स्त्रोतों पर और दबाव पड़ा है। सरकार का कहना है कि सूखे से निपटने के लिए पारंपरिक बचत उपायों के साथ-साथ डिजिटल क्लीनिंग भी जरूरी है। लोगों के मन में सबसे बड़ा

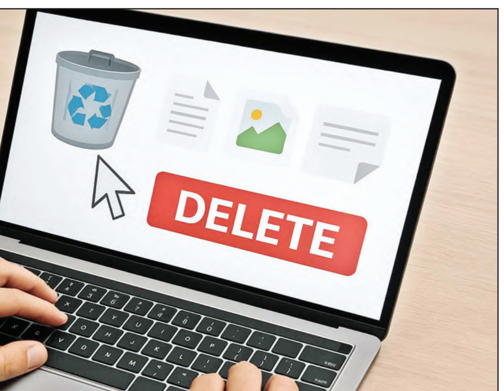

सवाल यह है कि ईमेल और पानी का आपस में क्या संबंध है। दरअसल, हर ईमेल, फोटो या फाइल किसी न किसी डेटा सेंटर में स्टोर होती है और इन्हें 24 घंटे ठंडा रखने के लिए कूलिंग सिस्टम का इस्तेमाल होता है, जिसमें करोड़ों लीटर पानी खर्च होता है।

ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी की एक रिसर्च बताती है कि 1 मेगावॉट का डेटा सेंटर सालाना लगभग 2.6 करोड़ लीटर पानी खा जाता है। इसके अलावा डेटा सेंटर चलाने के लिए बिजली की जरूरत पड़ती है और बिजली उत्पादन भी पानी पर निर्भर है। यानी डिजिटल खपत का भी सीधा असर पानी के इस्तेमाल पर पड़ता है। नेशनल ड्रॉट ग्रुप का कहना है कि हर क्लिक, हर फोटो और हर ईमेल का एक छुपा हुआ वॉटर फुटप्रिंट है। हालांकि कई विशेषज्ञ मानते हैं कि सिर्फ एक ईमेल डिलीट करने से पानी की वास्तविक बचत बहुत कम होगी, लेकिन यह कदम लोगों को जागरूक करने के लिए जरूरी है ताकि वे समझ सकें कि डिजिटल दुनिया भी प्राकृतिक संसाधनों पर निर्भर करती है।

सरकार ने पारंपरिक कदमों पर भी जोर दिया है, जैसे लीक हो रहे नलों को ठीक करना, बारिश का पानी स्टोर करना, ब्रश करते समय नल बंद रखना, छोटे शॉवर लेना और घर का बचा हुआ पानी पौधों में डालना। कई जगहों पर इन उपायों का असर भी दिखा है। उदाहरण के तौर पर, सेवर्न ट्रेंट इलाके में जब लोगों ने पानी बचत अभियान को अपनाया तो खपत 20 प्रतिशत तक घट गई। इस संकट के पीछे एक और बड़ी वजह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का तेजी से बढ़ता इस्तेमाल है। एआई को चलाने के लिए भारी डेटा प्रोसेसिंग की जरूरत होती है, जिससे डेटा सेंटर पर दबाव बढ़ता है और पानी की खपत और भी तेज हो जाती है। यूके सरकार यूरोप का सबसे बड़ा डेटा सेंटर बनाने की तैयारी कर रही है और इसके लिए ओपनएआई और एनविडिया जैसी कंपनियों के साथ साझेदारी कर रही है। इसका मतलब है कि आने वाले समय में पानी की मांग और भी ज्यादा बढ़ सकती है। ब्रिटेन का जल संकट लोगों को यह सोचने पर मजबूर कर रहा है कि पानी बचाना अब केवल नल बंद करने तक सीमित नहीं है।

सरकार की अपील ईमेल डिलीट करो, पानी बचाओ भले ही अजीब लगे, लेकिन यह हमें यह एहसास दिलाती है कि हमारी डिजिटल आदतें भी धरती के संसाधनों पर बोझ डाल रही हैं। जब बात पानी जैसी अनमोल चीज की हो, तो हर बूंद की अहमियत है। मालूम हो कि ब्रिटेन इन दिनों भीषण जल संकट से जूझ रहा है। इंग्लैंड के कई हिस्सों में नदियों का जलस्तर लगातार गिर रहा है, जलाशय खाली हो रहे हैं और सरकार को कड़े कदम उठाने पड़ रहे हैं।

लीग्स कप 2025 : सुआरेज के दो गोलों से हराकर इंटर मियामी की जीत, सेमीफाइनल में जगह बनी

मियामी,21 अगस्त (एजेंसियां) ।

इंटर मियामी ने अपने स्टार स्ट्राइकर लुइस सुआरेज के दम पर लीग्स कप क्वार्टर फाइनल में टाइग्रेस यूएएनएल को 2-1 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। 38 वर्षीय उरुग्वे स्ट्राइकर ने दोनों हाफ में पेनल्टी पर गोल दागे और लियोनेल मेसी की गैरमौजूदगी में टीम के लिए हीरो बने।

मेसी मांसपेशियों में खिंचाव के कारण इस मुकाबले से बाहर रहे। हालांकि, वे 2 अगस्त को चोटिल होने के बाद पिछले हफ्ते लॉस एंजिलिस गैलेक्सी के खिलाफ लौटे थे और सब्सटीट्यूट के रूप में उतरकर गोल भी किया था। लेकिन क्वार्टर फाइनल में कोच ने उन्हें आराम देने का फैसला किया।

मैच का पहला गोल 20वें मिनट में आया जब टाइग्रेस डिफेंडर जेवियर एक्विनो के हैंडबॉल पर रेफरी ने पेनल्टी दी और सुआरेज ने इसे गोल में बदल दिया। इसके बाद मैदान पर गरमा-गरमी भी देखने को मिली, लेकिन सुआरेज ने साथी खिलाड़ियों को शांत किया।

हाफटाइम पर इंटर मियामी के कोच जेवियर माशेरानो को रेफरी से बहस करने पर लाल कार्ड दिखाकर मैदान से बाहर भेज दिया गया।

67वें मिनट में एंजेल कोरिया ने दो डिफेंडरों को छकाते हुए गोल दागकर टाइग्रेस को बराबरी दिलाई। लेकिन 87वें मिनट में एक बार फिर एक्विनो के हाथ से गेंद लगने पर पेनल्टी मिली और सुषहद्ध5 ने गोलकीपर नहुएल गुजमान को धोखा देते हुए दूसरा गोल कर जीत पक्की कर दी।

इंटर मियामी ने 2023 में मेसी के पहले स्स्स सीजन में लीग्स कप जीता था और अब टीम खिताब दोबारा हासिल करने की राह पर है।

लीग्स कप के इस दौर के अन्य क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में टोलुका बनाम ऑरलैंडो सिटी, एलए गैलेक्सी बनाम पाचुका और सिएटल साउंडर्स बनाम प्यूब्ला के मैच खेले जाने हैं। ट्रॉफी के अलावा इस टूर्नामेंट से कॉनकाकाफ चैंपियंस कप का टिकट भी दांव पर है। दोनों फाइनलिस्ट और तीसरे स्थान का विजेता इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई करेंगे, जबकि लीग्स कप चैंपियन सीधे चैंपियंस कप के राउंड ऑफ 16 में प्रवेश पाएगा।

न्यूज ब्रीफ

महिला एशिया कपः भारतीय हॉकी टीम घोषित, सलीमा टेटे के हाथों में होगी कमान

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने गुरुवार को हांगझोउ (चीन) में 5 से 14 सितंबर तक होने वाले महिला एशिया कप 2025 के लिए 20 सदस्यीय भारतीय महिला हॉकी टीम की घोषणा कर दी। यह टूर्नामेंट बेहद अहम है क्योंकि इसके विजेता को सीधे एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप 2026 का टिकट मिलेगा। भारत को पूल-बी में जगह मिली है, जहां उसका मुकाबला जापान, थाईलैंड और सिंगापुर से होगा। टीम अपना पहला मैच 5 सितंबर को थाईलैंड के खिलाफ खेलेगी। इसके बाद 6 सितंबर को जापान से और 8 सितंबर को सिंगापुर से भिड़ेगी। टीम की कमान सलीमा टेटे को सौंपी गई है। मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने कहा, हमने जिस टीम का चयन किया है, उसमें अनुभव और युवा खिलाड़ियों का संतुलन है। खिलाड़ी आक्रामक और अनुशासित हॉकी खेलने के लिए तैयार हैं। एशिया कप सिर्फ एक प्रतिष्ठित खिताबी टूर्नामेंट ही नहीं बल्कि विश्व कप क्वालिफिकेशन का भी मौका है। हर मैच हमारे धैर्य, फिटनेस और रणनीति की परीक्षा होगा और हमें विश्वास है कि यह टीम भारत को गर्व महसूस कराएगी। भारतीय टीम इस प्रकार है- गोलकीपर- बनसारी सोलंकी बिचु देवी खरिबाम। डिफेंडर- निक्की प्रधान, उदिता, मनीषा चौहान, ज्योति, सुमन देवी थौदम और ईशिका चौधरी। मिडफील्डर- सलीमा टेटे (कप्तान), नेहा,लालरेमसियामी, शर्मिला देवी, सुनेलिता टोप्पो और वैष्णवी विट्ठल फाल्के। फॉरवर्डस- नवनीत कौर, संगीता कुमारी, मुमताज़ खान, दीपिका, ब्यूटी डुंगडुंग और रुताजा ददासो पिसाल।

पीकेएल 12 : दबंग दिल्ली केसी के कप्तान बने आशु मलिक

नई दिल्ली। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के सीज़न 12 में दबंग दिल्ली केसी एक बार फिर नई ऊर्जा के साथ उतरने को तैयार है। टीम ने पिछले सीज़न की तरह इस बार भी युवा रेडर आशु मलिक को कप्तान बनाए रखने की घोषणा की है। आशु सीज़न 11 में टॉप स्कोरर थे। सिर्फ 22 साल की उम्र में ही आशु ने लगातार शानदार प्रदर्शन और परिपक्व नेतृत्व क्षमता दिखाई है। दिल्ली की टीम पिछले छह सीज़नों से लगातार प्लेऑफ़ तक पहुंची है और इस बार भी आशु की अगुवाई में खिताब जीतने की उम्मीद कर रही है। टीम के सीईओ प्रशांत मिश्रा ने कहा, यह सीज़न हमारे लिए बेहद अहम है। लगातार छह बार प्लेऑफ़ तक पहुंचने के बाद अब हमारा लक्ष्य खिताब जीतना है। इसके लिए मजबूत नेतृत्व की जरूरत होती है और आशु ने खुद को इस भूमिका के लिए साबित किया है। हमें पूरा विश्वास है कि वह टीम को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे। मुख्य कोच जोगिंदर नरवाल ने भी आशु पर भरोसा जताते हुए कहा,आशु मलिक ने पिछले सीज़न में लगातार टीम को आगे बढ़ाया और एक अच्छे लीडर के रूप में खुद को स्थापित किया। इस बार हमारा लक्ष्य सिर्फ प्लेऑफ़ तक सीमित नहीं है बल्कि चैंपियनशिप जीतना है। दबंग दिल्ली केसी अपना पहला मुकाबला 2 सितंबर को बेंगलुरु बुल्स के खिलाफ खेलेगी। आशु मलिक की कप्तानी में टीम इस सीज़न में नई ऊर्जा और जीत के जज्बे के साथ मैदान में उतरेगी।

ओलंपिक चैम्पियन इमान खलीफ ने संन्यास की खबरों का किया खंडन

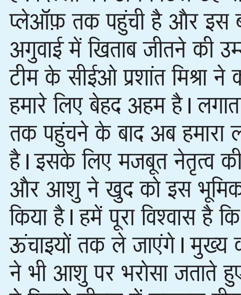

नई दिल्ली। अल्जीरियाई मुक्केबाज़ और ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता इमान खलीफ ने बुधवार को अपने पूर्व मैनेजर द्वारा किए गए दावे को खारिज कर दिया कि वह बॉक्सिंग से संन्यास ले रही हैं। पेरिस ओलंपिक में महिलाओं की 66 किग्रा भारवर्ग में स्वर्ण जीतने वाली खलीफ ने सोशल मीडिया पर लिखा, मैं स्पष्ट करना चाहती हूं कि मेरे संन्यास की खबरें पूरी तरह झूठी हैं। 26 वर्षीय खलीफ ने अपने पूर्व मैनेजर नासिर यस्फाह पर भरोसा तोड़ने और झूठे बयान देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, यह व्यक्ति अब किसी भी रूप में मेरा प्रतिनिधित्व नहीं करता। मैंने कभी संन्यास की घोषणा नहीं की। मैं अपने खेल करियर के प्रति पूरी तरह समर्पित हूं। अल्जीरिया और क़तर में नियमित अभ्यास कर रही हूं और आने वाली प्रतियोगिताओं की तैयारी कर रही हूं। गौरतलब है कि फ्रांसीसी अख़बार नाइस मातिन ने बुधवार को उनके पूर्व मैनेजर के हवाले से दावा किया था कि खलीफ ने बॉक्सिंग छोड़ दी है। विश्व बॉक्सिंग चैंपियनशिप 4 से 14 सितंबर तक लिवरपूल में आयोजित की जानी है, जिसके लिए पंजीकरण की अंतिम तिथि सोमवार तक है ।

श्रीकांत ने एशिया कप के लिए चयनित टीम पर उठाये सवाल, इस टीम से टी20 विश्वकप नहीं जीत सकते

नई दिल्ली,21 अगस्त (एजेंसियां) ।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कृष्णमाचारी श्रीकांत ने कहा है कि बीसीसीआई ने एशिया कप 2025 के लिए जो टीम घोषित की है वह सही नहीं है। श्रीकांत के अनुसार इस टीम से एशिया कप तो जीता जा सकता है पर अगले साल 2026 में होने वाला विश्वकप नहीं। इस टूर्नामेंट के जरिए भारतीय टीम अगले साल होने वाली टी20 विश्व कप 2026 की तैयारियां भी शुरु करेगी। श्रीकांत के अलावा कई पूर्व क्रिकेटरों को भी ये टीम पसंद नहीं आयी है।

बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को टीम में जगह ना मिलने से जहां कई दिग्गज नाराज हैं तो वहीं कई लोगों ने तेज गेंदबाज हर्षित राणा के चयन पर सवाल उठाये हैं। इसी कारण श्रीकांत ने कहा, , हम इस टीम के साथ एशिया कप तो जीत सकते हैं पर इस टीम के साथ टी20 विश्व कप जीतने की कोई संभावना नहीं है। साथ ही सवाल किया कि क्या आप इस टीम को विश्व कप में ले जाएंगे क्या यह टी20 विश्व कप की तैयारी है, जो केवल छह महीने बाद होना है उन्होंने कहा कि अक्षर पटेल को उप-कप्तानी से हटा दिया गया है। वहीं कमजोर प्रदर्शन के बाद भी रिंकू सिंह, शिवम दुबे और हर्षित राणा को टीम में कैसे जगह मिली ये समझ से परेश है। आईपीएल को चयन का मुख्य मानदंड माना जाता है पर लगता है चयनकर्ताओं ने उससे पहले के प्रदर्शन को ध्यान में रखा है। श्रीकांत ने टीम के बल्लेबाजी क्रम पर भी सवाल उठाते हुए कहा, पांचवें नंबर पर कौन बल्लेबाजी करेगा पांचवें नंबर पर संजू सैमसन, जितेश शर्मा, शिवम दुबे या रिंकू सिंह में से कोई एक होना चाहिए। हार्दिक पांड्या आमतौर पर पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हैं, इसलिए अब पटेल अक्षर छठे नंबर पर बल्लेबाजी नहीं कर सकते। मुझे समझ नहीं आ रहा कि उन्होंने शिवम को कैसे शामिल किया। वहीं यशस्वी जायसवाल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और आईपीएल में भी अच्छा प्रदर्शन किया है। इसके बाद भी उसे बाहर कर दिया गया।

एशिया कप आते-आते टीम में हुए कई बदलाव, शमी और बिश्नोई हुए बाहर

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम अब एशिया कप 2025 में खेलती दिखेगी। इसके लिए चयनित टीम में अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और स्पिनर रवि बिश्नोई को शामिल नहीं किया गया है। एशिया कप 9 सितंबर से यूएई में खेला जाएगा। पिछली टी20 सीरीज से तुलना की जाये तो एशिया कप के लिए जो टीम बनायी गयी है। इसमें काफी बदलाव हुए हैं। भारत ने अंतिम बार कोई टी20 सीरीज इंग्लैंड के खिलाफ इसी साल की शुरुआत में खेली और 4-1 से अपने नाम की, लेकिन उस टीम से एशिया कप के आते-आते कई बड़े बदलाव हुए हैं। शमी ने पिछली सीरीज में इंग्लैंड के खिलाफ 2 मैचों में 3 विकेट लिए थे। वहीं बिश्नोई ने 5 मैचों में 5 विकेट लिए थे। इसके बाद भी इन दोनो के नामों पर एशिया कप के लिए विचार नहीं हुआ। इससे साफ है कि ये दोनो टी20 विश्वकप की योजना का हिस्सा नहीं हैं हालांकि मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने टीम की घोषणा के दौरान कहा कि ये टी20 वर्ल्ड कप की फाइनल टीम नहीं है। अभी केवल संभातित खिलाड़ियों को आजमाया जा रहा है। शमी टीम की घोषणा के एक दिन बाद ही बुधवार को लेग स्पनि गेंदबाजी करते हुए दिखे। इसका वीडियो भी उन्होंने सोशल मीडिया पर साझा किया है। शमी अंतिम बार एकदिवसीय में न्यूजीलैंड के खिलाफ चैम्पयिंस ट्रॉफी के फाइनल में नजर आये थे। यह मुकाबला 9 मार्च 2025 को हुआ, वहीं बिश्नोई 2 फरवरी 2025 को इंग्लैंड के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय खेलते दिखे थे, शमी भी उस मैच में थे।

महिला द हंड्रेडः सुपरचार्जर्स ने लंदन स्पिरिट को 8 विकेट से हराया

लॉर्ड्स,21 अगस्त (एजेंसियां) ।

महिला द हंड्रेड टूर्नामेंट में बुधवार रात खेले गए मुकाबले में फीबी लिचफील्ड की तूफानी अर्धशतकीय पारी और एनेबल सदरलैंड के ऑलराउंड प्रदर्शन (3/20 और नाबाद 29 रन) की बदौलत नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स ने लंदन स्पिरिट को आठ विकेट से करारी शिकस्त दी। इस जीत के साथ सुपरचार्जर्स ने इस सीजन में अपनी चौथी जीत दर्ज करते हुए अंक तालिका में दूसरा स्थान हासिल कर लिया। पहले बल्लेबाजी का फैसला करने उतरी लंदन स्पिरिट की शुरुआत खराब रही। केट क्रॉस और ग्रेस बैलिंजर ने शुरुआती झटके दिए। जॉर्जिया रेडमेन (21 रन) ने पारी संभालने की कोशिश की, लेकिन दूसरे छोर से सहयोग नहीं मिल पाया। निकोल कैरी और एनेबल सदरलैंड ने मिलकर पांच विकेट चटकाए, वहीं बैलिंजर ने भी दो विकेट झटके।

हालांकि, इज़्ज़ी वोंग (24 रन) और चार्ली डीन ने 33 रन की अहम साझेदारी की, लेकिन दोनों धीमी गति से खेलते हुए टीम को केवल 90/8 तक ही पहुंचा पाईं।

लक्ष्य का पीछा करते हुए सुपरचार्जर्स को शुरुआत में झटका जरूर लगा जब रेबेका टायसन ने दोनों ओपनरों को सस्ते में पवेलियन भेजा। लेकिन इसके बाद लिचफील्ड और सदरलैंड ने कोई और मौका नहीं दिया। लिचफील्ड ने वोंग के एक ओवर में लगातार तीन चौके जमाकर लय पकड़ी और फिर आक्रामक खेल जारी रखा। सदरलैंड ने संयमित पारी खेलते हुए बीच-बीच में बड़े शॉट लगाए और वोंग की गेंद पर शानदार छक्का भी लगाया।

आखिरकार, लिचफील्ड (नाबाद 55 रन) ने 66वीं गेंद पर चौका लगाकर टीम को जीत दिलाई।

संक्षिप्त स्कोरकार्डः

लंदन स्पिरिट - 90/8 (100 गेंदों में) - जॉर्जिया रेडमेन 21, इज़्ज़ी वोंग 24; एनेबल सदरलैंड 3/20, ग्रेस बैलिंजर 2/12।

नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स - 93/2 (66 गेंदों में) - फीबी लिचफील्ड 55*, एनेबल सदरलैंड 29*; रेबेका टायसन 2/6

नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स 8 विकेट से विजयी।

पाक से मैच का फैसला बीसीसीआई के हाथ में , खिलाड़ियों को कुछ न कहें : गावस्कर

मुम्बई। अगले महीने एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मैच का विरोध होना शुरु हो गया है। प्रशंसकों के साथ ही कई पूर्व क्रिकेटर भी इस मैच के बहिष्कार की मांग कर रहे है। इनका कहना है कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद अब पाक से किसी भी स्तर पर क्रिकेट नहीं खेलना चाहिये। पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह ने भी इस मैच का कड़ा विरोध किया है। हाल में भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटरों ने पाकिस्तान के खिलाफ हुई विश्व क्रिकेटरर्स लीग में भी पाक के मैच का बहिष्कर किया था। इसी बीच कुछ लोगों ने भारतीय टीम के खिलाड़ियों की चुप्पी पर भी सवाल उठाये हैं। इसी को देखते हुए महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर खिलाड़ियों के बचाव में सामने आये हैं। गावस्कर ने एशिया कप में हिस्सा लेने के लिए खिलाड़ियों की आलोचना नहीं करने को कहा है। उन्होंने कहा कि टीम के खिलाड़ी इस मामले में कोई फैसला नहीं ले सकते हैं। इसका अधिककार केवल क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को है। खिलाड़ी केवल भारत सरकार के निर्देशों का ही पालन कर रहे हैं। गावस्कर ने कहा है, 'अगर सरकार ने कोई फैसला लिया है तो मुझे नहीं समझ आता कि कैसे खिलाड़ियों की आलोचना की जा सकती है या उन पर टिप्पणियां हो सकती हैं।

उप्र राज्य स्तरीय रोल बाल प्रतियोगिता के लिए मुरादाबाद की अंडर 11 और 17 की टीम चयनित

मुरादाबाद,21 अगस्त (एजेंसियां) ।

उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जनपद में आरएसडी स्पोर्ट्स एकेडमी कांठ रोड में गुरुवार को जिला स्तरीय रोल बॉल की अंडर 11 और 17 टीम का चयन किया गया। जिसमें जिले के 10 से अधिक स्कूलों के 50 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। जिला रोल बाल सचिव शाहवेज अली ने बताया कि अंडर 11 बालक वर्ग में अविराज सिंह, सक्षम, पुरु भटनागर, अगस्त्या सिंह, यशिमत, युग अग्रवाल का चयन हुआ। वहीं अंडर 17 बालक वर्ग में विवान अग्रवाल, विहान अग्रवाल, सिद्धांत कुमार, आयुष वर्मा, राघव विश्नोई, शुभ सिंघल, वैकुंठ यादव, वेदांग यादव, पर्व, दिव्यांश, प्रीत चौधरी का चयन हुआ। अंडर 17 बालिका वर्ग वैष्णवी कश्यप, प्रभुश्री, चारु, पीहू सिंघल, कृतिका पाल का चयन हुआ। चयन प्रक्रिया कोच शाहवेज अली, अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी सचिन सैनी व राष्ट्रीय रेफरी तरुण यादव ने किया। जिला सचिव ने बताया कि 16वीं मिनी व 18वीं जूनियर बालक एवं बालिका उत्तर प्रदेश रोल बॉल प्रतियोगिता आने वाली 30 अगस्त से 1 सितम्बर 2025 तक लखनऊ चौक स्टेडियम में आयोजित होगी। जिसमें उत्तर प्रदेश के लगभग 20 जिलों की 40 टीमें हिस्सा लेंगी। इस अवसर पर आरएसडी एकेडमी के निदेशक डा. विनोद कुमार, डा. जी कुमार, डा अजय शर्मा, डा. गरिमा शर्मा, डा. गौरव कुमार आदि ने सभी चयनित खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं व उनका मनोबल बढ़ाया।

खेलो इंडिया वॉटर स्पोर्ट्स फेस्टिवल 2025 में उतरेगा देश का युवा जोश, मप्र के खिलाड़ी भी ले रहे भाग

डल झील बनेगी रोमांच और खेल का संगम

भोपाल,21 अगस्त (एजेंसियां) ।

जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर की शान मानी जाने वाली डल झील अगले तीन दिनों तक खेल और उत्सव के रंगों में रंगी रहेगी। इस ऐतिहासिक और खूबसूरत झील में शुरू हुआ पहला खेलो इंडिया वॉटर स्पोर्ट्स फेस्टिवल-2025 न केवल खिलाड़ियों के हुनर की परीक्षा है, बल्कि जल क्रीड़ाओं को नई पहचान देने का भी प्रयास है। तीन दिवसीय इस आयोजन में देश के कोने-कोने से आए करीब 400 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। रोइंग, क्याकिंग-केनोइंग, वॉटर स्कीइंग, ड्रैगन बोट रेस और शिकारा स्प्रिंट जैसी स्पर्धाएं झील की लहरों पर खिलाड़ियों की ताकत और संतुलन की कहानी लिखेंगी। शिकारा स्प्रिंट को डेमो खेल के रूप में रखा गया है, जो कश्मीर की सांस्कृतिक पहचान को खेल के मंच पर भी प्रदर्शित करेगा।

मध्य प्रदेश का 54 सदस्यीय दल शामिल

इस आयोजन में मध्य प्रदेश का 54 सदस्यीय दल भी शामिल है, जिसमें 44 खिलाड़ी और 10 सहयोगी स्टाफ हैं। प्रदेश के खिलाड़ी इस राष्ट्रीय स्तर की महत्वपूर्ण प्रतियोगिता में रोइंग और क्याकिंग-केनोइंग स्पर्धाओं में राज्य का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। दल का नेतृत्व वॉटर स्पोर्ट्स रोइंग अकादमी के मुख्य प्रशिक्षक दलबीर सिंह कर रहे हैं। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने मप्र के खिलाड़ियों को लेकर कहा है कि उन्हें उम्मीद है कि खिलाड़ी शानदार प्रदर्शन कर प्रदेश का गौरव बढ़ाएँगे।

खेल और पर्यटन का अनोखा संगम

डल झील का नाम सुनते ही पर्यटकों की आंखों के सामने शिकारे और हाउसबोट की तस्वीर उभर आती है। झील की यही पहचान अब खेलों के नए इतिहास से जुड़ रही है। इस आयोजन से जहां खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं जैसा अनुभव मिलेगा, वहीं पर्यटन को भी नया आयाम मिलेगा। आयोजकों का कहना है कि झील का शांत और आकर्षक वातावरण खिलाड़ियों को प्रेरित करेगा और दर्शकों के लिए यह खेल किसी उत्सव से कम नहीं होगा।

पांच खेलों की स्पर्धाएं, डेमो खेल भी शामिल

इस फेस्टिवल में कुल 5 खेलों का आयोजन किया जा रहा है। इनमें रोइंग, क्याकिंग-केनोइंग (पदकीय स्पर्धा), वॉटर स्कीइंग, ड्रैगन बोट रेस और शिकारा स्प्रिंट (डेमो खेल) शामिल हैं। आयोजन में देश के सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। डल झील की प्राकृतिक खूबसूरती और पर्यावरणीय महत्व को देखते हुए इस आयोजन को पर्यटन और खेलों का संगम माना जा रहा है। आयोजन समिति का मानना है कि इससे न केवल जल क्रीड़ाओं को नई पहचान मिलेगी बल्कि स्थानीय स्तर पर भी खेल संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा।

नए सपनों की उड़ान

उल्लेखनीय है कि खेलो इंडिया वॉटर स्पोर्ट्स फेस्टिवल-2025 केवल एक प्रतियोगिता नहीं है, यह उन युवा खिलाड़ियों के लिए मंच है जो मेहनत और समर्पण से अपने भविष्य को आकार दे रहे हैं। झील पर हर चप्पू का स्ट्रोक, हर नाव की रफ्तार और हर खिलाड़ी का संतुलन इस बात की गवाही देगा कि भारत में जल क्रीड़ाओं का भविष्य उवल है।

सीसीपीए ने भ्रामक विज्ञापनों के लिए रैपिडो पर लगाया 10 लाख रुपए का जुर्माना

नई दिल्ली, 21 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने भ्रामक विज्ञापनों के लिए ऑनलाइन कंपनी रोपेन ट्रांसपोर्टेशन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड(रैपिडो) पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। मंत्रालय के मुताबिक इस तरह के विज्ञापन अक्सर झूठे, भ्रामक और उपभोक्ताओं के प्रति अनुचित होते हैं। नियामक ने रैपिडो को तत्काल प्रभाव से भ्रामक विज्ञापन बंद करने का भी निर्देश दिया है।

उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के मुताबिक सीसीपीए ने उपभोक्ता अधिकारों के संरक्षण की दिशा में एक और कार्रवाई करते हुए रैपिडो को भ्रामक विज्ञापन प्रकाशित करने और अनुचित व्यापार व्यवहार के लिए 10 लाख रुपये का जुर्माना भरने का आदेश दिया है। सीसीपीए ने रैपिडो को उन ग्राहकों को बिना किसी देरी के पैसे वापस देने का निर्देश भी दिया है, जिन्होंने कंपनी के %पांच मिनट में ऑटो या फिर पाएं 50 रुपये% ऑफर का इस्तेमाल किया था, लेकिन उन्हें यह राशि मिली नहीं। राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन (एनसीएच) के आंकड़ों के अनुसार अप्रैल, 2023 से मई, 2024 के बीच रैपिडो के खिलाफ 575 शिकायतें और जून, 2024 से जुलाई, 2025 के बीच 1,224 शिकायतें प्राप्त हुई हैं। पिछले दो वर्षों में एनसीएच को रैपिडो के खिलाफ उपभोक्ताओं की शिकायतों की संख्या में वृद्धि हुई है। सीसीपीए ने उपभोक्ताओं को ऐसे विज्ञापनों के प्रति सतर्क रहने का आग्रह करते हुए कहा कि यदि भ्रामक विज्ञापनों या अनुचित व्यापार प्रथाओं से संबंधित समस्याओं का सामना करना पड़ता है, तो वे निम्न कार्रवाई कर सकते हैं। राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन (1915) पर कॉल करें और शिकायत दर्ज करने के लिए एनसीएच ऐप या वेबसाइट का उपयोग करें।

न्यूज़ ब्रीफ

कृषि व ग्रामीण श्रमिकों के लिए खुदरा मुद्रास्फीति घटकर 0.77 एवं 1.01 फीसदी हुई

नई दिल्ली। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार जुलाई 2025 में कृषि एवं ग्रामीण श्रमिकों के लिए खुदरा मुद्रास्फीति दर में गिरावट दर्ज की गई। कृषि श्रमिकों के लिए खुदरा महंगाई दर घटकर 0.77 प्रतिशत रही, जबकि जून में यह 1.42 प्रतिशत थी। इसी प्रकार ग्रामीण श्रमिकों के लिए यह दर जुलाई में 1.01 प्रतिशत रही, जो जून में 1.73 फीसदी थी। मंत्रालय के मुताबिक, कृषि श्रमिकों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) जुलाई में 1.23 अंकों की वृद्धि के साथ 135.31 पर पहुंच गया। वहीं ग्रामीण श्रमिकों का सीपीआई 1.30 अंक बढ़कर 135.66 हो गया। खाद्य सूचकांक की बात करें तो, इसमें भी वृद्धि दर्ज की गई। कृषि श्रमिकों के लिए 1.94 अंक और ग्रामीण श्रमिकों के लिए 2.16 अंक की बढ़ोतरी हुई। हालांकि सूचकांक में बढ़ोतरी हुई, लेकिन खाद्य मुद्रास्फीति में गिरावट देखने को मिली। जुलाई 2025 में कृषि श्रमिकों के लिए यह दर (-)1.56 प्रतिशत और ग्रामीण श्रमिकों के लिए (-)1.13 प्रतिशत रही, यानी खाद्य वस्तुओं के दामों में औसतन गिरावट आई। इन सूचकांकों को आधार वर्ष 2019=100 के अनुसार तैयार किया गया है और यह आंकड़े देश के 34 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के 787 गांवों से जुटाए गए हैं। गिरती मुद्रास्फीति दर ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए राहत का संकेत मानी जा रही है।

सरकारी रिफाइनरियों ने बढ़ी छूट के चलते रूस से कच्चा तेल खरीदना शुरू किया

नई दिल्ली। सरकारी तेल रिफाइनरी कंपनियों ने रूस से कच्चे तेल की खरीद फिर से शुरू कर दी है। भारत पेट्रोलियम और इंडियन ऑयल ने सितंबर और अक्टूबर डिलीवरी के लिए रूसी कच्चे तेल की खरीद में तेजी लाई है। पिछले कुछ महीनों में रूस के तेल पर मिलने वाली छूट कम होने के कारण घरेलू कंपनियों ने खरीद पर ब्रेक लगा दिया था। हालांकि, अब छूट बढ़कर लगभग तीन डॉलर प्रति बैरल हो गई है, जिससे रूस से तेल खरीदना फिर से आकर्षक हो गया है। अब छूट बढ़कर लगभग तीन डॉलर प्रति बैरल हुई रूसी तेल की खरीद पर भारत की रिफाइनरियों द्वारा फिर से जोर देने से चीन के लिए रूस से तेल की आपूर्ति कम होने की संभावना है। जब भारत ने रूस से तेल खरीदना कम किया था, तब चीन ने अपनी खरीद बढ़ा दी थी। भारत ने मुख्य रूप से यूराल्स क्रूड के अलावा वरंडे और साइबेरियन लाइट जैसे अन्य रूसी तेल ग्रेड भी खरीदे हैं। हालांकि, जुलाई में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से 27 अगस्त से भारत पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाने की धमकी और अमेरिका की आलोचना के चलते भारत ने रूस से तेल की खरीद रोक दी थी। लेकिन अब छूट बढ़ने के कारण और कच्चे तेल की कीमतों में लाभ को देखते हुए भारत की सरकारी कंपनियों ने रूसी तेल खरीदना फिर से शुरू किया है।

स्टारलिंक भारत में ग्राहकों के लिए आधार प्रमाणीकरण का करेगा इस्तेमाल

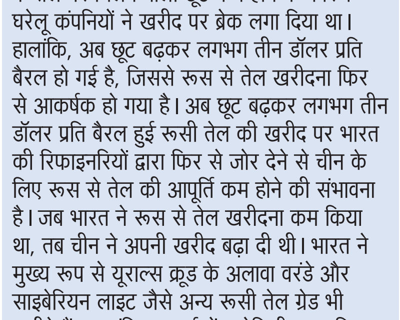

नई दिल्ली। एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक ने भारत में अपने उपग्रह आधारित इंटरनेट सेवा ग्राहकों के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। अब भारत में स्टारलिंक अपने ग्राहकों को जोड़ने से पहले उनके पहचान सत्यापन के लिए आधार' प्रमाणीकरण का उपयोग करेगी। इस संबंध में हाल ही में एक आधिकारिक बयान जारी किया गया। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने स्टारलिंक सैटेलाइट कम्युनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड के साथ साझेदारी की है। इस साझेदारी के तहत, स्टारलिंक भारत में अपने ग्राहकों को जोड़ने के लिए आधार प्रमाणीकरण प्रक्रिया अपनाएगा। इससे ग्राहक सत्यापन की प्रक्रिया न केवल सुरक्षित होगी, बल्कि यह काफी सुगम और तेज भी हो जाएगी। आधार का उपयोग करने से कंपनी को ग्राहकों की असली पहचान सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी, जिससे धोखाधड़ी के मामलों में कमी आएगी। भारत में स्टारलिंक की उपग्रह आधारित इंटरनेट सेवा को पहले ही लाइसेंस मिल चुका है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

राहुल गांधी ने ...

पंक्तियों को गलत पढ़ लिया था। लेकिन तब तक नुकसान हो चुका था। फर्जी आंकड़े सोशल मीडिया और व्हाट्सएप पर फैल चुके थे। असली डेटा देखें तो नासिक वेस्ट में वोटर संख्या में सिर्फ 6 प्रतिशत और हिंगणा में 5.9 प्रतिशत की मामूली बढ़ोतरी हुई, जबकि रामटेक और देवलाली में 3-4 प्रतिशत की मामूली वृद्धि हुई।इस घटना से नाराज होकर 19 अगस्त को आईसीएसएसआर ने एक बयान जारी किया। शिक्षा मंत्रालय के तहत काम करने वाली आईसीएसएसआर सीएसडीएस को फंडिंग देने वाली मुख्य संस्था है। आईसीएसएसआर के बयान में कहा गया कि सीएसडीएस के एक वरिष्ठ अधिकारी (संजय कुमार) ने गलत डेटा पेश किया, जिसे बाद में उन्हें वापस लेना पड़ा। इसके अलावा, सीएसडीएस ने चुनाव आयोग के एसआईआर को गलत तरीके से पेश करके अखबारों में खबरें और लेख छापे/छपवाए और समाचार चैनेलों पर फर्जी बातें कहीं। आईसीएसएसआर ने कहा कि चुनाव आयोग भारत की सबसे बड़ी लोकतंत्र की रीढ़ है और इसके सम्मान को ठेस पहुंचाना गंभीर अपराध है। परिषद ने सीएसडीएस पर डेटा से छेड़छाड़ और गलत नैरेटिव बनाने का आरोप लगाया, जो उनके अनुदान नियमों (ग्रांट-इन-एड-रूल्स) का उल्लंघन है। इसके जवाब में आईसीएसएसआर ने सीएसडीएस को शो-कॉज नोटिस जारी करने का फैसला लिया है। उनका कहना है कि यह घटना संस्थान और चुनाव प्रक्रिया दोनों की गरिमा को ठेस पहुंचाती है।इसी बीच सुप्रीम कोर्ट के वकील विनीत जिंदल ने 19 अगस्त को दिल्ली पुलिस कमिश्नर को एक शिकायत दी। उनकी शिकायत में राहुल गांधी (विपक्ष के नेता), संजय कुमार (सीएसडीएस) समेत कई लोगों पर आरोप हैं। जिंदल का कहना है कि इन लोगों ने फर्जी डेटा फैलाकर जनता में अशांति फैलाई और सरकार के खिलाफ साजिश रची। उन्होंने कहा कि यह डेटा लोकसभा चुनावों को लेकर गलत था और चुनाव आयोग की साख को नुकसान पहुंचाने की कोशिश थी। जिंदल ने अपनी शिकायत में लिखा कि ये लोग सोशल मीडिया और प्रेस के जरिए झूठी खबरें फैला रहे हैं, जिससे जनता का भरोसा लोकतंत्र पर कमजोर हो रहा है। उन्होंने मांग की कि इस मामले में सख्त कार्रवाई हो और जांच शुरू की जाए।अब सवाल उठता है कि सीएसडीएस को फंडिंग कहां से मिलती है? आईसीएसएसआर सीएसडीएस का मुख्य फंडिंग स्रोत है, जो सरकार के जरिए चलता है। लेकिन इसके अलावा सीएसडीएस को विदेशी फंडिंग भी मिलती है, जिस पर कई सवाल उठ रहे हैं। सीएसडीएस को कई देशों और संगठनों से पैसा आता है। इनमें फोर्ड फाउंडेशन, गेट्स फाउंडेशन (अमेरिका), आईडीआरसी (इंटरनेशनल डेवलपमेंट रिसर्च सेंटर कनाडा), डीएफआईडी (यूके), नॉराड (नॉर्वे), ह्यूलेट फाउंडेशन और जर्मनी की केएएस जैसी एजेंसियां शामिल हैं। इसके अलावा स्वीडन, फिनलैंड, डेनमार्क, ऑस्ट्रेलिया और ताइवान की कुछ एनजीओ से भी डोनेशन मिलते हैं। हैरानी की बात है कि जर्मनी की सत्ताधारी पार्टी सीडीयू (क्रिश्चियन डेमोक्रेटिक यूनियन ऑफ जर्मनी) से जुड़ी कोनराड एडेनॉयर फाउंडेशन सीएसडीएस के लिए सर्वाधिक फंडिंग करती है। सीएसडीएस की वेबसाइट पर विदेशी फंडिग से जुड़ी जो जानकारी साझा की गई है, वो जनवरी 2016 से लेकर अब तक की है।हर तिमाही में कोनराड एडेनॉयर फाउंडेशन ने सीएसडीएस को लाखों की फंडिंग की है। इन 10 सालों में देखा जाए, तो ये आंकड़ा कई करोड़ों में है। हालांकि बदले में सीएसडीएस ने कोनराड एडेनॉयर फाउंडेशन के साथ मिलकर कुछ रिसर्स पेपर पब्लिश किए हैं, लेकिन फंडिंग के स्तर और काम को देखते हुए साफ है कि ये पैसा सिर्फ रिसर्च पेपर के लिए तो नहीं ही मिलता है। बीते एक साल की बात की जाए, तो कोनराड एडेनॉयर फाउंडेशन ने सीएसडीएस को 25 लाख 9 हजार 190 रुपए दिए। यानि, सीएसडीएस को 29 सितंबर 2024 को 4,58,950 रुपए, 20 नवंबर 2024 को 4,39,300 रुपए, 17 दिसंबर 2024 को 4,38,600 रुपए, 27 फरवरी 2025 को 11,72,340 रुपए मिले।अमेरिका की यूसीएलए लाइब्रेरी से 12.71 लाख का डोनेशन मिला। यूसीएलए की लाइब्रेरी डिपार्टमेंट से जुड़ी रेचेल डेबलिंगर ने ये धन दिए हैं। उसने 24 जून 2024 को भी 24 लाख 92 हजार रुपए से ज्यादा की धनराशि दान दी है। जनवरी 2024 में फ्रांस की एफएनएसपी संस्था के पास से 12 लाख रुपए से अधिक की धनराशि आई, तो ब्रिटिश लाइब्रेरी ने 5 फरवरी 2024 को 14 लाख रुपए से ज्यादा की धनराशि सीएसडीएस को दी। इसके अलावा अतीत में जाकर देखें तो साल 2016 से अगले कई सालों तक कनाडा की संस्था की तरफ से हर साल करोड़ों की धनराशि लगातार मिलती रही। भारत सरकार ने एनजीओ की आड़ में विदेशी धन के प्रवाह को रोकने के लिए जब कदम उठाए, तो इसका असल सीएसडीएस की फंडिंग पर भी पड़ा। साल 2016 और 2025 के आंकड़ों में जमीन-आसमान का अंतर आ चुका है।इन विदेशी फंडिंग का आंकड़ा हर तिमाही की रिपोर्ट में उपलब्ध है, जो सीएसडीएस की वेबसाइट पर सार्वजनिक है। आरोप है कि यह पैसा हिंदू समाज को जाति के आधार पर बांटने और गलत नैरेटिव बनाने में इस्तेमाल हो रहा है। उदाहरण के लिए सीएसडीएस के लोकनीति प्रोग्राम में हिंदुओं को ओबीसी, ईबीसी, दलित और सवर्ण में बांटकर वोटिंग पैटर्न की रिपोर्ट छापी जाती है, जो अखबारों में सुर्खियां बनती हैं। लेकिन मुसलमानों की अंदरूनी जातीय दरारों (जैसे दलित मुसलमान, अशरफ) पर चुप्पी साध ली जाती है।कई लोग इसे साजिश मानते हैं और कहते हैं कि सीएसडीएस का मकसद हिंदू समाज को तोड़कर कांग्रेस जैसे दलों को फायदा पहुंचाना है। योगेंद्र यादव और संजय कुमार जैसे नाम इस एजेंडे को हमेशा आगे बढ़ाते दिखते हैं। फिर, योगेंद्र कुमार किसान आंदोलन से लेकर उन तमाम मंचों पर खड़े नजर आते हैं, जो सरकार के विरोध में खड़े होते हैं। आईसीएसएसआर ने साफ कर दिया है कि सीएसडीएस का यह व्यवहार उनके नियमों का उल्लंघन है। शो कॉज नोटिस के बाद अगर सीएसडीएस संतोषजनक जवाब नहीं दे पाता, तो फंडिंग रोकने की नौबत आ सकती है। यह कदम न सिर्फ सीएसडीएस के लिए बड़ा झटका होगा, बल्कि इस बात की भी जांच शुरू हो सकती है कि विदेशी फंडिंग का इस्तेमाल कहां हो रहा है। अगर साबित हो जाता है कि विदेशी पैसा किसी खास राजनीतिक एजेंडे के लिए इस्तेमाल हुआ तो कानूनी कार्रवाई भी हो सकती है।यह पूरा मामला अब साजिश के दावों से भरा हुआ है। एक तरफ जहां आईसीएसएसआर और विनीत जिंदल इसे जानबूझकर फैलाई गई अफवाह मान रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ सीएसडीएस इसे तकनीकी गलती बता रहा है। लेकिन सवाल यह है कि एक प्रतिष्ठित संस्थान जैसे सीएसडीएस की टीम ने बिना जांच-पड़ताल के डेटा क्यों पेश किया? क्या यह गलती सचमुच भूल थी या इसके पीछे कोई बड़ा प्लान था? आरोप है कि विदेशी फंडिंग का दबाव सीएसडीएस पर है, जिसके चलते वह गलत डेटा पेश कर रहा है। हालांकि ये तो तय है कि यह घटना भारतीय लोकतंत्र और शोध संस्थानों की विश्वसनीयता पर सवाल उठाती है।सीएसडीएस को आईसीएसएसआर के शो-कॉज नोटिस और विनीत जिंदल की एफआईआर से साफ है कि यह मामला यहीं खत्म नहीं होगा। चुनाव आयोग की साख बचाने और फर्जी डेटा से नुकसान को रोकने के लिए सख्त कदम उठाए जा सकते हैं। अगर सीएसडीएस दोषी पाया जाता है, तो न सिर्फ उसकी फंडिंग पर असर पड़ेगा, बल्कि उसके शोध कार्यों पर भी सवाल उठेंगे। दूसरी तरफ विदेशी फंडिंग की जांच शुरू होने से सीएसडीएस को और दबाव का सामना करना पड़ सकता है। जनता के लिए भी यह सब एक सबक है कि सोशल मीडिया पर आने वाली हर खबर पर भरोसा करने से पहले उसकी सच्चाई जांच लेनी चाहिए।यह पूरा मामला सीएसडीएस, आईसीएसएसआर और भारतीय लोकतंत्र के लिए एक बड़ी चुनौती है। फंडिंग को लेकर उठे सवाल, फर्जी डेटा का विवाद, और एफआईआर सब कुछ मिलाकर यह दिखाता है कि शोध संस्थानों को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। आईसीएसएसआर का कड़ा रुख और जिंदल की शिकायत से उम्मीद है कि सच सामने आएगा और दोषियों पर कार्रवाई होगी। लेकिन इसके साथ ही यह भी जरूरी है कि जांच निष्पक्ष हो, ताकि किसी का भी राजनीतिक फायदा न हो।महाराष्ट्र चुनावों से जुड़े विवादास्पद सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर नागपुर पुलिस ने विकासशील समाज अध्ययन केंद्र (सीएसडीएस) के अधिकारी संजय कुमार के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। यह एफआईआर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 175, 353 (1) (बी), 212, और 340 (1) (2) के तहत दर्ज की गई है। जानकारी के लिए बता दें कि 17 अगस्त को संजय कुमार ने अपने ट्विटर अकाउंट पर एक पोस्ट साझा किया था, जिसमें उन्होंने नासिक पश्चिम और हिंगना निर्वाचन क्षेत्रों में मतदाता संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि का दावा किया। कुमार के अनुसार, नासिक पश्चिम में मतदाताओं की संख्या 328,053 से बढ़कर 483,459 हो गई, जो 47.38 प्रतिशत की वृद्धि थी, वहीं हिंगना में यह आंकड़ा 314,605 से बढ़कर 450,414 हो गया, जो 43.08 प्रतिशत की बढ़ोतरी थी। कुमार ने इसे चुनावी प्रक्रिया में संभावित गड़बड़ी का संकेत मानते हुए चिंता जताई थी।संजय कुमार के पोस्ट के वायरल होने के बाद, इस पर विवाद ने तूल पकड़ लिया। कांग्रेस पार्टी ने चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए और कहा कि मतदाता सूची में जानबूझकर गड़बड़ी की गई है। विवाद बढ़ने के बाद 19 अगस्त को संजय कुमार ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर माफी मांगते हुए लिखा कि मैं महाराष्ट्र चुनावों के संदर्भ में किए गए अपने ट्वीट के लिए माफी मांगता हूं। 2024 के लोकसभा और विधानसभा चुनावों के आंकड़ों की तुलना करते समय एक गलती हुई थी। हमारी डेटा टीम ने आंकड़ों को गलत पढ़ा था। मैंने अब उस ट्वीट को हटा लिया है और मेरा किसी भी प्रकार की गलत सूचना फैलाने का कोई इरादा नहीं था। माफी के बावजूद नागपुर पुलिस ने संजय कुमार के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है,जिसमें उनके ऊपर झूठी सूचना फैलाने और चुनाव संबंधी उल्लंघन का आरोप लगाया गया है। पुलिस ने इस मामले में जांच शुरू कर दी है और मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है।

भारत नहीं, चीन...

आर्थिक सहयोग में बहुत ज्यादा सहयोग नहीं हुआ। हाल के वर्षों में इसमें तेजी आई है, लेकिन साथ ही व्यापार घाटा भी बढ़ा है। उन्होंने दोनों देशों के बीच व्यापार में और विविधता लाने और संतुलन बनाने की जरूरत पर बल दिया।

भारतीय विदेश मंत्री ने विकास को बढ़ावा देने और तेजी से आगे बढ़ने के लिए निवेश, संयुक्त उद्यम और अन्य सहयोग की इच्छा व्यक्त की। साथ ही कहा कि यह एक स्थायी रणनीतिक साझेदारी में एक मजबूत और टिकाऊ आर्थिक घटक होना चाहिए। जयशंकर ने रूस के साथ व्यापार बढ़ाने की पहल ऐसे समय की है, जब अमेरिका ने भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया है। यह टैरिफ रूस से तेल खरीदने के लिए लगाया गया है। अमेरिका के टैरिफ के बाद भारत और रूस के संबंधों में फिर से गर्मजोशी दिखाई दे रही है। रूस के प्रथम उप-प्रधानमंत्री डेनिस मांतुरोव व से मुलाकात के दौरान जयशंकर ने कहा कि उन्हें व्यापार और निवेश संबंधों का पूर्ण उपयोग करना चाहिए। उप प्रधानमंत्री डेनिस मांतुरोव ने कहा कि रूस से तेल और ऊर्जा संसाधनों का भारत में प्रवाह जारी है और मॉस्को को एलएनजी निर्यात की संभावनाएं नजर आ रही हैं। मांतुरोव ने कहा, हम कच्चे तेल और तेल उत्पादों, तापीय और कोयले सहित ईंधन का निर्यात जारी रखे हुए हैं। हम रूसी एलएनजी के निर्यात की संभावना देखते हैं। नेता ने कहा, हम शांतिपूर्ण परमाणु क्षेत्र में व्यापक सहयोग का विस्तार करने की उम्मीद करते हैं, जिसमें कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा संयंत्र निर्माण परियोजना के सफल अनुभव के आधार पर सहयोग भी शामिल है।

विदेश मंत्री एस जयशंकर और उनके रूसी समकक्ष सर्गेई लावरोव के बीच भी गुरुवार को मास्को में बैठक हुई। इस बैठक में राजनीतिक, व्यापारिक और रणनीतिक सहयोग पर चर्चा हुई। लावरोव ने भारत-रूस संबंधों को विशेष रणनीतिक साझेदारी बताया और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सहयोग को जरूरी बताया। लावरोव ने कहा, मुझे उम्मीद है कि आज हमें राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा का अवसर मिलेगा। हम अपने संबंधों को विशेष रणनीतिक साझेदारी के रूप में देखते हैं और हमें उम्मीद है कि हम इन संबंधों को पूरी तरह सही ठहराएंगे। उन्होंने कहा, हम अंतरराष्ट्रीय संबंधों में एक नई व्यवस्था बनते हुए देख रहे हैं, जो एक बहुध्रुवीय व्यवस्था है। इसमें शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ), ब्रिक्स और जी20 की भूमिका बढ़ती जा रही है और निश्चित रूप से संयुक्त राष्ट्र एक ऐसा मंच है, जहां सभी मौजूदा और भविष्य के शक्तिकेंद्र देश आपस में सहयोग, समझौते और संतुलित दृष्टिकोण से काम कर सकते हैं। रूस ऐसे संतुलित दृष्टिकोण का समर्थन करता है। मुझे आपसे मिलकर खुशी हो रही है और मुझे आज की चर्चाओं से अच्छे परिणाम की उम्मीद है।विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा, आज की बैठक हमारे लिए एक अवसर है कि हम अपने राजनीतिक संबंधों पर चर्चा करें। साथ अपनी द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा भी करें। जयशंकर ने कहा, मैं राजनीति, व्यापार, निवेश, रक्षा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी और लोगों के आपसी संबंधों पर विचारों के आदान-प्रदान की उम्मीद करता हूं। हमारे नेताओं ने पिछले साल जुलाई में 22वें वार्षिक शिखर सम्मेलन में और फिर कजान में मुलाकात की थी। अब हम साल के अंत में होने वाले वार्षिक शिखर सम्मेलन की तैयारी कर रहे हैं। हमारे नेताओं ने हमेशा हमें विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने का मार्गदर्शन दिया है। जैसा कि आपने भी जिक्र किया कि कल हमारी (रूसी उप प्रधानमंत्री) डेनिस मांतुरोव के साथ अंतर-सरकारी आयोग की बहुत कामयाब बैठक रही। हमने द्विपक्षीय सहयोग के कई मुद्दों पर चर्चा की और कई समाधान भी निकाले। जयशंकर ने कहा, द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से भारत और रूस के संबंध दुनिया के सबसे स्थिर और मजबूत संबंध रहे हैं। उन्होंने कहा, ऊर्जा के क्षेत्र में व्यापार और निवेश के जरिए सहयोग बनाए रखना भी बहुत जरूरी है।उल्लेखनीय है कि रूस के प्रभारी राजदूत रोमन बाबुश्किन ने भी बुधवार को कहा था कि रूस से तेल खरीदने के कारण भारत पर दिया जा रहा अमेरिकी दबाव अनुचित है। उन्होंने यह भी कहा था कि रूस के पास भारत की ओर से रूसी कच्चे तेल की खरीद के लिए अमेरिकी टैरिफ से पैदा हुई किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए एक खास रणनीति है।

न्यायिक सक्रियता...

के पास विचार करने के लिए नहीं भेज सकते।सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने सरकार से पूछा, क्या राज्यपाल को किसी कानून (विधेयक) को हमेशा के लिए रोके रखने की अनुमति दी जा सकती है? अगर हां, तो क्या इसका मतलब यह नहीं होगा कि एक निर्वाचित सरकार हमेशा राज्यपाल की व्यक्तिगत पसंद या इच्छा पर निर्भर रहेगी? मुख्य न्यायाधीश ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से सवाल किया, लेकिन तब क्या हम राज्यपाल को अपीलों पर सुनवाई करने का पूरा अधिकार नहीं दे रहे होंगे? बहुमत से चुनी गई सरकार राज्यपाल की इच्छा पर निर्भर हो जाएगी। पीठ ने कहा कि अगर यह मान लिया जाए कि राज्यपाल द्वारा पहली बार रोकते ही कोई विधेयक खत्म हो जाता है, तो यह न तो राज्यपाल की शक्ति के लिए ठीक होगा और न ही पूरी कानून बनाने की प्रक्रिया के लिए।तुषार मेहता ने कहा कि राज्यपाल के पास चार विकल्प होते हैं, विधेयक को स्वीकृति देना, उसे रोकना, यदि वह किसी केंद्रीय कानून से टकराता है तो राष्ट्रपति को भेजना, या फिर पुनर्विचार हेतु राज्य विधानमंडल को लौटाना। मेहता के अनुसार स्वीकृति रोकना कोई अस्थायी प्रक्रिया नहीं है। सर्वोच्च न्यायालय की पांच और सात न्यायाधीशों वाली पीठें पहले ही इसकी व्याख्या कर चुकी हैं कि इस स्थिति में विधेयक अस्वीकृत माना जाएगा। उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा, मान लीजिए कोई सीमावर्ती राज्य विदेश मामलों से जुड़ा विधेयक पारित करता है और उसमें यह प्रावधान होता है कि हम किसी देश के लोगों को प्रवेश देंगे या नहीं। ऐसी स्थिति में राज्यपाल उसे मंजूरी नहीं दे सकते, न ही राष्ट्रपति को भेज सकते हैं, क्योंकि यह असहमति का मामला नहीं है। और अगर सदन में उसे दोबारा भेजा जाए और वहां से फिर पारित हो जाए, तो उसे मना भी नहीं कर सकते। ऐसे में उन्हें विधेयक रोकना ही होगा। यह शक्ति बहुत कम और संयम से प्रयोग की जानी चाहिए, लेकिन संविधान ने इसे उपलब्ध कराया है।दूसरी तरफ, सुप्रीम कोर्ट के निवर्तमान मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने एक देश, एक चुनाव प्रक्रिया का समर्थन करते हुए कहा है कि यह व्यवस्था संविधान की बुनियादी संरचना का उल्लंघन नहीं करती है। संसदीय समिति की बैठक में पूर्व मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने विधेयक की संवैधानिक वैधता, व्यावहारिक पहलुओं और चुनाव आयोग की भूमिका पर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि यह विधेयक भारतीय संविधान की बुनियादी संरचना का उल्लंघन नहीं करता, न ही इसका स्वरूप या उद्देश्य संविधान में प्रत्यक्ष रूप से कोई संशोधन करता है। उन्होंने यह भी कहा कि यह प्रस्ताव संवैधानिक रूप से अनुमेय है, बशर्ते उसमें आवश्यक सुरक्षा उपायों और संतुलन का ध्यान रखा जाए।

बांग्लादेश से सटे...

इस महीने की शुरुआत में चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल के 4 चुनाव अधिकारियों को निलंबित कर दिया था। इन्होंने अपने पद का दुरुपयोग कर फर्जी वोटर एप्लिकेशन्स को मंजूरी दी थी। इनकी करतूत राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से मतदाता सूची के रूटीन अपडेट के दौरान फॉर्म-6 की सैंपल चेकिंग में उजागर हुई थी। इनमें से 2 निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) दिब्बोतम दत्ता चौधरी और बिप्लब सरकार जबकि 2 सहायक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (एईआरओ) तथागत मंडल और सुदीप्त दास थे। इसके अलावा, चुनाव आयोग ने डेटा एंट्री ऑपरेटर सुरोजित हलदार के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया है।चुनाव आयोग ने स्पष्ट आदेश दिया है कि इन अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही जल्द से जल्द शुरू की जाए। आयोग ने कहा कि इन अधिकारियों द्वारा किया गया काम अपराधी आचरण के बराबर है और इसलिए इन चारों अधिकारियों पर एफआईआर भी दर्ज की जाए। आयोग ने बाद में 7 दिन की समयसीमा देते हुए राज्य सरकार को निर्देश दिया कि फर्जी वोटर जोड़ने में शामिल चुनाव अधिकारियों पर तुरंत कार्रवाई हो।पश्चिम बंगाल को उन राज्यों में गिना जाता है जहां सबसे ज्यादा बांग्लादेशी घुसपैठिए आकर बसते हैं। पिछले तीन वर्षों में 2688 बांग्लादेशी नागरिक पकड़े गए और उन्हें वापस बांग्लादेश भेजा गया है। इन दावों को हाल ही में प्रकाशित रिसर्च पेपर से और बल मिला। इसमें खुलासा किया गया कि पश्चिम बंगाल में करीब 1 करोड़ अधिक वोटर मौजूद हैं। यह रिसर्च पेपर इलेक्टोरल रोल इन्फ्लेशन इन वेस्ट बंगालः ए डेमोग्राफिक रीकंस्ट्रक्शन ऑफ लेजिटिमेट वोटर काउंट्स-2024 7 अगस्त 2025 को प्रकाशित हुआ था। इस पेपर को डॉ. मिलन कुमार (सहायक प्राध्यापक, आईआईएम, विशाखापट्टनम) और डॉ. विद्युत शेखर (सहायक प्राध्यापक, एसपी जैन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च) ने लिखा है। यह पेपर मतदाता सूची, जनगणना और नागरिक पंजीकरण सिस्टम से मिले आधिकारिक आंकड़ों पर आधारित है। इसमें 2004 की आधार मतदाता सूची से जीवित बचे वोटरों का अनुमान, नई पीढ़ी (1986-2006 जन्म) के आधार पर जोड़े गए लोग और स्थाई प्रवास के हिसाब से तैयार किया गया था। पश्चिम बंगाल में घुसपैठ, फर्जी वोटर और कुछ प्रशासनिक लोगों की मिलीभगत से लोकतंत्र के लिए मुसीबत खड़ी करने जैसा काम किया जा रहा है। यह चुनावी खेल बल्कि सीमा और देश की सुरक्षा के लिए सीधा खतरा बन सकता है।

शाह और सिंह की ...

वैश्विक परिवेश के अनुकूल और 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के दृष्टिकोण के अनुरूप नए सिरे से तैयार किया जाना चाहिए। दोनों समूहों को प्रगति पर मासिक रिपोर्ट प्रस्तुत करने और उसके बाद तीन महीने के अंत में एक समेकित सुधार रोडमैप प्रस्तुत करने को कहा गया है। इसके लिए सचिवीय सहायता वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग द्वारा प्रदान की जाएगी। दोनों मंत्री समूह के अध्यक्षों को आवश्यकतानुसार मंत्रियों, सचिवों और विषय विशेषज्ञों को आमंत्रित करने का अधिकार दिया गया है।दोनों समितियों की संरचना से पता चलता है कि प्रधानमंत्री सामाजिक और आर्थिक, दोनों मोर्चों पर प्रगति में बाधा डालने वाले इन छोटे-बड़े फैसलों को आगे बढ़ाने की गंभीरता को दर्शाने के लिए उत्सुक हैं। इसमें कई मंत्री भी शामिल हैं ताकि सिफारिशों पर त्वरित कार्रवाई की जा सके। पैनलों को विधायी सुधारों का सुझाव देने का भी काम सौंपा गया है, जिसमें मौजूदा कानूनों को निरस्त करना या उनमें बदलाव करना और डिजिटल स्वास्थ्य, फिनटेक, गिग अर्थव्यवस्था आदि सहित भविष्य के क्षेत्रों के लिए सक्षम कानूनों का मसौदा तैयार करना; नीतिगत सुधारों की पहचान करना; प्रक्रिया-केंद्रित सुधार और संस्थागत सुधारों को उजागर करना शामिल है, जो केंद्रीय, राज्य और स्थानीय स्तरों तक फैले हों।इससे पहले, वस्तु एवं सेवा कर व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन को गति देने के लिए गृह मंत्री शाह को सभी हितधारकों, जिसमें राज्यों के साथ-साथ केंद्रीय मंत्रालयों के साथ समन्वय स्थापित करने के लिए नियुक्त किया गया था, ताकि विवादास्पद लंबित मुद्दों को सुलझाया जा सके। जीएसटी पर आम सहमति बनाने में उनके हस्तक्षेप को सामान्य बताया गया और एक सूत्र ने इसे राजनीतिक रूप से संवेदनशील मुद्दों और जिन मुद्दों को राज्यों के समर्थन की जरूरत है को सुलझाने में मददगार बताया। अतीत में ऐसे कई मौके आए हैं जब वे बैठकों का हिस्सा रहे हैं, जिनमें विनिवेश पर चर्चा में उनकी भागीदारी और अतीत में मुख्य खाद्य पदार्थों की कीमतों में वृद्धि पर बैठकों की अध्यक्षता शामिल है।

इसके अलावा, जहां आईटी मंत्रालय ने रियल-मनी ऑनलाइन गेमिंग पर एक नया विधेयक तैयार किया है, जिसमें प्लेटफॉर्म और उनके प्रमोटरों, दोनों पर व्यापक प्रतिबंध और कठोर दंड का प्रावधान है, वहीं उद्योग जगत इस कदम के पीछे केंद्रीय गृह मंत्रालय को मुख्य कारक मान रहा है। आईटी मंत्रालय द्वारा कानून तैयार करने के दौरान, प्रमुख गेमिंग उद्योग संघों ने केंद्रीय गृह मंत्रालय को एक पत्र भेजकर कहा कि यह व्यापक प्रतिबंध इस वैध, रोज़गार सृजन उद्योग के लिए एक खतरे की घंटी बजा देगा और भारतीय उपयोगकर्ताओं और नागरिकों को गंभीर नुकसान पहुंचाएगा।

ऑनलाइन गेमिंग...

इसके अलावा उन्हें वित्तीय नुकसान भी होता और इस कारण आत्महत्याएं भी होती हैं। सरकार का अनुमान है कि लगभग 45 करोड़ लोग हर साल ऑनलाइन रियल मनी गेमिंग में करीब 20,000 करोड़ रुपए गंवाते हैं। सरकार ने महसूस किया कि ऑनलाइन रियल मनी गेमिंग समाज के लिए एक बड़ी समस्या है और इसलिए केंद्र ने लोगों के लोगों की भलाई के लिए राजस्व हानि का जोखिम उठाने का भी फैसला किया है।अब कानून बनने के बाद इसका उल्लंघन करके ऑनलाइन मनी गेमिंग सेवाएं प्रदान करने वाले किसी भी व्यक्ति को तीन साल तक की कैद या 1 करोड़ रुपए तक का जुर्माना, या दोनों हो सकते हैं। ऐसी सेवाओं का विज्ञापन करने वालों को दो साल तक की जेल और/या 50 लाख रुपए तक का जुर्माना हो सकता है। रियल मनी गेम्स के लिए लेनदेन की सुविधा प्रदान करने वाले बैंक और वित्तीय संस्थान भी तीन साल तक की जेल या 1 करोड़ रुपए के जुर्माने सहित दंड के लिए उत्तरदायी होंगे। बार-बार अपराध करने पर कड़ी सजा का प्रावधान है। इसमें तीन से पांच साल की जेल और अधिक जुर्माना शामिल है।

दोनों देश कमाएंगे...

समझौते के तहत शिपकी ला दर्रा, सनाथुला दर्रा और अरुणाचल प्रदेश के बोमडिला मार्ग को प्राथमिकता से खोला जाएगा। भारतीय विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, चीन ने दुर्लभ धातुओं की आपूर्ति का आश्वासन दिया है, जिनकी सर्वाधिक जरूरत भारतीय इलेक्ट्रॉनिक्स, रक्षा और ऊर्जा क्षेत्रों को है। भारत बदले में चीन को फॉस्फेट और पोटाश आधारित उर्वरकों की आपूर्ति करेगा। भारतीय उद्योग परिसंघ के मुख्य अर्थशास्त्री अरुण चतुर्वेदी ने कहा, यह समझौता भारत की विनिर्माण क्षमता को मजबूती देगा और चीन की खाद्य सुरक्षा रणनीति में योगदान करेगा।भारतीय विदेश व्यापार संस्थान के वरिष्ठ अर्थशास्त्री डॉ. बिस्वजीत धर ने कहा, ट्रंप टैरिफ ने भारतीय निर्यातकों की लागत बढ़ा दी है। अगर भारत चीन के साथ दुर्लभ खनिजों और उर्वरकों के अलावा मध्यवर्ती औद्योगिक वस्तुओं का आयात बढ़ाता है, तो उत्पादन लागत घटेगी और अमेरिकी टैरिफ से होने वाला 3-5 अरब डॉलर का सालाना नुकसान काफी हद तक संतुलित हो सकेगा। चाइना इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल ट्रेड ने संकेत दिया है कि भारत-चीन व्यापार की बहाली अमेरिकी संरक्षणवादी नीतियों के दौर में भारत को बफर इकनॉमिक स्पेस दे सकती है।ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनीशिएटिव (जीटीआरआई) का कहना है, भारत को दुर्लभ खनिजों और उर्वरकों के निर्यात पर प्रतिबंधों में ढील देने का चीन का फैसला सकारात्मक संकेत है। लेकिन, भारत को पड़ोसी देश पर निर्भरता कम करने पर ध्यान देना होगा।2024-25 में चीन के साथ भारत का 100 अरब डॉलर का खतरनाक व्यापार घाटा है। जीटीआरआई ने कहा, 2014 और 2024 के बीच भारत के आयात परिदृश्य पर चीन का प्रभुत्व और भी बढ़ गया है। भारत के दूरसंचार और इलेक्ट्रॉनिक्स आयात में इसकी हिस्सेदारी 57.2 फीसदी तक पहुंच गई है। मशीनरी और हार्डवेयर का हिस्सा 44 फीसदी था। रसायन और फार्मा का हिस्सा 28.3 फीसदी के साथ दूसरे स्थान पर रहा। भारत के लिए एकमात्र वास्तविक सुरक्षा उपाय निर्भरता घटाकर, गहन विनिर्माण में निवेश कर और सच्चा उत्पाद राष्ट्र बन घरेलू स्तर पर मजबूती बनाना है। इससे भारत चीन से समान शर्तों पर बातचीत में बेहतर स्थिति में होगा।

दोनों देशों का होगा ...

और सैन्य अड्डे बनाए जा रहे हैं, जिससे भूमि का नुकसान तेज हो रहा है। तिब्बती पठार पर 10.6 लाख वर्ग किमी पर्माफ्रॉस्ट है, जो दुनिया का सबसे बड़ा ऊंचाई वाला जमा हुआ क्षेत्र और अहम कार्बन सिंक है। लेकिन पिछले 30 वर्षों में यहां की जमीन का तापमान हर साल 0.1 से 0.5 डिग्री सेल्सियस के बीच बढ़ा है। इससे पर्माफ्रॉस्ट कमजोर हो रहा है। सैन्य गतिविधियां इस नुकसान में और इजाफा करती हैं। इससे ग्रीनहाउस गैसें निकलती हैं और जल प्रणाली प्रभावित होती है। आईएसडीपी ने बताया कि पूरे तिब्बत में सैन्य ढांचे चीन की ताकत बढ़ाने में मदद करते हैं, लेकिन इनके पर्यावरणीय नतीजे गंभीर हैं। फायुल के मुताबिक, यह नुकसान स्थानीय पारिस्थितिकी को बिगाड़ता है और वैश्विक जलवायु अस्थिरता भी बढ़ाता है।

आज आदित्य योग में ये राशियां बनेंगी मालामाल, देवी लक्ष्मी दिलाएंगी लाभ

शुक्रवार 22 अगस्त के दिन सूर्य अपनी राशि सिंह में होंगे, जिससे आदित्य योग बन रहा है। ऐसे में धन की देवी माता लक्ष्मी वृषभ, सिंह, तुला और मकर राशि पर अपनी विशेष कृपा बरसाएंगी। कार्यक्षेत्र में सारे रुके हुए काम पूरे होने लगेंगे और राजनीति के क्षेत्र में भी भरपूर लाभ कमाएंगे। व्यापार के मामले में यात्राओं से अकल्पनीय लाभ मिलेगा और नौकरी वालों के लिए आमदनी के नए स्रोत बनेंगे। आर्थिक मामलों में लाभ होगा और सुखों में वृद्धि होगी। कार्यस्थल पर विरोधी परास्त होंगे और धन लाभ के शुभ योग बनते जाएंगे।

मेष : धीरे-धीरे रुके काम होंगे पूरे

आपका दिन मिलाजुला रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में कामकाज सामान्य गति से पूरे होंगे और धीरे-धीरे रुके हुए काम पूरे होने लगेंगे। जीवनसाथी का से भी आपको पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। लेकिन कार्यक्षेत्र में विपरीत स्थिति उत्पन्न होने पर आपको अपनी मधुर वाणी और व्यवहार से उसे संभालना होगा। आपकी मुलाकात अपने कुछ प्रियजनों से भी हो सकती है।

वृषभ : राजनीति के क्षेत्र में कमाएंगे लाभ

कार्यक्षेत्र में दिन शांति और संतोष से भरपूर रहने वाला है। राजनीति के क्षेत्र से जुड़े लोगों को अपने किए गए प्रयासों सफलता प्राप्त होगी। शासन और सत्ता से अच्छी मित्रता होने का भी आपको पूर्ण लाभ प्राप्त होगा। नौकरी करने वालों को नए अनुबंधों के द्वारा ऊंचा पद प्राप्त हो सकता है और प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी। परिवार में संतान पक्ष से कोई शुभ समाचार सुनने को मिल सकता है।

मिथुन : मूल्यवान वस्तु संभालकर रखें

आपको कार्यक्षेत्र में मूल्यवान वस्तु और जरूरी दस्तावेजों को संभालकर रखना होगा। अन्यथा कोई चीज खोने या चोरी होने की संभावना है। व्यापार के मामले में आपके रुके हुए कुछ कार्य पूरे हो सकते हैं। साथ ही, किसी यात्रा में शामिल होने का मौका भी मिल सकता है। परिवार में संतान को शिक्षा या प्रतियोगिता में सफलता मिलने से आपको प्रसन्नता महसूस होगी।

कर्क : व्यापार में यात्रा से होगा लाभ

दिन उत्तम रहने वाला है और आपको कोई संपत्ति भी प्राप्त हो सकती है। इसी के चलते समाज में मान-सम्मान में वृद्धि होगी और व्यापार के क्षेत्र में की गई यात्राएं सफल रहेंगी। इनसे आपको सकारात्मक परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। जीवन में सफलता पाने के नए रास्ते खोज सकते हैं और प्रियजनों से कोई शुभ समाचार सुनने को मिल सकता है। परिवार में संतान के किसी कार्य से मन को सुकून महसूस होगा।

सिंह : आमदनी के बनेंगे नए स्रोत

नौकरी करने वालों के लिए आमदनी के नए स्रोत बनेंगे, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। वहीं, कार्यक्षेत्र मधुर वाणी और व्यवहार से आपके सम्मान में वृद्धि होगी। विद्यार्थियों को शिक्षा और प्रतियोगिता में भी विशेष सफलता प्राप्त हो सकती है। वहीं, विरोधियों की रणनीतियां भी फेल हो जाएंगी। परिवार के साथ अच्छा समय व्यतीत होगा। लेकिन आंखों से जुड़ी कोई समस्या परेशान कर सकती है।

कन्या : सुखों में होगी वृद्धि, रहेंगे खुश

दिन अच्छा रहेगा और व्यापार के मामले में आपके द्वारा किए प्रयासों से अकल्पनीय सफलता प्राप्त होगी। इसी के चलते आपके सुखों में भी वृद्धि होगी और मन प्रसन्न रहेगा। अगर किसी कानूनी विवाद में फंसे हुए थे तो अब उससे भी छुटकारा मिल सकता है और आपको जीत हासिल होगी। परिवार में संतान से कोई बेहद खुशी वाली खबर सुनने को मिल सकती है।

तुला : व्यापार में होगा धन लाभ

आर्थिक और व्यापार के मामले में दिन बेहतरीन रहने वाला है। अगर पैसों से जुड़ी लेन-देन में लंबे समय से किसी समस्या का सामना कर रहे थे तो अब उससे निजात मिल सकती है। व्यापार के मामले में पर्याप्त मात्रा में धन लाभ होने से सुखों में वृद्धि होगी। घर-परिवार में भी खुशी का माहौल देखने को मिलेगा। लेकिन नौकरी करने वालों को कार्यस्थल पर विरोधियों से सावधान रहना होगा।

वृश्चिक : कामकाज पर दिखेगा सेहत का प्रभाव

आपकी राशि से अष्टम नवम त्रिग्रही योग चल रहा है। इसी के चलते आपको शरीर से जुड़ी कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। सेहत सही न होने का प्रभाव आपके कामकाज पर भी पड़ सकता है। कार्यक्षेत्र में आप थोड़ी सुस्ती महसूस करेंगे। ऐसे में किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह आपके लिए लाभदायक हो सकती है और सेहत पर ध्यान देना भी जरूरी होगा।

धनु : विरोधी भी करेंगे आपकी प्रशंसा

कार्यक्षेत्र में आपको लाभ कमाने के मौके मिलेंगे और रुके काम पूरे होने से प्रसन्न रहेंगे। ऐसे में विरोधी आपकी प्रशंसा कर सकते हैं। राजनीति से जुड़े लोगों का दिन अनुकूल रहेगा और शासन सत्ता पक्ष से निकटता होने के चलते लाभ मिलने की संभावना है। आप किसी कार्यक्रम में भी शामिल हो सकते हैं और ससुराल पक्ष से धन लाभ व सहयोग होने के योग बने हुए हैं।

मकर : आर्थिक मामलों में पाएंगे लाभ

आपका दिन पारिवारिक और आर्थिक मामलों में बेहद अच्छा रहने वाला है। कार्यस्थल पर आपको अधीनस्थ कर्मचारियों का सहयोग और सम्मान प्राप्त हो सकता है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। आर्थिक मामले में सफलता हासिल करेंगे और धन लाभ के योग भी बन रहे हैं। घर में किसी प्रिय मेहमान का अगमन हो सकता है। लेकिन आपको अपने माता-पिता की सेहत पर भी विशेष ध्यान देना होगा।

कुंभ : कठिनाइयों भरा रहेगा दिन

राशि का स्वामी शनि मार्गी होने के चलते आपको कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। कार्यक्षेत्र में सोच-विचार करके और बुद्धिमानी से किए गए कार्य भी बीच में रुक सकते हैं। साथ ही, कुछ हानि होने की भी संभावना है। ऐसे में अभी के लिए कोई भी जोखिम भरा कार्य या निर्णय लेने से आपको बचना होगा। अनावश्यक विवादों से भी दूरी बनाकर रखें, अन्यथा समस्या खड़ी हो सकती है।

मीन : सोच-समझकर लें निर्णय

आपको कार्यक्षेत्र में कामकाज से ज्यादा घरेलू कार्यों को पूरा करने की जरूरत पड़ सकती है। लेकिन कार्यस्थल पर जरूरी दस्तावेजों और मूल्यवान वस्तुओं को संभालना जरूरी होगा। इनके चोरी या गुम होने की आशंका है। आर्थिक मामलों में भी कोई भी फैसला सोच-समझकर लें, अन्यथा नुकसान हो सकता है। परिवार में जीवनसाथी से चल रहा मनमुटाव अब बातचीत के जरिए दूर हो सकता है।

पिठोरी अमावस्या पर करें शुभ लाभ के उपाय मिलेगा पितरों का आशीर्वाद, दुख-दर्द होंगे दूर

हिंदू धर्म में अमावस्या का बड़ा महत्व होता है। इस पर भी भाद्रपद अमावस्या तिथि का विशेष महत्व है। इसे पिठोरी अमावस्या और कुशोत्पाटनी अमावस्या के रूप में जाना जाता है। इस दिन कुशा इकट्ठा किए जाते हैं, ताकि साल की बाकी अमावस्या तिथि पर पितृ पूजन में कुशा काम आ सके। हालांकि इस अमावस्या पर कुश वही इकट्ठा कर सकता है जिसके माता या पिता में से कोई एक न हो। अमावस्या तिथि पर पितृ पूजन, पवित्र नदी में स्नान और ध्यान करने का महत्व है। ऐसे में आइये जानते हैं पिठोरी अमावस्या के उपाय।

पिठोरी अमावस्या किस दिन है

भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि 22 अगस्त दोपहर 11.57 बजे शुरू होगी और 23 अगस्त को 11.37 बजे पूरी होगी। पिठोरी अमावस्या मध्यकाल में लग रही है इसलिए 22 अगस्त को मान्य होगी। पिठोरी अमावस्या पर कुछ उपाय के जरिए आप पितरों का आशीर्वाद पा सकते हैं। इसके साथ ही हनुमानजी और शनि महाराज की भी कृपा पा सकते हैं।

पिठोरी अमावस्या के उपाय

पिठोरी अमावस्या पर सुबह पवित्र नदी में स्नान करें या नहाने के पानी में गंगाजल मिला लें।

पितरों की आत्मा की शांति के लिए पिंडदान, तर्पण आदि करें।

पीपल के पांच पत्तों पर पांच मिठाइयां पितरों के नाम पर रखें और पूजन करें। बस इन मिठाइयों को घर न लाएं।

पीपल के पौधे की परिक्रमा करें। जड़ में जल चढ़ाएं और सरसों के तेल का दीया जलाएं।

पितरों के नाम पर जरूरतमंदों को दान करें।

पितृ स्तोत्र का पाठ करें।

खीर का भोजन बनाकर भूखों को खिलाएं।

कौवा, कुत्ता, चींटी और मछलियों का पेट भरें।

सुख समृद्धि के लिए घर पर शमी का पौधा लगाएं।

हनुमान चालीसा और शनि चालीसा का पाठ करें।

शिवलिंग का काले तिल मिलाकर जलाभिषेक करें।

नदी में 5 जलते हुए दीये और 5 लाल फूल प्रवाहित कर दें।

तामसिक भोजन से दूर रहें। नाखून और बाल न काटें।

घर पर घी का दीया जलाएं।

पिठोरी अमावस्या के दिन करें इनमें से कोई एक चीज दान, जीवन की बाधाओं से मिलेगी मुक्ति

भाद्रपद मास की अमावस्या तिथि पर पिठोरी अमावस्या पड़ती है। इस दिन दान-पुण्य, पूजा और पितृ पूजन करने का खास महत्व होता है। वहीं, पिठोरी अमावस्या पर पवित्र नदी में स्नान करने और कुछ विशेष चीजों का दान करने की भी मान्यता होती है। ऐसा करने से जातक को जीवन की कई समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है और बार-बार आने वाली बाधाएं भी दूर होने लगती हैं। पिठोरी अमावस्या इस बार 23 अगस्त, शनिवार के दिन पड़ रही है। इस दिन शनिवार होने से शनि अमावस्या भी है। ऐसे में अगर आप इस तिथि पर दान करते हैं तो बेहद पुण्य फल की प्राप्ति हो सकती है।

इस अनाज के दान से घर में आएगी सुख-समृद्धि

पिठोरी अमावस्या के दिन दान करने से पितरों की आत्मा को शांति मिलती है और जीवन की बाधाएं भी दूर होती हैं। ऐसे में अगर आप इस तिथि पर चावल का दान कर लें तो इससे बेहद उत्तम फल की प्राप्ति हो सकती है। मान्यता है कि पिठोरी अमावस्या पर चावल का दान करने से जातक को घर की समस्याओं से निजात मिल सकती है और परिवार में खुशहाली बनी रहती है। साथ ही, घर में सुख-समृद्धि और शांति आती है।

शनि दोष से मुक्ति के लिए करें इस चीज का दान

इस बार शनिवार के दिन अमावस्या होने से शनि अमावस्या पड़ रही है और शनिवार का दिन विशेष रूप से न्याय के देवता शनिदेव को समर्पित होता है। ऐसे में अगर आप इस तिथि पर तिल का दान कर लें तो इससे शनि दोष से मुक्ति मिल सकती है। साथ ही, अकाल मृत्यु का भय भी दूर होता है। इस उपाय से जातक को पापों से मुक्ति मिल सकती है और जीवन में सफलता के नए मार्ग खुलने शुरू हो सकते हैं।

इस वस्तु के दान से जीवन की बाधाएं होंगी दूर

पिठोरी अमावस्या के दिन आप किसी जरूरतमंद व्यक्ति को छाते का दान कर सकते हैं। इससे शनिदेव की कृपा प्राप्त होती है और जीवन में आने वाली बाधाओं से भी मुक्ति मिल सकती है। छाता दान करने से जातक को कार्यों में आने वाली रुकावटों से भी निजात मिल सकती है और कारोबार में भी उन्नति प्राप्त होती है। इस उपाय से आपको राहु-केतु और शनि दोष से भी छुटकारा मिल सकता है।

धन में वृद्धि के लिए इस वस्तु का करें दान

अगर आप लंबे समय से पैसों की तंगी का सामना कर रहे हैं तो पिठोरी अमावस्या पर एक छोटा सा दान कर सकते हैं। इसके लिए किसी गरीब या जरूरतमंद व्यक्ति को उड़द की दाल दान करें। आप चाहें तो मंदिर में भी दान कर सकते हैं। ऐसा करने से जातक को धन की कमी से छुटकारा मिल सकता है और घर की आर्थिक स्थिति भी मजबूत होने लगती है। इस विशेष तिथि पर उड़द की दाल दान करने से धन वृद्धि के योग बनने शुरू हो सकते हैं।

जीवन से दुर्भाग्य दूर करने के लिए करें यह चीज दान

पिठोरी अमावस्या पर किसी जरूरतमंद को काले रंग के जूतों का दान भी कर सकते हैं। काले रंग का संबंध शनि से होता है। ऐसे में इस उपाय को करने से आपको शनिदेव की कृपा प्राप्त हो सकती है और जीवन से दुर्भाग्य दूर होने लगता है। मान्यता है कि शनि अमावस्या पर काले जूते दान करने से जातक की किस्मत भी बदल सकती है और जीवन से नकारात्मकता दूर होती है। ऐसे में अमावस्या के दिन इस उपाय को जरूर आजमाकर देखें।

काशी विश्वनाथ मंदिर की शिखर पर दिखाई दिया सफेद उल्लू

ज्योतिषी बता रहे इसका बड़ा मतलब

काशी विश्वनाथ मंदिर जहां अंत और आरंभ का संगम होता है। जहां भगवान शिव और भगवान नारायण वास करते हैं। अब वहां माता लक्ष्मी का वाहन सफेद उल्लू काशी विश्वनाथ मंदिर की शिखर पर बैठा दिखाई दिया है। पौराणिक ग्रंथों में सफेद उल्लू को माता लक्ष्मी का वाहन माना गया है। 20 अगस्त की शाम शयन आरती के बाद मंदिर की शिखर पर देखा गया है। शिखर पर बैठा उल्लू इस तरह है कि वह स्वत:ही जनमानस का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करता है और वह इशारा करता है कि जल्द ही कोई शुभ हो सकता है। ज्योतिष दृष्टि से भी इस घटना को बहुत ही शुभ माना जा रहा है। क्योंकि, शास्त्रों में माता लक्ष्मी का वाहन सफेद उल्लू को शांति, समृद्धि और सौभाग्य का प्रतीक बताया गया है। उल्लू दिखाई देने के बाद से अलग अलग कयास लगाए जा रहे हैं।

काशी विश्वनाश में सफेद उल्लू दिखाई देना का धार्मिक महत्व

सफेद उल्लू को माता लक्ष्मी का वाहन माना जाता है और इसका दिखाई देना बहुत ही दुर्लभ और शुभ होता है। सफेद उल्लू आसानी से कही भी दिखाई नहीं देते हैं। ऐसे में काशी में सफेद उल्लू का आना इस बात का संकेत भी है कि माता लक्ष्मी का आगमन हो चुका है। अब सफेद उल्लू के दिखाई देना का असर भारत पर देखने को मिलेगा। हो सकता है कि सरकार जल्द ही कोई बड़ा धार्मिक क्षेत्र में निर्णय ले सकती है। जिसे जनमानस में खुशी की लहर आ सकती है। वहीं, देश को आर्थिक लाभ मिलने की भी संभावनाएं हैं। यानी आने वाले दिनों सरकार कोई बड़ा आर्थिक फैसला कर सकती है। इस समय जीएसटी संशोधन पर भी चर्चा चल रही ऐसे में इस घटना का घटित होना और भी शुभ है जो राष्ट्र के लिए उन्नतिदायक होगा।

ज्योतिषी यह भी कह रहे हैं कि ग्रहों की ऐसी स्थिति भी बन रही है कि आने वाले कुछ महीनों में अमेरिका भी टैरिफ पर अपने फैसले में बदलाव कर सकता है जिससे भारत को लाभ मिलेगा। वहीं, देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी काशी से सांसद भी है ऐसे में हो सकता है कि काशी को भी सरकारी की तरफ से कोई सौगात मिल जाए।

बेहद शुभ दिन दिखाई दिया है उल्लू

पंचांग के अनुसार, 20 अगस्त बुधवार को त्रयोदशी उपरांत चतुर्दशी तिथि का भी संयोग बना था। जो भगवान शिव को समर्पित है। ऐसे में माता लक्ष्मी का सफेद उल्लू पर सवार होकर शिव के धाम में आना बहुत ही शुभ और सौभाग्य की ओर इशारा कर रहा है।

सफेद उल्लू का शास्त्रों में महत्व

शास्त्रों के अनुसार सफेद रंग का उल्लू अगर किसी व्यक्ति को दिखाई देता है तो यह इशारा करता है कि आपके जीवन में आने वाले दिनों में आर्थिक समस्याएं समाप्त हो जाएंगी। अगर किसी व्यक्ति के जीवन में कुछ सही नहीं चल रहा है ऐसे में उसे सफेद उल्लू दिखाई दे जाए तो यह सकारात्मकता की तरफ इशारा करता है। शास्त्रों में सफेद उल्लू का दिखाई देना इस तरफ भी इशारा करता है कि आपके पितर आपसे खुश हैं और वह आपके साथ ही ऐसे में आपको घबराने की जरूरत नहीं है।

लाजवर्त मणि के फायदे और उपाय, ऐसे धारण करने से मिलेगा पूरा लाभ

प्राचीन काल से ही लाजवर्त मणि को बहुत प्रभावशाली माना जाता है। यह रत्न नीले रंग का होता है, जो देखने में बहुत आकर्षक होता है और इसकी सतह पर कुछ सुनहरे रंग के छीटे होते हैं। जिससे रत्न चारों ओर से चमक...हता है। कहा जाता है कि ...प्राचीन ग्रंथों में जिस नीलम का ...र्णन मिलता वह ...लम की बजाए ...जवर्त मणि ही है। ...प्रभावशाली रत्न ...स्पति और शनि ... जुड़ा माना जाता ...प इसे सही प्रकार ...हैं और इससे जुड़े ... इससे जीवन के ... मिल सकती है। ...र्त मणि के फायदे और उपयोगों के बारे में...

औषधीय गुणों से भरपूर लाजवर्त मणि

लाजवर्त मणि वजन में भारी ओर थोड़ी ठोस होती है। इसका वर्णन पौराणिक कथाओं में भी देखने को मिलता है। इसे वैज्ञानिक तरीके से भी बनाया जाता है, जो सल्फर युक्त सोडियम और अल्युमिनियम सिलिकेट का होता है। माना जाता है कि लाजवर्त मणि में कई औषधीय गुण भी पाए जाते हैं। इसे धारण करने से पथरी, गुर्दे, मस्से आदि से जुड़े रोगों से जातक को राहत मिल सकती है।

ज्योतिषीय गुणों से भरपूर लाजवर्त मणि

कहा जाता है कि इससे सूखे रोगों से भी राहत मिल सकती है। लाजवर्त मणि त्वचा और आंखों से जुड़ी समस्याओं में भी लाभकारी माना गया है। यह रत्न ज्योतिषीय गुणों से भरपूर होता है। इसके उपयोग से जीवन की कई समस्याओं को भी दूर किया जा सकता है और विवाह में आने वाली रुकावटें भी दूर हो सकती हैं। इस रत्न को अंगूठी, लॉकेट आदि के रूप में भी धारण किया जाता है। यह मणि जीवन से नकारात्मकता को दूर करती है।

लाजवर्त मणि के ज्योतिषीय उपाय व लाभ

शनि ग्रह के बुरे प्रभाव को कम करने के लिए आप इस मणि को धारण कर सकते हैं। इससे शनि शांत होते हैं और जीवन से समस्याएं कम होने लगती हैं।

विवाह में आने वाली बाधाओं और समस्याओं को दूर करने के लिए भी लाजवर्त मणि को धारण करना लाभदायक माना गया है। इसके लिए लाजवर्त और मून स्टोन को एक साथ पहनाया जाता है।

मान्यता है कि इससे त्वचा पर मौजूद कील-मुंहासों की समस्या को भी कम किया जा सकता है। इससे धीरे-धीरे फुंसी कम होने लगती हैं।

अगर बच्चे छोटी-छोटी बात पर डर जाते हैं या बहुत ज्यादा चौंक जाते हैं तो उनके गले में लाजवर्त मणि पहनाया जा सकता है।

इस रत्न को लेंस से देखने पर अंदर तांबे जैसे कण दिखाई देते हैं। जिसके रंग को सूर्य और मंगल का प्रतीक भी माना जाता है। ऐसे में इसे धारण करने से दोनों ग्रहों को शुभ प्रभाव बढ़ते हैं।

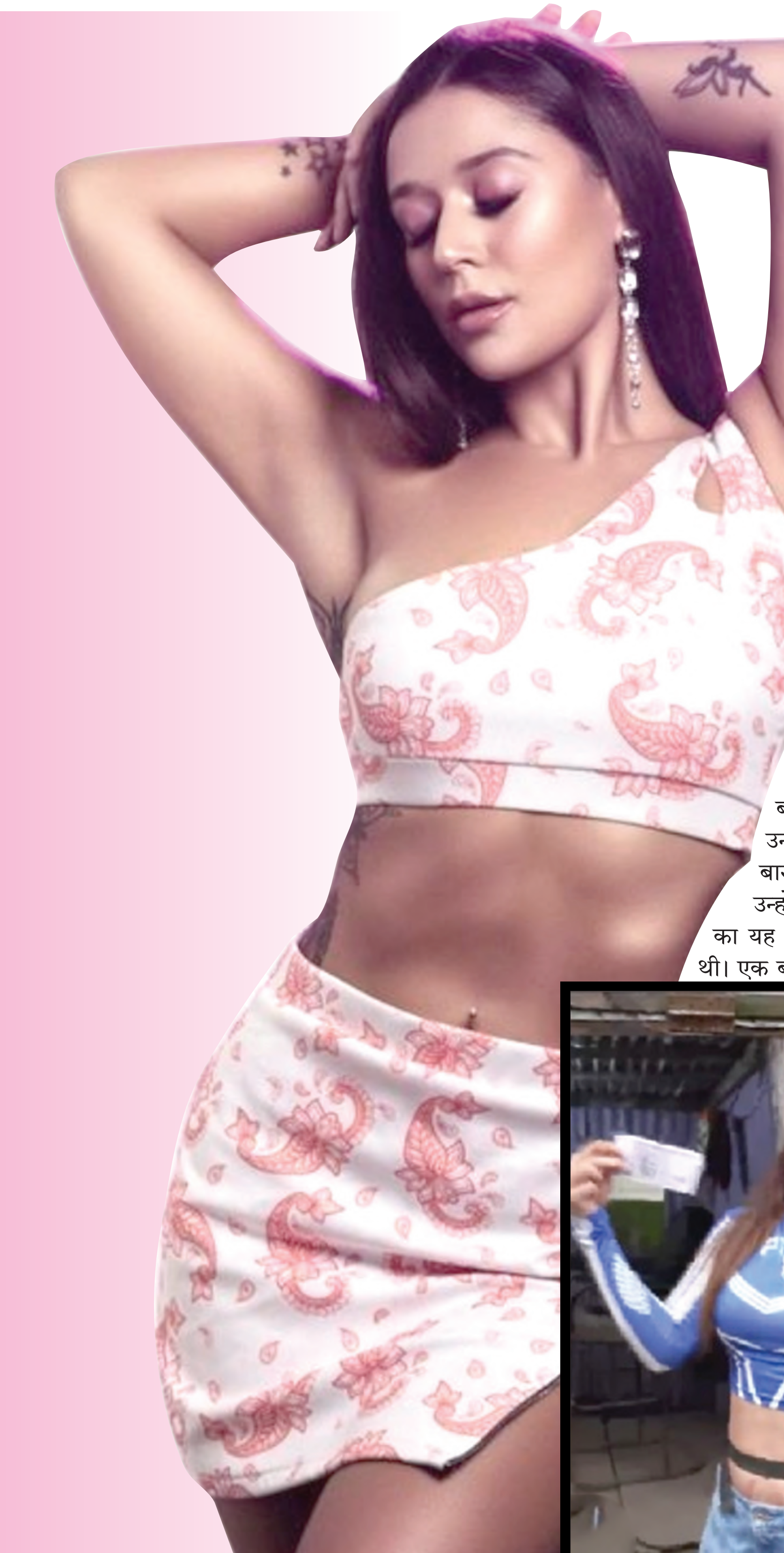

कृष्णा श्रॉफ ने छोरियां चली गांव में बेखौफ मेकओवर टास्क से जीता गांववालों का दिल

कृष्णा श्रॉफ लगातार यह साबित कर रही हैं कि वह 'छोरियां चली गांव' की सबसे दिलचस्प कंटेस्टेंट्स में से एक क्यों हैं। हालिया एपिसोड में कंटेस्टेंट्स को एक बेहद रोमांचक अनुभव का सामना करना पड़ा। चुनौती- बमूलिया गांव के लोगों को संवारने का एक फुल मेकओवर टास्क। मालिश, हेयरकट, शेविंग और स्टाइलिंग जैसे कामों के ज़रिए लड़कियों को अपनी सीमा से बाहर जाकर गांववालों का विश्वास जीतना था। जहां कई कंटेस्टेंट्स इस चुनौती से घबराए हुए दिखे, वहीं कृष्णा श्रॉफ ने एक बार फिर अपने निडर रवैये और लोगों से जुड़ने की गहरी क्षमता से सबका ध्यान खींचा। उन्हें शेविंग और आइब्रो शेपिंग जैसी सलून सेवाएं दी गईं-जो उन्होंने पहले कभी नहीं की थीं। फिर भी कृष्णा ने बिना झिझके इस चुनौती को स्वीकार किया और इसे पूरे परफेक्शन के साथ पूरा किया, अपने ग्रामीण ग्राहक के चेहरे पर मुस्कान ला दी। इस पल को और भी खास बना दिया कृष्णा की एक पुरानी याद ने। उन्होंने बताया कि कैसे यह अनुभव उन्हें उनके शुरुआती दिनों की ओर ले गया, जब वह युवा लड़कियों को बास्केटबॉल सिखाती थीं।

उन्होंने साझा किया, मैं बच्चों को बास्केटबॉल सिखाया करती थी और आज का यह टास्क मुझे उन्हीं दिनों में ले गया, जब मुझे मेरी पहली तनख्वाह मिली थी। एक बार फिर यह एहसास हुआ कि मेहनत का फल हमेशा मीठा होता है। यही ...ढ़ संकल्प, दिल से काम करने का ...ज़्बा और जुड़ाव की भावना है, जो ...कृष्णा को गांववालों की पसंद बना रहा ...।

...हर टास्क के साथ वह न सिर्फ़ ...अपनी बहुआयामी प्रतिभा और ...तिस्पर्धा दिखा रही हैं, बल्कि लोगों ...के साथ असली रिश्ते भी बना रही हैं ...जिन्हें नजरअंदाज करना मुश्किल है। ...अगर उनकी यह रफ्तार बनी रही, तो ...कृष्णा श्रॉफ इस सीज़न की सबसे ...मजबूत दावेदार साबित हो सकती हैं। ...आखिरकार, वह यह दिखा रही हैं कि ...असली ताक़त सिर्फ़ टास्क पूरा करने ...में नहीं, बल्कि उन्हें ईमानदारी, ...गर्मजोशी और प्रभाव के ...साथ निभाने ...में है।

एक्ट्रेस नीरू बाजवा ने इंडस्ट्री में एंट्री के लिए बोला 'झूठ'!

पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री की जानी-मानी अभिनेत्री नीरू बाजवा इन दिनों फिल्म 'ते-हरान' को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। उन्होंने बताया कि फिल्म इंडस्ट्री में जगह बनाने के लिए झूठ का सहारा लेना पड़ा था।

अभिनेत्री ने बताया कि जिसमें उन्होंने बताया था कि कनाडा से आने वाले लोगों को लेकर इंडस्ट्री में एक गलत धारणा थी, इसलिए उन्होंने सबसे कहा था कि वह चंडीगढ़ की रहने वाली हैं।

नीरू ने कहा, इंडस्ट्री में पहले लोगों को लगता था कि अगर आप कनाडा से हो, तो आपको स्थानीय भाषा अच्छे से नहीं आती होगी और आप अच्छे से भारतीय या पंजाबी भाषा नहीं बोल पाओगे। इसलिए मैं लोगों से झूठ बोला करती थी कि मैं चंडीगढ़ की रहने वाली हूं और सबसे भारतीय लहजे में बात करती थी, क्योंकि मैं इस सोच से तंग आ गई थी। साथ ही, मैं ये भी जानती थी कि उन्हें कितना भी समझाओ, वे नहीं मानेंगे।

उन्होंने किरदार की तैयारी के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि जासूसी फिल्मों ने इस किरदार के लिए उनकी बहुत मदद की। नीरू ने बताया कि किरदार के फिजिकल लैंग्वेज को समझने के लिए उन्होंने ढेरों जासूसी फिल्में देखीं।

उन्होंने कहा, मैंने किरदार के लिए कोई खास तैयारी नहीं की थी। सिर्फ जासूसी फिल्में देखकर किरदारों की चाल-ढाल, हाव-भाव और शारीरिक भाषा को समझा। इस सहज तरीके से उन्हें सेट पर स्वाभाविक अभिनय करने में मदद मिली, जिससे उनके किरदार में और भी गहराई आई।

नीरू ने अपने को-एक्टर जॉन अब्राहम की तारीफ करते हुए कहा, जॉन बहुत विनम्र और सकारात्मक इंसान हैं। उन्होंने सेट पर सभी को सहज रखा, जिससे हमारा काम और भी बेहतर हुआ।

वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेत्री हाल ही में 'तेहरान' में जॉन अब्राहम के साथ एक दमदार भूमिका में नजर आई थीं।

चिरंजीवी - जिनके डांस स्टेप्स के साथ पूरी दुनिया थिरकी, राजनीति में नहीं दोहरा पाए करिश्मा

दक्षिण भारतीय सिनेमा हो या हिंदी सिनेमा, एक ऐसा अभिनेता जिसकी दहाड़ ने दर्शकों को कुर्सी पर ठिठक जाने पर मजबूर कर दिया। एक ऐसा अभिनेता जिसको गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने भारतीय फिल्म उद्योग में अभिनेता/नर्तक श्रेणी में सबसे सफल फिल्म स्टार के रूप में सम्मानित किया। जिनके पांव की थिरकन के साथ दर्शक दीर्घा में खड़े या फिर सिनेमा हॉल में पर्दे पर उनको देख रहे दर्शक खुद थिरकने लगते थे। लेकिन, जब इस अभिनेता ने राजनीतिक जमीन पर अपने पांव जमाने और जनता को थिरकाने की कोशिश की तो उनको आशातीत सफलता हासिल नहीं हो पाई।

मतलब सिनेमा के पर्दे के मेगास्टार राजनीति की पिच पर कमाल नहीं कर पाए। लेकिन, राजनीति में उनके पदार्पण ने एक समय पर क्षेत्रीय दलों की पेशानी पर चिंता की लकीरें जरूर खींच दी थी। हम बात कर रहे हैं साउथ सिनेमा के मेगास्टार चिरंजीवी की, जिन्होंने आंध्र प्रदेश की जमीन को अपनी राजनीतिक जन्मभूमि बनाई और 'प्रजा राज्यम पार्टी' (पीआरपी) की स्थापना की थी।

'मेगास्टार चिरंजीवी', जिनका वास्तविक नाम कोणिदेल शिव शंकर वर प्रसाद है, यह भी उनके चाहने वाले शायद ही जानते होंगे। सबसे सफल भारतीय सितारों में से एक चिरंजीवी ने सालों से हिंदी, तेलुगु, तमिल और कन्नड़ सिनेमा के पर्दे को अपनी कला से रोशन किया है। साल 1978 में 'पुनाधिरल्लु' से एक अभिनेता के रूप में अपने करियर की शुरुआत करने वाले अभिनेता चिरंजीवी को 'रघुपति वेंकैया' पुरस्कार, जो आंध्र प्रदेश में शीर्ष फिल्म सम्मान है, से पुरस्कृत किया जा चुका है। उनके पास तीन नंदी अवॉर्ड, नौ फिल्मफेयर अवॉर्ड साउथ और एक लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड भी है। साल 2006 में उन्हें पद्म भूषण से भी सम्मानित किया गया।

चिरंजीवी की लोकप्रियता का अंदाजा इस बात से लगाइए कि उनकी फिल्म 'कोडामा सिम्हम' (1990) अंग्रेजी भाषा में डब होने वाली पहली दक्षिण भारतीय फिल्म बनी, वहीं ऑस्कर पुरस्कार समारोह के लिए आमंत्रण पाने वाले चिरंजीवी पहले दक्षिण भारतीय अभिनेता थे। उन्होंने 45 साल के सिनेमाई करियर में 156 फिल्में कीं, जिसमें 537 गाने और 24,000 से ज्यादा डांस मूव्स की वजह से उन्हें गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की तरफ से सम्मानित किया गया। उनका सिनेमाई सफर पर्दे पर आज भी जारी है।

22 अगस्त 1955 को आंध्र प्रदेश के वेस्ट गोदावरी जिले के मोगलथुर में जन्मे कोणिदेल शिव शंकर वर प्रसाद (चिरंजीवी) के पिता कोनिडेला वेंकट राव एक कांस्टेबल थे। चिरंजीवी ने बचपन पैतृक गांव में अपने दादा-दादी के साथ ही बिताया, उनकी स्कूली शिक्षा निदादवोलु, गुराजाला, बापटला, पोन्नूर, मंगलागिरी और मोगलथुर में हुई। छोटी उम्र से ही उन्हें अभिनय में दिलचस्पी थी। इंटरमीडिएट करने के बाद चिरंजीवी चेन्नई चले गए और अभिनय में करियर बनाने के लिए 1976 में मद्रास फिल्म संस्थान पहुंच गए।

उनका राजनीतिक सफर काफी छोटा लेकिन यादगार रहा, जिसमें उन्होंने एक नई पार्टी की स्थापना की और केंद्रीय मंत्री का पद भी संभाला।

चिरंजीवी के राजनीतिक करियर की शुरुआत 26 अगस्त 2008 को हुई, तब उन्होंने आंध्र प्रदेश में 'प्रजा राज्यम पार्टी' (पीआरपी) नामक एक नई राजनीतिक पार्टी की स्थापना की। चिरंजीवी ने तिरुपति में एक विशाल रैली के दौरान अपनी पार्टी के गठन की घोषणा की, जिसका उद्देश्य सामाजिक न्याय और जनता की सेवा करना था। उस समय यह कहा जा रहा था कि चिरंजीवी आंध्र प्रदेश की राजनीति में एक मजबूत तीसरा विकल्प बन सकते हैं, जो कांग्रेस और तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) को तगड़ी टक्कर देगा।

प्रजा राज्यम पार्टी ने 2009 के आंध्र प्रदेश विधानसभा चुनावों में हिस्सा लिया। इन चुनावों में चिरंजीवी ने दो विधानसभा सीटों (तिरुपति और पालाकोल) से चुनाव लड़ा, जिनमें से उन्होंने तिरुपति सीट पर जीत हासिल की। मगर जितना कहा जा रहा था, उनकी पार्टी उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाई। कुल 294 विधानसभा सीटों में से प्रजा राज्यम पार्टी सिर्फ 18 सीटें ही जीत सकी। पार्टी को लगभग 17 प्रतिशत वोट मिले। वहीं, लोकसभा चुनाव में उसे कोई सीट नहीं मिल पाई।

राजनीतिक प्रदर्शन को देखते हुए, 2011 में चिरंजीवी ने अपनी पार्टी का भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में विलय करने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि यह फैसला आंध्र प्रदेश के लोगों के हित में लिया गया था। इस विलय के बाद उन्हें राज्यसभा का सदस्य बनाया गया।

साल 2012 में उन्हें तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की सरकार में केंद्रीय पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) का जिम्मा दिया गया। उन्होंने इस पद पर 2014 तक अपनी सेवाएं दीं। हालांकि, 2013 में तेलंगाना राज्य के गठन के विरोध में उन्होंने अपना इस्तीफा भी दिया था, लेकिन बाद में उन्होंने इसे वापस ले लिया था।

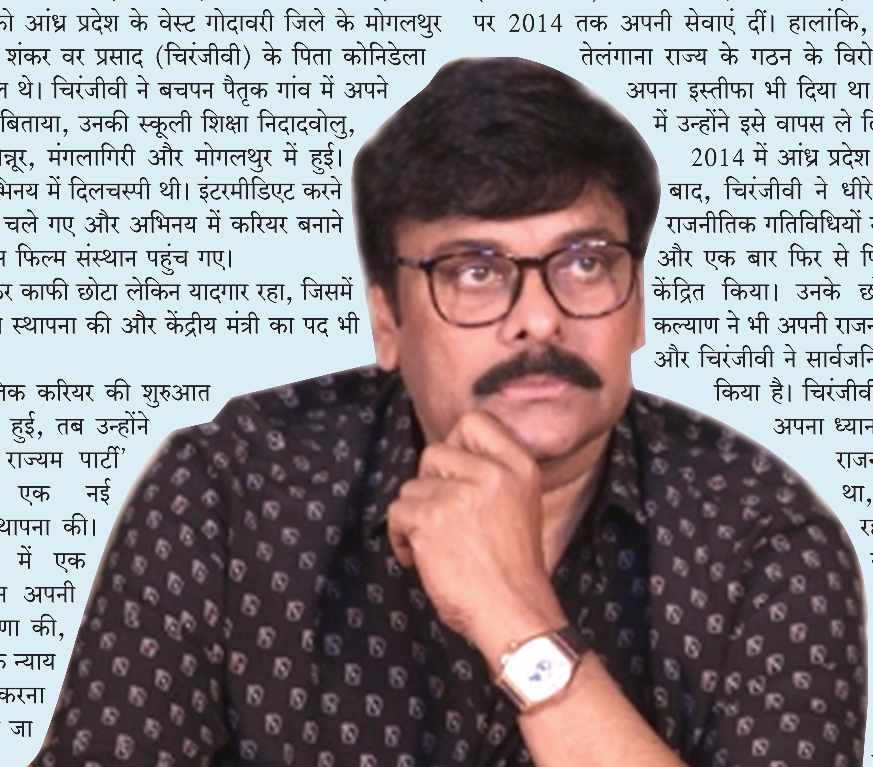

2014 में आंध्र प्रदेश के विभाजन के बाद, चिरंजीवी ने धीरे-धीरे खुद को राजनीतिक गतिविधियों से दूर कर लिया और एक बार फिर से फिल्मों पर ध्यान केंद्रित किया। उनके छोटे भाई पवन कल्याण ने भी अपनी राजनीतिक पार्टी 'जनसेना' बनाई और चिरंजीवी ने सार्वजनिक रूप से उनका समर्थन भी किया है। चिरंजीवी ने फिलहाल फिल्मों पर ही अपना ध्यान केंद्रित कर रखा है।

राजनीति छोड़ने पर उन्होंने कहा था, मैं जीवन भर राजनीति से दूर रहूंगा और सिनेमा के करीब रहूंगा। कुछ लोगों को शक है कि मैं ताकतवर लोगों के करीब जा रहा हूं, मैं उस रास्ते पर नहीं जाऊंगा। पवन कल्याण मेरी सोच और मिशन, 'राजनीति में सेवा,' को पूरा करने के लिए हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज का दिन मध्यम रहेगा। किसी भी काम को योजनाबद्ध तरीक़े से करने पर सफलता मिलेगी, लेकिन कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी और दिन भागदौड़ में व्यतीत होगा। अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। पुराने कर्ज से छुटकारा मिल सकता है। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। परिजन, दोस्त, रिश्तेदारों का पूरा सहयोग मिलेगा। जमीन–जायदाद के मामले में पड़ने से बचें, अन्यथा कानूनी विवाद में फंस सकते हैं। दाम्पत्य जीवन खुशनुमा रहेगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज का दिन मनमुताबिक रहेगा। व्यापार लाभ देगा कामकाज अच्छा चलेगा और धन लाभ के योग भी रहेंगे, लेकिन छोटी–छोटी परेशानियों का सामना भी करना पड़ सकता है। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी और दिन भाग दौड़ में व्यतीत होगा। शारीरिक रूप से थकान का अनुभव करेंगे। क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखें, अन्यथा विवाद होने की संभावना रहेगी। सेहत सामान्य रहेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। कर्ज किसी को भी नही देना हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज का दिन मिलाझुला रहेगा। आय के स्त्रोत बढेंगे व्यापार अच्छा चलेगा और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। आकस्मिक धन लाभ के योग भी बन रहे हैं। नौकरी में मनचाही पदोन्नति की संभावना रहेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। दाम्पत्य जीवन भी सुखद रहेगा। क्रोध पर नियंत्रण रखें, अन्यथा किसी विवाद में फंस सकते हैं। सेहत को लेकर सावधान रहें। धार्मिक कार्य में कुछ समय व्यतीत करें। यात्रा का योग नही हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज के दिन आप का समय अनुकूल रहेगा। नक्षत्र बल रहेगा समय तारा अनुकूल रहने से भाग्य–वृद्धि के योग बन रहे हैं। कारोबार अच्छा चलेगा और धन लाभ की स्थिति रहेगी। नौकरी में तरक्की मिल सकती है। कार्यक्षेत्र में काम की अधि–कता रहेगी, लेकिन सहयोगियों की मदद से कार्य सफल होंगे। आकस्मिक धन प्राप्ति हो सकती है। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। सेहत भी अच्छी रहेगी। यात्रा पर जा रहे है तो गाय को गुड खिलाकर निकलें।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज का दिन कमजोर हैं। आमदनी मे भी रुकावटें बनेगी व्यापारिक गतिविधि मध्यम रहेंगी और छोटी–छोटी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। कार्यभार की भी अधिकता रहेगी, लेकिन सहकर्मियों की मदद से कार्यों में सफलता मिलेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजन का भरपूर सहयोग मिलेगा। पैसों के लेन–देने और कोर्ट–कचहरी के कार्यों से दूर रहना बेहतर होगा। सेहत को लेकर सावधान रहें। छात्रो का परिणाम शतप्रतिशत रहेगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज का दिन सामान्य से कुछ बहतर रहेगा। काम धंधा तो मध्यम रहेगा परन्तु काम मे रुकावटें नही आएगी कार्यभार की अधिकता रहने से दिन भाग दौड़ में व्यतीत होगा। क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखें, अन्यथा किसी विवाद में फंस सकते हैं। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। ईश्वर भक्ति मन को शांति प्रदान करेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजन का सहयोग भी मिलेगा। सेहत तंदुरुस्त रहेगी डीनर के समय दूध का ही सेवन करें।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज कोई मशीन खरिदने का योग बनरहा हैं वाहन भी ले सकते है। कारोबार अच्छा चलेगा और धन लाभ की स्थिति रहेगी, लेकिन कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी और कार्य सफलता के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी। शारीरिक और मानसिक रूप से थकान का अनुभव कर सकते हैं। अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखना होगा। परिवार का माहौल आपके अनुकूल रहेगा, लेकिन ध्यान रहे कि आपकी बातों से किसी को ठेस न पहुंचे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज का दिन शानदाय हैं आप रिस्क मे भी हाथ डाल सकते हैं। नुकसान की सम्भावना कम हैं कार्यक्षेत्र में वातावरण आपके अनुकूल रहेगा और सहकर्मियों का भरपूर सहयोग मिलेगा, जिससे कार्य आसानी से पूरे होंगे। काम को लेकर किसी यात्रा पर जाना पड़ सकता है। रुका हुआ धन वापस मिल सकता है। क्रोध पर नियंत्रण रखें। परिवार का साथ रहेगा शाम को टहलने के लिए जरुर निकले।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज के दिन महनत ज्यादा करनी पडेगी। आज सह–कर्मियों का सहयोग भी मिलेगा, लेकिन आशानुरूप कार्यों में सफलता नहीं मिलने से मन व्यथित रहेगा। व्यापार–धंधे में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। धार्मिक और आध्यात्मिक कार्यों के प्रति रुचि बढ़ेगी। परिवार का माहौल ठीक रहेगा किसी से विवाद होने की आसंका मे अपने को दूर ही रखें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज सुबह ही कोई काम बनेगा खुशखबरी से दीन बन जाएगा। व्यवसाय में लाभ और नौकरी में तरक्की के योग बन रहे हैं। कारोबार विस्तार को लेकर योजनाएं शुरू कर सकते हैं। प्रॉपर्टी में निवेश लाभदायक सिद्ध होगा। कार्यभार की अधिकता रहेगी, लेकिन कार्यों में सफलता मिलने से आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजन के साथ समय आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। मित्रों के साथ डीनर का प्रोग्राम बनेगा। सेहत भी जबरदस्त रहेगी।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज का दिन थोडा व्यस्तता मे बीतेगा थकावट ज्यादा रहेगी। धंधा जरुर अच्छा चलेगा लेकिन नए कार्यों की शुरुआत करने से बचें, वरना बड़ा नुकसान होने की संभावना रहेगी। कार्यों में सफलता मिलने से धन लाभ होगा, अनावश्यक धन व्यय की भी अधिकता रहेगी। रुका हुआ पैसा मिल सकता है। उधार लेन–देन से बचें। परिश्रम और प्रयासों से सभी कार्यों में सफलता मिलेगी। विरोधी परास्त होंगे।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज सुबह ही हनुमान मंदिर के दर्शन करके दिन की शुरुआत करें कार्य सिद्धि होगी। आय में वृद्धि के योग भी बन रहे हैं। हालांकि, कार्यभार की अधिकता रहेगी और कार्यों में सफलता के लिए कठिन परिश्रम करना पड़ेगा। जोखिम लेने से नुकसान उठाना पड़ सकता है, इसलिए निर्णय सोच–समझकर लें। बेरोजगारों को रोजगार के अवसर मिलेंगे। क्रोध पर नियंत्रण रखें। दिन का पीछला भाग जरुर सुकून भरा रहेगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 22 अगस्त 2025 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2082
मास : भाद्रपद ,कृष्ण पक्ष
तिथि : चतुर्दशी दोपहर 11:58 तक
नक्षत्र : आश्लेषा रात्रि 12:17 तक
योग : वरियान दोपहर 02:35 तक
करण : शकुन दोपहर 11:58 तक
चन्द्रराशि : कर्क रात्रि 12:47 तक
सूर्योदय : 06:00 , सूर्यास्त 06:37 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:36 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:00, सूर्यास्त 06:30 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:52 , सूर्यास्त 06:27 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : पितृकार्य अमावस्या , कुशोत्पाटिनी अमावस्या , शरद ऋतु आरंभ , गण्डमूल चालू है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राज्य सरकार हरियाणा को देश का नंबर एक स्टार्टअप हब बनाने के लिए प्रतिबद्ध : नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़, 21 अगस्त (एजेंसियां)। राज्य में युवा उद्यमियों को प्रोत्साहित करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने युवाओं को उद्यमिता के लिए प्रेरित और प्रशिक्षित करने हेतु 'हरियाणा राज्य उद्यमिता आयोग' की स्थापना की घोषणा की। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि सरकार हरियाणा को देश का नंबर एक स्टार्टअप हब बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसका लक्ष्य राज्य में स्टार्टअप्स की संख्या को तीन गुना करना है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार में 'विश्व उद्यमिता दिवस' के अवसर पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह और कई अन्य घोषणाएँ कीं। इस अवसर पर जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा और युवा अधिकारिता एवं उद्यमिता मंत्री गौरव गौतम भी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में राज्य भर के विभिन्न विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों, विद्यालयों और औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के लगभग 2,000 विद्यार्थियों के साथ–साथ विभिन्न क्षेत्रों के लगभग 100 सफल उद्यमियों ने भाग लिया।इस अवसर पर, मुख्यमंत्री ने एबीआईसी, सीसीएसएचएयू, हिसार के 22 स्टार्टअप्स को अनुदान राशि के रूप में 1,14,30,000 रुपये से अधिक का चेक प्रदान किया।

मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए सभी स्कूलों और कॉलेजों में स्टार्टअप आइडिया स्लोगन प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाएँगी, जिनमें ज़िला और राज्य स्तर पर विजेताओं को 1 करोड़ रुपये तक की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप में विकसित होने वाले विचारों को स्टार्टअप नीति के तहत सरकार से पूर्ण माइक्रोफाइनेंस सहायता मिलेगी। उन्होंने यह भी घोषणा की कि 'वोकल फ़ॉर लोकल' पहल को बढ़ावा देने के लिए स्वदेशी मेले आयोजित किए जाएँगे, जिसमें ज़िला प्रशासन का पूर्ण सहयोग मिलेगा। नायब सिंह सैनी ने कहा कि राज्य सरकार निजी निवेशकों को एक फंड ऑफ़ फ़ंड बनाने के लिए प्रोत्साहित कर रही है, जो स्थानीय स्टार्टअप में निवेश करके हरियाणा को नवाचार और उद्यमिता का एक प्रमुख केंद्र बनाएगा।

उन्होंने घोषणा की कि राज्य के प्रत्येक ज़िले में सार्वजनिक–निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किए जाएँगे। युवाओं के कौशल की पहचान और विकास के लिए, जिला और राज्य स्तर पर प्रतिवर्ष कौशल प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाएँगी। इसके अतिरिक्त, मुख्यमंत्री युवा कौशल सम्मान योजना के अंतर्गत, 2,000 स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों को विभिन्न उद्योगों में इंटर्नशिप के अवसर प्रदान किए जाएँगे, साथ ही 10,000 रुपये का मानदेय भी दिया जाएगा।

नायब सिंह सैनी ने यह भी घोषणा की कि राज्य सरकार विश्व कौशल ओलंपिक में हरियाणा के पदक विजेताओं को 10 लाख रुपये तक के नकद पुरस्कार प्रदान करेगी। जो लोग अपना खुद का व्यवसाय शुरू करना चाहते हैं, वे 10 लाख रुपये की अतिरिक्त वित्तीय सहायता के पात्र होंगे। यदि वे उद्यमिता नहीं अपनाना चाहते हैं, तो उन्हें हरियाणा भर के स्कूलों, आईटीआई, पॉलिटेक्निक और कॉलेजों में कौशल प्रशिक्षक के रूप में रोजगार दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को 5 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार के प्रयासों के परिणाम अब स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में, हरियाणा में 9,000 से ज़्यादा मान्यता प्राप्त स्टार्टअप हैं। इससे भी अधिक उत्साहजनक बात यह है कि इनमें से लगभग 45 प्रतिशत स्टार्टअप महिलाओं द्वारा संचालित हैं, जो हमारी बेटियों के बढ़ते सशक्तिकरण को दर्शाता है। आज, हरियाणा स्टार्टअप की संख्या के मामले में भारत का सातवाँ सबसे बड़ा राज्य है। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि उद्यमिता केवल व्यवसाय शुरू करने या पैसा कमाने के बारे में नहीं है। यह एक विचार से शुरू होती है और एक बेहतर व्यवसाय के रूप में फलीभूत होती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, केंद्र सरकार ने युवाओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से कई योजनाएँ शुरू की हैं। यह पहल एक ऐसा तंत्र बनाने में मदद कर रही हैं जहाँ हर युवा को अपने सपनों को साकार करने का अवसर मिलेगा।

उन्होंने कहा कि कई युवाओं के पास शानदार विचार होते हैं, लेकिन अक्सर धन की कमी के कारण उनके सपने पूरे नहीं कर पाते हैं , ऐसे में मुद्रा योजना ने 10 लाख रुपये तक के बिना किसी गारंटी के ऋण प्रदान करके इस बाधा को दूर किया है। इस योजना ने लाखों छोटे उद्यमियों को अपना व्यवसाय सफलतापूर्वक शुरू करने या उसका विस्तार करने का अवसर दिया है। उन्होंने कहा कि नवाचार की नींव बचपन में ही रखनी चाहिए। इसी दृष्टिकोण से, अटल नवाचार मिशन के तहत स्कूलों और कॉलेजों में अटल टिंकरिंग लैब स्थापित की जा रही हैं।

भिवानी में शिक्षिका मनीषा का अंतिम संस्कार हुआ डीजीपी बोले– सीबीआई जल्द शुरू करेगी जांच

भिवानी , 21 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के भिवानी जिले में 8 दिन पहले खेतों में मृत पाई गई 19 वर्षीय शिक्षिका मनीषा के मामले में राज्य सरकार ने सीबीआई को जांच सौंप दी है। गुरुवार को हरियाणा के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) शत्रुजीत कपूर ने बताया कि सीबीआई जल्द इस मामले की जांच शुरू करेगी। हत्याकांड के तकरीबन 8 दिन बाद मनीषा का गुरुवार को उसके गांव में अंतिम संस्कार कर दिया गया। भिवानी और रोहतक के बाद बुधवार को दिल्ली के एम्स में उसका तीसरा पोस्टमार्टम किया गया था, क्योंकि परिवार और ग्रामीणों ने पिछले पोस्टमार्टम पर संदेह व्यक्त किया। कथित तौर पर मनीषा के गले पर कट का निशान था। दिल्ली एम्स में पोस्टमार्टम के बाद मनीषा का शव उसके गांव पहुंचा, जहां भारी पुलिस बल की तैनाती के बीच अंतिम संस्कार किया गया।

डीजीपी शत्रुजीत कपूर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि सारी जांच पोस्टमार्टम व फॉरेंसिक स्तर पर हो रही थी, जिसमें समय लगता है। मनीषा के जहर खाने या किसी और की तरफ से खिलाने, सीसीटीवी व सुसाइड नोट से जुड़े सवालों पर डीजीपी ने कहा कि इन सभी तथ्यों की जांच सीबीआई करेगी, ऐसे में अब कोई खुलासा पुलिस नहीं कर सकती है।

अंबाला छावनी में एनसीडीसी की निर्माणाधीन शाखा को अगले 18 महीनों में किया जाएगा तैयार : अनिल विज

चण्डीगढ , 21 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि अंबाला छावनी में राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) की निर्माणाधीन शाखा को अगले 18 महीनों में तैयार किया जाएगा।

विज ने बताया कि इस संबंध में केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे.पी. नडडा द्वारा एक पत्र उन्हें भेजा गया है। उल्लेखनीय है कि पत्र के माध्यम से बताया गया है कि एनसीडीसी के निर्माण को पूरा करने के लिए संबंधित केन्द्रीय एजेंसी सीपीडब्ल्यूडी को निर्देश दे दिए गए हैं कि इस शाखा का निर्माण

18 महीनों में पूरा कर दिया जाए। ऊर्जा मंत्री ने बताया कि सीपीडब्यलूडी को गत दिनों 1.39 करोड रूपए की राशि की पहली किस्त जारी की जा चुकी है। गौरतलब है कि लगभग 17 करोड़ रुपए की लागत से अम्बाला छावनी में एनसीडीसी की शाखा को बनाया जा रहा है। विज ने बताया कि अम्बाला छावनी विधानसभा क्षेत्र के नग्गल में बनाए जा रहे एनसीडीसी में जहां विभिन्न रोगों से संबंधित टेस्ट की सुविधा होगी, वहीं बीमारी से संबंधित अनुसंधान का कार्य भी किया जाएगा। इस शाखा के खुलने से हरियाणा सहित दिल्ली, उत्तर प्रदेश, जम्मू, पंजाब, राजस्थान इत्यादि के लोगों को विभिन्न बीमारियों से संबंधित टेस्ट करवाने में सुविधा मिलेगी। विज ने बताया कि एनसीडीसी शाखा के निर्माण के लिए पहले फेज का कार्य आरंभ हो चुका है। एनसीडीसी के प्रा–वधानों के तहत लैब बनाई जाएगी और सीपीडब्ल्यूडी इस पर कार्य कर रही है। उल्लेखनीय है कि अम्बाला छावनी में एनसीडीसी का निर्माण इसलिए हुआ क्योंकि अंबाला हवाई, रेलवे जंक्शन और रोड नेटवर्क से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है।

राजस्थान विद्यापीठ का 89वां स्थापना दिवस, पंडित जनार्दन राय नागर की प्रतिमा का अनावरण

उदयपुर , 21 अगस्त (एजेंसियां)। उदयपुर स्थित राजस्थान विद्यापीठ का 89वां स्थापना दिवस गुरुवार को धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर श्रमजीवी महाविद्यालय परिसर में संस्था के संस्थापक पंडित जनार्दन राय नागर, जिन्हें प्यार से जनुभाई कहा जाता है, की प्रतिमा का लोकार्पण किया गया। जनुभाई के सपनों को साकार करने का संकल्प

इस समारोह में कुलाधिपति भंवरलाल गुर्जर, कुलपति प्रो. एस.एस. सारंगदेवोत, पीठ स्थविर कौशल नागदा और उनके परिवार के सदस्यों ने जनुभाई की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। पंडित लोकेश पालीवाल के नेतृत्व में 11 पंडितों ने मंत्रोच्चार के साथ प्रतिमा का अनावरण किया।

जनुभाई की दूरदृष्टि: कुलपति प्रो. शिवसिंह सारंगदेवोत ने अपने संबोधन में कहा कि जनुभाई ने अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को शिक्षित करने का सपना देखा था। 1937 में जो पौधा उन्होंने लगाया था, वह आज एक विशाल वटवृक्ष बन गया है। उन्होंने कहा कि आज इस वटवृक्ष की देखभाल और उन्नति की जिम्मेदारी विद्यापीठ के सभी कार्यकर्ताओं की है। सारंगदेवोत ने बताया कि जनुभाई ने साक्षरता, बेहतर शिक्षा और नैतिक मूल्यों के प्रसार के लिए इस संस्थान की स्थापना की थी। उन्होंने कहा कि आज विद्यापीठ में 200 से अधिक पाठ्यक्रम संचालित हो रहे हैं, जिनका वार्षिक बजट ₹70 करोड़ है, जो अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है।

कुलाधिपति भंवर लाल गुर्जर ने इस अवसर को बीते हुए वर्षों का मूल्यांकन और भविष्य के लिए नए दायित्वों का निर्धारण करने का दिन बताया। उन्होंने नई पीढ़ी से मेवाड़ के ग्रामीण समुदाय की समस्याओं को सुलझाने और जनुभाई के सपनों को पूरा करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि विद्यापीठ ने राष्ट्र की शैक्षिक, सामाजिक और सांस्कृतिक प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

समारोह से पहले, विद्यापीठ के प्रतापनगर परिसर में स्थित जनुभाई की आदमकद प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। इसके बाद कुलाधिपति, कुलपति और पीठ स्थविर ने विद्यापीठ के ध्वज का झंडारोहण किया और संस्थान गीत का गायन किया। मुख्य अतिथि डॉ. प्रफुल्ल नागर और पूर्व कुलपति प्रो. दिव्य प्रभा नागर ने पंडित नागर की शिक्षा के प्रति दूरदृष्टि और उनके व्यक्तित्व में सेवा व समर्पण के भावों को रेखांकित किया। कार्यक्रम का संचालन रजिस्ट्रार डॉ. तरुण श्रीमाली और डॉ. हेमेंद्र चौधरी ने किया, जबकि आभार प्रो. मलय पानेरी ने व्यक्त किया।

नालपुर बीसशा में खेड़ा वाले बाबा का दो दिवसीय मेला आज से

झुंझुनू (राजस्थान), 21 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। झुंझुनू जिले की खेतड़ी तहसील के नालपुर बीशा गाँव में स्थित खेड़ा वाले बाबा का दो दिवसीय मेला आज, शुक्रवार दि. 22 अगस्त से शुरू हो रहा है।मंदिर कमेटी बाबा खेड़ावाला सेवा समिति' के अध्यक्ष दुलीचंद रोजडीया ने बताया कि मेले के पहले दिन, यानी आज, सुबह 10 बजे से भव्य भजन कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसमें हरियाणा की लोक गायिका दीपा चौधरी एंड पार्टी बाबा के इतिहास पर आधारित भजन प्रस्तुत करेंगी।मेले की तैयारियों की समीक्षा के लिए एक बैठक भी आयोजित की गई, जिसमें रामस्वरूप रोजडीया, महावीर गहलॉवत, मुकेश गहैलावत सहित कई अन्य सदस्य और ग्रामीण मौजूद थे।दुलीचंद रोजडीया ने क्षेत्र के सभी लोगों से इस भव्य मेले में शामिल होने का आग्रह किया है।

केन्द्र सरकार 697 करोड़ से अधिक की अतिरिक्त राशि शीघ्र करेगी जारी: भजनलाल

जयपुर , 21 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश में गुण–वत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री के विशेष प्रयासों के फलस्वरूप केन्द्र सरकार ने 697.88 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि शीघ्र जारी करने की सहमति प्रदान की है। शर्मा ने हाल ही में नई दिल्ली में केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान से मुलाकात कर केन्द्र से प्रदेश को मिलने वाली सहायता एवं अनुदान के संबंध में विस्तृत चर्चा की थी। इस दौरान केन्द्रीय मंत्री ने मुख्यमंत्री के अनुरोध पर राजस्थान में आईसीटी, स्मार्ट क्लासेज और सांइस लैब की स्थापना के लिए 697.88

करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि शीघ्र जारी करने की सहमति दी है।

इस राशि से प्रदेश के राजकीय विद्यालयों की आईटी अवसंरचना सशक्त होगी और विद्यार्थी वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित कर नवीन प्रयोगों एवं अनुसंधान में सहभागिता कर सकेंगे। अध्ययनरत् छात्र–छात्राओं के लिए कुल 3 हजार 834 स्मार्ट क्लास एवं 2 हजार 657 आईसीटी लैब की पहुंच सुनिश्चित होगी। साथ ही, 816 जीव विज्ञान, 722 भौतिक विज्ञान एवं 718 रसायन विज्ञान (कुल 2256) प्रयोगशालाओं की स्थापना भी की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री के आग्रह पर केन्द्रीय शिक्षा मंत्री ने समग्र शिक्षा अभियान के अन्तर्गत 3 हजार 200 करोड़ रुपये राज्य को देने के लिए भी सहमति प्रदान की है। इस राशि की प्रथम किस्त राज्य को शीघ्र जारी की जाएगी। इस प्रकार प्रदेश को केन्द्रीय सरकार से लगभग 3 हजार 900 करोड़ रुपये की राशि मिलेगी।

भजनलाल शर्मा ने कुसुम 2.0 के तहत 5 हजार मेगावाट क्षमता के अतिरिक्त आवंटन का किया अनुरोध

जयपुर , 21 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने केन्द्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी से मंगलवार को नई दिल्ली में शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने राजस्थान के किसानों के आर्थिक सशक्तीकरण एवं प्रदेश में सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए पी. एम. कुसुम योजना 2.0 के तहत 5 हजार मेगावाट क्षमता का अतिरिक्त आवंटन स्वीकृत करने का अनुरोध किया।

शर्मा ने जोशी को अवगत कराया कि प्रदेश में इस योजना के घटक–ए में अब तक 457 मेगावाट क्षमता के विकेन्द्रित सौर ऊर्जा संयत्र स्थापित किए जा चुके हैं तथा 3200 मेगावाट क्षमता की परियोजनाएं स्थापित करने के लिए कार्यादेश जारी कर दिए गए हैं।इस दौरान केन्द्रीय नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कहा कि राज्य सरकार के विगत डेढ़ वर्ष में किए गए प्रयासों से राजस्थान पी. एम. कुसुम योजना के घटक–ए के क्रियान्वयन में देश में अग्रणी बना है। साथ ही, घटक–सी में विक्रेन्द्रित सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने की दिशा में तेजी से काम हुआ है, जो बेहद सराहनीय है।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दें

पीएम मोदी का गयाजी दौरा आज : करोड़ों की योजनाओं का करेंगे शिलान्यास

तैयारियां अंतिम चरण में

गयाजी (एजेंसियां)। बोधगया स्थित मगध विश्वविद्यालय परिसर में आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आगमन होने जा रहा है।

इसको लेकर तैयारियां युद्धस्तर पर चल रही हैं और लगभग पूरी हो चुकी हैं। सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने के लिए सेना के जवानों ने हेलीपैड स्थल का निरीक्षण किया और हवाई मॉक ड्रिल भी की। वहीं, डॉग स्क्वॉड, एसएसबी टीम और बम निरोधक दस्ते ने भी कार्यक्रम स्थल की जांच की।

जिलाधिकारी शशांक शुभंकर ने बताया कि सभी तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। वरीय पुलिस अधीक्षक ने भी विशेष सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी दी। प्रधानमंत्री मोदी यहां 1675 करोड़

रुपये की लागत से 30 परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण करेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी आज मगध विश्वविद्यालय परिसर में विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे। कार्यक्रम को लेकर पूरे जिले में उत्सव जैसा माहौल है। सभा स्थल और पार्किंग स्थलों पर 19 समरसेबल बोरिंग तथा 500 से अधिक स्टैंड पोस्ट नल लगाए गए हैं।

हेलीपैड क्षेत्र के आसपास 2 किलोमीटर अंडरग्राउंड केबल और 3 किलोमीटर ओवरहेड वायरिंग की गई है। साथ ही 50 से अधिक नए पोल और जिंदापुर व आईएचएम पार्किंग क्षेत्र में 13 मीटर ऊंचे रेल पोल लगाए गए हैं। 5 किलोमीटर से अधिक सड़कों का कालीकरण और चौड़ीकरण भी कराया गया है।

वन विभाग की ओर से पौधारोपण और सुरक्षा के लिए गेबियन लगाया गया है। सभा स्थल के निकट बनाए गए हेलीपैड पर सेना के हेलीकॉप्टर की लैंडिंग का मॉक ड्रिल भी किया गया। बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड द्वारा लगातार जांच की जा रही है।

मगध विश्वविद्यालय परिसर में 38 एकड़ क्षेत्रफल में पंडाल बनाया गया है। एनडीए नेताओं का दावा है कि इस जनसभा में चार लाख से अधिक कार्यकर्ता शामिल होंगे। कार्यकर्ता बिहार और झारखंड के विभिन्न जिलों से पहुंचेंगे।

वहीं, पीएम मोदी के दौरे को देखते हुए जिला प्रशासन ने इस दिन सभी शिक्षण संस्थानों को बंद रखने का आदेश जारी किया है। गया जी के डीएम शशांक शुभंकर की तरफ से जारी आदेश में कहा गया है कि आज जिले के सभी सरकारी, निजी संस्थानों के साथ साथ सभी कोचिंग संस्थान, आंगनबाड़ी केंद्रों की शैक्षणिक गतिविधियां बंद रहेंगी। डीएम की तरफ से जारी आदेश में कहा गया कि प्रधानमंत्री का दिनांक 22.08.2025 को गया जी के बोधगया में स्थित एमयू कैंपस में जनसभा कार्यक्रम निर्धारित है। कार्यक्रम के अवसर पर संभावित भीड़ एवं जिले के अन्य मार्गों पर वाहनों के दबाव के फलस्वरूप स्कूल वाहनों द्वारा बच्चों के विद्यालय आने-जाने में काफी कठिनाईयों से उनके स्वास्थ्य और जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना है।

राहुल-तेजस्वी के आने से पहले कांग्रेस में महाभारत!

पोस्टर वॉर ने खोली गुटबाजी की पोल

पूर्णिया (एजेंसियां)। पूर्णिया में महागठबंधन की नाव तूफान में फंसी नजर आ रही है। एक ओर राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की 'वोटर अधिकार यात्रा' की तैयारी जोर-शोर से चल रही है, वहीं दूसरी ओर कांग्रेस पार्टी के भीतर आपसी कलह खुलकर सामने आ गई है। खासकर, कांग्रेस के संभावित उम्मीदवारों के बीच चल रही पोस्टर फाड़ने की जंग ने पूरे राजनीतिक माहौल को गर्मा दिया है। यह हालात बिल्कुल एक अनार, सौ बीमार की कहावत को सही साबित कर रहे हैं।

पूर्णिया सदर विधानसभा सीट से कांग्रेस के कई नेता दावेदारी जता रहे हैं। लेकिन दावेदारी से ज्यादा चर्चा उनके आपसी विवाद की हो रही है। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में नेताओं के पोस्टर फाड़े जाते हुए दिख रहे हैं। यह वीडियो न केवल कार्यकर्ताओं में बल्कि शीर्ष नेताओं और आम

जनता के बीच भी चर्चा का विषय बन गया है।

यह विवाद किसी एक दिन का नहीं है। कटिहार मोड़ से बेलोरी तक छक-31 पर रात में दो दा-वेदारों के फटे हुए पोस्टर मिले हैं, जिसका वीडियो भी वायरल हो रहा है। अभी तक यह साफ नहीं हो पाया है कि किसने किसका पोस्टर फाड़ा या फाड़वाया, लेकिन इतना तय है कि यह सब कांग्रेस नेताओं के बीच की खीं-चतान का नतीजा है।

इस विवाद में कांग्रेस नेता जितेंद्र यादव का पोस्टर सबसे ज्यादा चर्चा में है। उनका पोस्टर एक ऐसे घर की छत पर लगाया गया था, जहां बिना मकान मालिक की सहमति के प्रचार सामग्री लगाना संभव नहीं है। इसके बावजूद उनका पोस्टर फटा हुआ मिला। खास बात यह है कि जितेंद्र यादव कुछ दिन पहले ही कांग्रेस में शामिल हुए हैं।

बता दें कि 23 और 24 अगस्त को राहुल गांधी और तेजस्वी यादव पूर्णिया में जनसभा को संबोधित करने वाले हैं। ऐसे में इस तरह की घटनाएँ महागठबंधन की छवि को नुकसान पहुंचा सकती हैं। गुटबाजी जनता के बीच गलत संदेश देगी और कांग्रेस की चुनावी राह को और कठिन बना सकती है।

मुजफ्फरपुर में बड़ा हादसा

ट्रैक्टर में करंट आने से लगी आग दो युवकों की जिंदा जलकर मौत

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर जिले के सकरा थाना क्षेत्र के सकरा वाजिद गांव में गुरुवार को बड़ा हादसा हो गया।

एक ट्रैक्टर बिजली के खंभे से टकरा गया, जिससे उसमें करंट दौड़ पड़ा और आग लग गई। हादसे में ट्रैक्टर पर सवार दो युवकों की मौके पर ही जिंदा जलकर मौत हो गई। घटना के बाद पूरे इलाके में अफरातफरी मच गई और मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। मृतकों की पहचान सकरा थाना क्षेत्र के भट्टांडी गांव निवासी राहुल कुमार और रोहित कुमार के रूप में हुई है। दोनों की उम्र करीब 18 वर्ष बताई जा रही है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोनों युवक ट्रैक्टर लेकर जा रहे थे। खराब सड़क की वजह से ट्रैक्टर

अनियंत्रित होकर बिजली के खंभे से टकरा गया। टक्कर लगते ही खंभे का तार ट्रैक्टर पर गिर गया और पूरा ट्रैक्टर करंट की चपेट में आ गया। देखते ही देखते उसमें आग लग गई और दोनों युवक बाहर नहीं निकल सके।

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। सकरा थाना प्रभारी राजू कुमार पाल ने बताया कि दोनों युवकों की मौत बिजली के करंट की चपेट में आने से हुई है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एसकेएमसीएच भेजा जा रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। हादसे के बाद गांव में कोहराम मचा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है।

जहानाबाद में प्रभारी मंत्री अशोक चौधरी का विपक्ष पर हमला, कहा–

विकास की रफ्तार से बौखलाया महागठबंधन

जहानाबाद (एजेंसियां)। जहानाबाद पहुंचे जिले के प्रभारी मंत्री अशोक चौधरी ने विपक्ष पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि विपक्ष के पास कोई ठोस मुद्दा नहीं बचा है और सिर्फ चुनाव आयोग का सहारा लेकर लोगों को गुमराह करने का काम कर रहा है।

अशोक चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार के हर क्षेत्र में तेजी से विकास हो रहा है।

केंद्र और राज्य दोनों जगह एनडीए की सरकार है, जिसके कारण शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क और बिजली के क्षेत्र में लगातार काम हो रहे हैं। यही देखकर विपक्ष परेशान है। महागठबंधन की 'वोट अधिकार यात्रा' को उन्होंने नौटंकी करार दिया। उन्होंने कहा कि हाल ही में राहुल गांधी द्वारा उठाए गए सवाल का चुनाव आयोग ने जवाब देकर स्पष्ट कर

दिया है कि उनका आरोप निराधार है।

लोकसभा में प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और मंत्रियों से जुड़े नए बिल पर प्रतिक्रिया देते हुए अशोक चौधरी ने कहा कि यह बहुत अच्छी पहल है। यदि किसी मंत्री, मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री पर गंभीर आरोप लगे हैं, तो उन्हें 30 दिनों के भीतर पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। इस बिल का विरोध करना गलत मानसिकता को दर्शाता है।

22 अगस्त को बोधगया में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की विराट जनसभा आयोजित होने जा रही है। इसी को लेकर जहानाबाद में एनडीए कार्यकर्ताओं की अहम बैठक हुई। बैठक में बिहार सरकार के ग्रामीण कार्य मंत्री व जहानाबाद प्रभारी मंत्री प्रमोद चंद्रवंशी, विधान परिषद सदस्य अनिल शर्मा, पूर्व सांसद चंदेश्वर चंद्रवंशी, पूर्व विधायक अभिराम शर्मा, राज्य बीस सूत्री सदस्य चंदन सिंह, जिला परिषद अध्यक्ष रानी कुमारी, जदयू नेता निरंजन केशव प्रिंस समेत एनडीए के सभी जिला अध्यक्ष और सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल हुए।

बैठक को संबोधित करते हुए प्रभारी मंत्री प्रमोद चंद्रवंशी ने कहा कि यह जनसभा बिहार के विकास और खुशहाली का नया अध्याय जोड़ेगी।

विधान परिषद सदस्य अनिल शर्मा ने कहा कि कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है कि वे गांव-गांव जाकर केंद्र और राज्य सरकार की उपलब्धियाँ लोगों तक पहुंचाएं। पूर्व सांसद चंदेश्वर चंद्रवंशी ने जनसभा को बिहार के लोगों की सशक्त आवाज बताते हुए कार्यकर्ताओं से इसे ऐतिहासिक बनाने की अपील की।

राज्य बीस सूत्री सदस्य चंदन सिंह ने कहा कि यह आयोजन बिहार के विकास का एक महत्वपूर्ण अवसर होगा। बैठक में तय किया गया कि अधिक से अधिक संख्या में लोग जनसभा में शामिल हों और सरकार की उपलब्धियाँ जन-जन तक पहुँचाई जाएँ। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन जदयू नेता निरंजन केशव प्रिंस ने दिया।

आर्टिस्ट पीयूष हत्याकांड में बड़ी कार्रवाई

पांच आरोपी दोस्त हुए गिरफ्तार

सीवान (एजेंसियां)। बिहार के सीवान में टैटू आर्टिस्ट पीयूष हत्याकांड मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने हत्याकांड में शामिल पांच आरोपी दोस्तों को गिरफ्तार कर लिया है। घटना में प्रयुक्त चाकू,खून लगा कपड़ा और 3 मोबाइल भी बरामद हुए हैं। वहीं, अन्य आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी चल रही है। आपसी विवाद में दोस्तों ने हत्या की घटना को अंजाम दिया है। मंगलवार को बसंतपुर के खोड़ीपाकड़ नहर के किनारे से पीयूष का अधजला शव बरामद किया गया था। इसकी जानकारी महाराजगंज एसडीपीओ अमन ने प्रेसवार्ता कर दी है।

एसडीपीओ अमन ने बताया कि मंगलवार को बसंतपुर के खोड़ीपाकर नहर के किनारे भगवानपुर हाट के मलमलिया गांव निवासी स्वः रवीन्द्र सिंह के पुत्र पीयूष कुमार का अधजला शव बरामद किया गया था। पीयूष की निर्मम तरीके से गला रेतकर हत्या करने के बाद पेट्रोल

छिड़ककर जला दिया गया था। इस घटना के बाद मृतक की मां रीमा देवी ने थाने में आवेदन देकर पीयूष के दोस्तों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी।

सीवान एसपी मनोज तिवारी के निर्देश पर महाराजगंज एसडीपीओ के नेतृत्व में तुरंत एसआईटी टीम का गठन किया गया। गठित टीम के सभी पुलिस अधिकारी विशेष टीम के प्रयास से एसडीपीओ के नेतृत्व छापेमारी की। टीम ने महज तीन घंटे के भीतर हत्याकांड का खुलासा किया। पांच आरोपियों को हिरासत में ले लिया। घटना में प्रयुक्त चाकू और घटना को अंजाम देने के समय का आरोपी का खून लगा हुआ कपड़ा बरामद कर लिया गया है।

घटना में संलिप्त अन्य आरोपी के विरुद्ध लगातार छापामारी की जा रही है। गिरफ्तार किए गए आरोपी दोस्तों ने आपसी विवाद में हत्या की घटना को अंजाम दिया।

साक्ष्य छुपाने के लिए शव को जलाने का प्रयास किया था, लेकिन शव अधजला होने की वजह से पहचान हो गई। गिरफ्तार युवकों की पहचान सीवान जिले के लकडीनवीगंज के खवासपुर निवासी विनोद कुमार सिंह के पुत्र अमन कुमार, भगवानपुर हाट के मलमलिया निवासी पंकज सिंह उर्फ पप्पू सिंह के पुत्र हिमांशु सिंह,रविन्द्र सिंह के पुत्र मोहित सिंह,बसंतपुर के हरायपुर निवासी सत्येंद्र सिंह के पुत्र अनीश कुमार और रतौली निवासी अवध पाण्डेय के पुत्र सूरज कुमार पाण्डेय के रूप में हुई है। वहीं, भगव-ानपुर के चरौली निवासी मुकेश सिंह का पुत्र मोहित सिंह फरार चल रहा है,जिसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

बहुचर्चित बिहरा थाना कांड पर अदालत का बड़ा फरमान

आठ अभियुक्तों को सुनाई उम्रकैद की सजा

सहरसा (एजेंसियां)। बिहार के बहुचर्चित बिहरा थाना कांड पर अदालत ने बड़ा फरमान सुनाया है।

सहरसा में बुधवार को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश गोपाल की अदालत ने बहुचर्चित बिहरा थाना कांड संख्या-108/2016 (एसटी-110/17) में आठ अभियुक्तों को दोषी करार देते हुए सजा सुनाई। यह मामला 31 जुलाई 2016 को घटित हुआ था, जिसमें मारपीट और गोलीबारी की घटना में एक व्यक्ति की मौत

हो गई थी।

अभियोजन की ओर से लोक अभियोजक कृष्ण मुरारी प्रसाद ने पक्ष रखा। इस प्रकरण में कुल दस गवाहों की गवाही कराई गई, जिन्होंने घटना की पुष्टि करते हुए अभियोजन के मामले को मजबूत बनाया। अनुसंधानकर्ता उपनिरीक्षक नरेंद्र कुमार सिंह रहे और प्राथमिकी सरिता दास द्वारा दर्ज कराई गई थी।

न्यायालय का यह फैसला क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गया है। लंबे समय से लंबित इस प्रकरण में दोषियों को सजा मिलने के बाद मृतक के परिजनों ने न्याय मिलने पर संतोष जताया है। न्यायालय ने अभियुक्त पटोरी निवासी मंटुन सिंह पिता ब्रहम सिंह, संजीव सिंह पिता ब्रहम सिंह, यसवंत सिंह पिता ब्रहम सिंह, रिपु सिंह पिता यसवंत सिंह, टार्जन सिंह पिता यसवंत सिंह, प्रिंस सिंह पिता मंटुन सिंह, अवधेश सिंह पिता बम सिंह और मिथिलेश सिंह पिता बम सिंह, को दोषी ठहराया। सभी अभियुक्तों को भारतीय दंड संहिता की धारा 302/149 के तहत आजीवन कारावास और दस हजार रुपये अर्थदंड की सजा दी गई। अर्थदंड नहीं देने पर छह माह का अतिरिक्त सश्रम कारावास भुगतना होगा। इसके अतिरिक्त न्यायालय ने धारा 147 के तहत तीन वर्ष, धारा 448 के तहत एक वर्ष तथा धारा 323 के तहत एक वर्ष का सश्रम कारावास भी सुनाया। सभी सजाएं साथ-साथ चलेंगी।

पांच हजार की घूस लेते आवास सहायक को निगरानी टीम ने किया गिरफ्तार

पटना (एजेंसियां)। निगरानी अन्वेषण ब्यूरो की टीम ने बुधवार की शाम बड़ी कार्रवाई करते हुए तरारी थाना क्षेत्र के फतेहपुर बाजार से चकिया पंचायत के आवास सहायक मनीष कुमार को 5 हजार रुपये घूस लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया।

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) की तीसरी किस्त जारी करने के नाम पर आवास सहायक मनीष कुमार लाभुक से 10 हजार रुपये रिश्वत की मांग कर रहा था। लाभुक फतेहपुर निवासी रामजी सिंह ने इसकी शिकायत निगरानी विभाग से की। शिकायत की पुष्टि के बाद निगरानी की टीम ने जाल बिछाया और आरोपी को रंगे हाथ पकड़ लिया। लाभुक पहले ही 5 हजार रुपये घूस दे चुका था। यह निगरानी ब्यूरो की लगातार दूसरी बड़ी सफलता है। इससे पहले 10 जुलाई को पीरो में राजस्व कर्मचारी राजा कुमार दास को 20 हजार रुपये घूस लेते हुए पकड़ा गया था।

इस कार्रवाई का नेतृत्व डीएसपी गौतम कृष्ण ने किया। टीम में इंस्पेक्टर नजीमुद्दीन, पीटीसी मनोज, एएसआई रविशंकर और सिपाही पंकज कुमार राम शामिल थे। साथ ही डीएसपी विपुल कुमार, शैलेन्द्र शुक्ला और कुमार रितेश ने भी इस पूरी कार्रवाई में मार्गदर्शन किया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com